अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का मासिक पत्र

अंगिराऽसि जंगिडः

जांगिड ब्राह्मण

JANGID BRAHMIN

श्री विश्वकर्मणे नमः

वर्षः 116, अंकः 1,जनवरी-2023 ई., तारीख 22-27 प्रति माह

POSTED UNDER LICENCE NO. U(DN) 39/2021 OF POST WITHOUT PREPAYMENT OF POSTAGE

प्रधान रामपाल शर्मा जयपुर में राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए।

लोकतंत्र के इस महापर्व और राष्ट्र के गौरव का प्रतीक,
देश के 74 वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर,
मैं महासभा रुपी परिवार को अपनी तरफ से हार्दिक बधाई देता हूँ।
आओ, हम सभी मिलकर लोकतंत्र के इस मंदिर को एकजुट होकर इसे एक महाशक्ति और विश्व गुरु बनाने के लिए स्तुत्य प्रयास करें।

प्रधान रामपाल शर्मा

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रथम प्रेरक

पं. बाबू गोरधनदास जी शर्मा, मथुरा डॉ. इन्द्रमणि जी शर्मा, लखनऊ पं. पालाराम जी शर्मा, रायपुरखल-पंजाब

पत्र के जन्मदाता

समाज के महापुरूष

महासभा भवनदानकर्ता, दिल्ली

पं. डालचन्द जी शर्मा, जहाँगीराबाद-उ.प्र. गुरूदेव पं. जयकृष्णजी मणीठिया, दिल्ली स्व. श्रीमती सुन्दरदेवी, दिल्ली

बांकनेर स्कूल में महासभा द्वारा मनाया गया 116वां स्थापना दिवस समारोह के छाया-चित्र

गुजरात प्रदेश सभा के शपथ ग्रहण समारोह की झलकियां

Rampal Sharma
Director

Amit Sharma

Jagmohan Sharma

Deepak Sharma

Krishna Devi
President
Vishwakarma
Education Trust, Delhi

कार्यकुशलता का सम्मान

INTERIO CRAFT | KRISHNA INTERIORS

INTERIOCRAFT PVT. LTD.
Web.:www.interiocraft.com
Email :rampal@interiocraft.com

KRISHNA INTERIORS
Web.: www.krishnainteriorsindia.com
E-mail: rampalsharma@krishnainteriorsindia.com

No. 13 & 14, Royal Chambers, 3rd Floor, Dodda Banswadi,
Outer Ring Road Near Vijaya Bank Colony
Bangalore-560043, Tel.: 080 25426161, 25427191 Mob.: 98440 26161

''जांगिड ब्राह्मण महासभा पत्रिका'' के नियम एवं उद्देश्य

1. समाज के सभी वर्ग के व्यक्तियों के सर्वांगीण विकास के लिए नवाचार करना।
2. साहित्य सृजन, आध्यत्मिक चेतना एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहन देना।
3. सामाजिक गतिविधियों के अन्तर्गत केन्द्रीय, प्रादेशिक, क्षेत्रीय एवं स्थानीय समाचारों को प्रकाशित करना।
4. सामाजिक शिक्षा, वैज्ञानिक तकनीकी एवं शिल्पोन्नति संबंधी निबंध तथा लेखों आदि को प्रकाशित करना।
5. समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करना तथा उन्मूलन के लिए विकास की ओर उन्मुख होने का संचरण करना।
6. पत्रिका प्रत्येक अंग्रेजी माह की 22-27 तारीख को प्रकाशित होती है।
7. लेखों व अन्य प्रकाशनार्थ भेजी गयी सामग्री को छापने, न छापने तथा घटाने-बढ़ाने का पूर्ण अधिकार सम्पादक के पास सुरक्षित है।
8. व्यक्तिगत तथा विवादास्पद लेख पत्रिका में प्रकाशित नहीं किए जाएंगे।
9. लेखन सामग्री भेजने वाले स्वयं उसके लिए उत्तरदायी होंगे।
10. नमूने का अंक उपलब्ध होने पर ही भेजा जा सकता है।

स्वामित्व एवं सर्वाधिकार सुरक्षित

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

प्रधान कार्यालय

440, हवेली हैदर कुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006

दूरभाषः- 011-42420443, 011-42470443

Website: www.abjbmahasabha.com

E-mail: jangid.mahasabha@gmail.com

सम्पर्क सूत्र

प्रधान-पं.रामपाल शर्मा ''जांगिड'' - 09844026161

महामंत्री-पं.सांवरमल ''जांगिड'' - 09414003411

सम्पादक-प.रामभगत शर्मा ''जांगिड'' - 09814681741

सह-सम्पादक- सीताराम ''जांगिड'' - 09460566417

'जांगिड ब्राह्मण' महासभा की सदस्यता दर

(01-10-2018 से)

सदस्यता		रुपये
प्लैटिनम सदस्य	-	1,00,000/-
स्वर्ण सदस्य	-	51,000/-
रजत सदस्य	-	25,000/-
विशेष सम्पोषक	-	21,000/-
सम्पोषक सदस्य	-	11,000/-
संरक्षक (पत्रिका सहित)	-	2,100/-
संरक्षक (पत्रिका रहित)	-	500/-
वार्षिक पत्रिका शुल्क	-	240/-
मासिक पत्रिका शुल्क	-	20/-

विज्ञापन शुल्क की दरें

टाईटल का अंतिम पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 10000/-,वार्षिक 100000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 6000/-,वार्षिक 61000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 4000/-, वार्षिक 41000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 3000/-, वार्षिक 31000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 1500/-, वार्षिक 17000/-

अन्दर का चौथाई पृष्ठ (साधारण)
मासिक 750/-,वार्षिक 8500/-

वैवाहिक विज्ञापन
मासिक 201/-

महासभा बैंक खाता

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता नं. **61012926182 (IFSC Code: SBIN0030139)** में किसी भी स्थान से बैंक (शाखा-एसबीआई, एसएमई टाऊन हॉल, चांदनी चौक, दिल्ली-06) में 25000/- रू. प्रतिदिन नकद जमा करवाए जा सकते हैं। जमाकर्त्ता से अनुरोध है कि जमापर्ची की काउण्टर फाईल मय सम्पूर्ण विवरण (पाने वाले का नाम ''अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा'' अवश्य लिखें) सहित महासभा को आवश्यक रूप से प्रेषित करें तथा प्रत्येक लेन-देन पर 60/- रूपये बैंक चार्जेज के रूप में अतिरिक्त जमा करायें, अन्यथा महासभा उस कार्य को करने में असमर्थ रहेगी। क्योंकि बैंक चार्जेज का आर्थिक बोझ महासभा पर पड़ता है।महासभा को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80-G के तहत छूट के लिए मान्य है।दानदाता अपनी आयकर विवरणी में दान पर आयकर छूट के लिए दावा कर सकते है।

गजेन्द्र जांगिड
सह-कोषाध्यक्ष महासभा, 9811482174

सत्यनारायण जांगिड
कोषाध्यक्ष महासभा, मो. 9810075654

अनुक्रमणिका

07. सम्पादकीय.....

09. प्रधान की कलम से ....

12. महासभा की स्थाई सदस्यता से बर्खास्त(जे.पी.सिंह)

13. महासभा की स्थाई सदस्यता से बर्खास्त(हरिओम विश्वकर्मा)

14. महासभा की स्थाई सदस्यता से बर्खास्त(अनिल शर्मा)

15. मार्मिक अपील एवं पत्रिका जांच कमेटी..

16. जांगिड विद्यार्थी चैरिटेबल ट्रस्ट ...

18. नरेन्द्र शर्मा आयकर विभाग में आयुक्त...

21. बैंगलूरू में प्रधान की अध्यक्षता में मनाया.

23. बांकनेर में मनाया 116 वां स्थापना....

25. राजस्थान की त्रैमासिक मीटिंग सम्पन्न...

26. प्रधान जी ने दी लोहड़ी व मकर.....

27. इन्दौर में मनाया गया 116वां स्थापना...

29. गुजरात प्रदेश एवं जिला कार्यकारिणी.....

32. सूरत में 2 जनवरी को आयोजित प्र0अ0..

38. हरि0के प्रदेशाध्यक्ष खुशीराम जांगिड बने..

39. सूरत में 2 जन0 मीटिंग का सकारात्मक.

43. महासभा के स्थापना दिवस के गौरवमयी..

45. जिला अलवर का शपथ ग्रहण समारोह..

46. पत्रिका के लिए लेख भेजने का अनुरोध..

47. सांसद रामचन्द्र जांगडा का इन्दौर में....

50. स्थापना दिवस, नि:शुल्क नेत्र जांच...

52. दान दाताओं की सूची ....

60. शोक सन्देश.....

प्रचार सामग्री (विज्ञापन)

कृष्णा इंटीरियर

भारत व्हील

शर्मा एण्ड कम्पनी

ओमकारा

भागीरथ मोटर्स

न्यायिक क्षेत्र

सभी न्यायिक मामलों में महासभा के किसी भी पदाधिकारी के विरूद्ध महासभा सम्बन्धी मामले में कानूनी कार्यवाही के लिये न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

विनम्र निवेदन

(1) 'जांगिड ब्राह्मण' पत्रिका हर माह की 22 से 27 तिथि तक नियमित रूप से भेज दी जाती है, जो आपको 3-7 दिन में मिल जानी चाहिए।

(2) जिन आदरणीय सदस्यों को पत्रिका नहीं मिल पा रही हैं वे कृपया अपने सम्बन्धित डाक घर में लिखित शिकायत करें और इसकी एक प्रति महासभा कार्यालय में भी भेजें ताकि महासभा कार्यालय भी अपने स्तर पर मुख्य डाकपाल अधिकारी को यह शिकायत आप की फोटो प्रतियों के साथ भेज सके।

हमारे पास बहुत सारी पत्रिकाएं डाक कर्मचारी की इस टिप्पणी के साथ वापिस आ रही हैं, कि 'पते में पिता का नाम नहीं', 'इस पते पर नहीं रहता', 'पता अधूरा है', 'पिन कोड' बिना भी पत्रिका वापिस आ रही हैं। यदि आपके पते में उपरोक्त अशुद्धियाँ हैं तो लिखित रूप में महासभा कार्यालय में भेजें ताकि शुद्ध किया जा सके। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि प्रत्येक सदस्य को कार्यालय से प्रतिमाह 22 से 27 तिथि को पत्रिकाएं भेज दी जाती हैं।

(3) समाज के प्रबुद्ध लेखकों, विद्ववानों से निवेदन है कि रचनाओं की छाया प्रति न भेजें, वास्तविक प्रति ही सुस्पष्ट, सुन्दर लेख में लिखकर या टाइप कराकर भेजें। वैवाहिक विज्ञापन एवं इसका शुल्क, अन्य लेख व प्रकाशन सम्बन्धी सभी प्रकार की सामग्री हर माह की 10 तारीख तक महासभा कार्यालय में अवश्य पहुंच जानी चाहिए।

कृपया ध्यान दें- बार बार निवेदन करने पर भी लेखक अपनी रचनाएँ अस्पष्ट हस्तलिखित तथा छोटे से कागज पर भेज रहे हैं। जिससे हमेशा पढ़ने में असुविधा हो रही है। ऐसे लेख प्रकाशित नहीं हो पाएंगे।

(4) आपसे यह भी निवेदन है कि प्रत्येक रचना के अंत में यह घोषणा अवश्य करें कि यह रचना मेरी मौलिक रचना है और अभी तक कहीं प्रकाशित या प्रसारित नहीं हुई है। यदि किसी अन्य स्रोत से ली गई है तो उसका संदर्भ अवश्य दे तथा लेख के अन्त में अपना नाम, पता, फोन नम्बर हस्ताक्षर सहित अवश्य लिखें।

(5) पत्रिका के विषय में प्रबुद्ध लेखकों के सुझाव सादर आमंत्रित है।

(6)अस्वीकरण-पत्रिका में प्रकाशित लेखों में लेखकों के व्यक्तिगत विचार होते हैं। महासभा का उनसे सहमत होना आवश्यक नही है।

-सम्पादक

इस पत्रिका में अभिव्यक्त विचारों से सम्पादक अथवा महासभा का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसमें प्रकाशित सभी रचनाओं में अभिव्यक्त विचारों, तथ्यों आदि की शुद्धता तथा मौलिकता का पूर्ण दायित्व स्वयं लेखकों का है।

सम्पादकीय....

नववर्ष हमारी महान विरासत और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। आज यह बहस करना निरर्थक है कि हम शक-संवत के हिसाब से नववर्ष चैत्र शुक्ल पक्ष में मनाएं या फिर 1 जनवरी को मनाएं। लेकिन मूल प्रश्न है नववर्ष के दौरान आप अपने किस संकल्प को पूरा करना चाहते हो। हमारे मन मस्तिष्क में रह-रहकर एक प्रश्न उठता है कि वास्तव में कौन सा नववर्ष मनाना चाहिए इसका समाधान भी है, आप नववर्ष के दौरान दो संकल्प लें सकते है, एक शक संवत और दूसरा 1 जनवरी को मनाने के बारे में। वैसे तो जीवन में हर दिन ही चुनौती भरा है और हमें उन चुनौतियों के अंधेरे को पार करके ही उजाले की ओर अग्रसर होना है यही आपके जीवन की वास्तविक परीक्षा है। नववर्ष के दौरान सूर्य की पहली किरण के साथ ही हमें एक नया संकल्प करने के साथ-साथ विगत वर्ष के अनुभवों का आत्मविश्लेषण करने का भी एक अवसर प्राप्त होता है ताकि एक मानव अपनी विगत त्रुटियों को सुधार कर नए संकल्प और इच्छाशक्ति के साथ जीवन में आगे बढ़ते हुए अपना निर्धारित लक्ष्य हासिल कर सकें

मैं नववर्ष के मांगलिक अवसर पर हृदय से आपका और आपके परिवार का वन्दन और अभिनन्दन करता हूं तथा संकल्प से लक्ष्य सिद्धि तक पहुंचने के लिए सूर्योदय की लाली की प्रथम किरण के अभिनन्दन के साथ स्नेह से परिपूर्ण सूर्य भगवान के सुखद आशीर्वाद से आपको और आपके परिवार में नववर्ष के दौरान आपसी सौहार्द, प्रेम सुख-समृद्धि का वास हो तथा परमपिता परमात्मा की असीम अनुकम्पा आप पर सदैव ही बनी रहे। इसके साथ ही मुझे पूर्ण विश्वास है कि सभी समाज बंधुओं की मनोकामना पूर्ण होगी और आपका निश्छल स्नेह और असीम प्यार इसी प्रकार से सदैव ही मिलता रहेगा। यह वर्ष आपसी भाईचारा और अविस्मरणीय अनुभव को अपने में समेटे हुए हमारे समाज में उन्नति और प्रगति का नया रास्ता प्रशस्त करेगा और आशा है कि नववर्ष प्रगति और उन्नति की एक नई आशा की किरण अपने साथ अवश्य ही लेकर आयेगा।

जिस समय हम नववर्ष की परिकल्पना करते हैं तो हमारे अन्तर्मन में एक सवाल सहज ही कौंध जाता है और वह सवाल हमारे संकल्पों और उद्देश्य की पूर्ति के साथ जुड़ा होता है। जीवन में सफलता, असफलता तथा आशा-निराशा जीवन के दो पहलू हैं और इस जीवन में सफलता पाने का केवल एक ही मूल मंत्र है, वह है अपने कार्य को बड़ी ईमानदारी, तन्मयता, सत्य निष्ठा तथा समर्पण की भावना से ओतप्रोत हो कर करना चाहिए ताकि संकल्प से सिद्धी तक पहुंचने में कोई व्यवधान पैदा ना हो और आशातीत सफलता हासिल हो सके। सफलता हासिल करने के लिए संकल्प के साथ-साथ धैर्य भी होना चाहिए और अपने सपनों को मूर्त रूप देने के लिए अथक परिश्रम और पुरुषार्थ तथा कड़ी मेहनत की भावना भी बलवती होनी चाहिए। यही भावना भविष्य में भी सफलता का आधार बनती है।

जीवन में संकल्प सिद्धी के रास्ते में अनेक बाधा और कठिनाई आती हैं और यही हमारा मार्ग प्रशस्त करती हैं। इस सफर में असफलता से कदापि निराश होने की जरूरत नहीं है क्योंकि रात्रि के बाद ही सूर्योदय होता है इस लिए बेहतर और सुखद भविष्य बनाने के लिए हार से घबराने की जरूरत नहीं है अपितु आज जरुरत है उस हार पर विजय पाने के लिए आत्म विश्वास और समर्पण भाव से काम करने की। एक विजेता हमेशा ही अपनी विजय को सही और अच्छे विचारों में बदलने की संकल्पना करता है ताकि दूसरे भी उस संघर्ष से प्रेरणा ग्रहण कर सकें। जीवन में सफलता हासिल करने के लिए अपने में निहित उर्जा का सदुपयोग तर्क संगत और समुचित ढंग से करना चाहिए क्योंकि एक मनुष्य के कार्य ही उस व्यक्ति के व्यवहार और आचरण तथा व्यक्तित्व को परिभाषित करते हैं और बाद में वहीं दूसरों के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण भी

बन जाते हैं।

नववर्ष के दौरान आज की युवा पीढ़ी को मेरा एक सुझाव है कि जीवन में सफलता हासिल करने के लिए कम बोलना और काम अधिक करना चाहिए तभी वांछित परिणाम प्राप्त होने के साथ-साथ भविष्य के लिए भी एक कार्य योजना बनाने में भरपूर सहयोग और समर्थन मिल सकेगा। सभी माता-पिता, अभिभावकों से भी मेरा आग्रह है कि अपने बच्चों को मोबाइल संस्कृति से निकाल कर उन्हें संस्कारवान बनाने पर विशेष बल दिया जाना चाहिए। संस्कार वह अमूल्य निधि है जिसको जीवन में आत्मसात करने से सारी नकारात्मक शक्तियां समाप्त होने के साथ-साथ उसके मन से निराशा और हीनता के भाव तिरोहित हो जाते हैं। इसके साथ ही जीवन में सफलता हासिल करने के साथ-साथ हमारा सामाजिक दायित्व और भी बढ़ जाता है क्योंकि हमारे हित एक दूसरे से जुड़े हुए हैं।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा द्वारा भी समाज की अपनी जांगिड ब्राह्मण पत्रिका का प्रकाशन 100 वर्षो से अधिक समय से किया जा रहा है ताकि समाज की उपलब्धियों और सफलताओं के बारे में समुचित जानकारी उपलब्ध हो सके और मुझे खुशी है कि इस जांगिड पत्रिका की समाज में मांग निरंतर बढ़ रही है। आपके स्नेह और असीम प्यार के सामने मेरी झोली छोटी पड़ गई है। आपका प्यार पाकर मैं अभिभूत हो गया हूं और इस कृतज्ञता के लिए आपका आभार व्यक्त करने के लिए मेरे पास शब्दों का अभाव है। मेरा आपसे आग्रह है कि आप अपने लेख, कविताएं और पठन-पाठन योग्य सामग्री निरन्तर भेजना जारी रखें। आपका स्नेह और प्यार ही इस पत्रिका को एक नया आयाम प्रदान करेगा।

हमारे वेद शास्त्र और पुराणों में मानवता की सेवा ही जीवन का सबसे बड़ा परम धर्म माना गया है और प्रधान रामपाल शर्मा ने इस सत्य को आत्मसात करते हुए ही महासभा रुपी परिवार को सुदृढ़ करने और इसकी सदस्यता बढ़ाने का संकल्प लिया है। समाज को अग्रिम पंक्ति में ले जाने की उनकी प्रबल इच्छा शक्ति का मैं सम्मान करता हूं। इसके साथ ही उन्होंने समाज की महिलाओं को उनके अधिकार देने का जो संकल्प लिया है नववर्ष में उनका यह संकल्प अवश्य ही पूरा होगा। इससे महासभा में महिलाओं की भागीदारी 30 प्रतिशत सुनिश्चित हो जायेगी। इसके अतिरिक्त प्रधान जी का संकल्प है, महासभा की सदस्यता का मिशन 1.50 लाख और यह भी काफी हद तक सफल हो सकेगा। प्रधान जी समर्पित और समर्पण की भावना से समाज को जोड़ने का काम कर रहे हैं भविष्य में उसके बड़े ही सार्थक परिणाम हमारे सामने आयेंगे।

नीयत तेरी अच्छी है तो तेरे घर में ही वृंदावन मथुरा और काशी।
सभी का सहयोग मिलेगा ऐसी परिकल्पना में डूबे हैं जांगिड समाज वासी ।।

सेवा भावना में जिस समय स्वार्थ बीच में आ जाता है। तो सेवा भावना निष्प्रभावी हो जाती है।

सेवा करने का सौभाग्य बड़े ही सौभाग्यशाली मनुष्य को ही मिलता है और इस मामले में महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा बड़े ही सौभाग्यशाली हैं। उन्होंने समाज सेवा का जो संकल्प लिया हुआ है उसी कंटीले रास्ते पर चल रहें है। उन्हें कई बार दिग्भ्रमित लोगों की आलोचनाओं का शिकार भी होना पड़ा है। आईए, हम सब मिलकर नव वर्ष के शुभ अवसर पर अपना आत्मविश्लेषण करें और जो कार्य अधूरे रह गए हैं उनको नए संकल्पों के साथ पूरा करने का प्रयास करें।

केवल हौसलों की उड़ान चाहिए, रास्ते में जो भी कठिनाइयां आए शिरोधार्य कर लेना।
नववर्ष और नई आशाओं से मिलकर समाज को आगे बढ़ाने का संकल्प पूरा कर लेना।

****

प्रधान की कलम से---

महासभा के मुख्य सेवक के रूप में एक वर्ष का कार्यकाल संकल्प से सिद्धी तक

प्रधान रामपाल शर्मा

आज से एक साल पहले आप सबने मिलकर महासभा के सर्वोच्च पद मुख्य सेवक का जो गुरुतर दायित्व का भार मुझे सौंपा था। मैंने पिछले एक वर्ष के दौरान अपने दायित्व को सत्यनिष्ठापूर्वक निभाने के साथ-साथ आप लोगों के विश्वास पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास किया है। आप सबको मालूम है कि किन परिस्थितियों में जनवरी 2022 में अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान पद का चुनाव हुआ था। लेकिन मैं आपके विवेकपूर्ण निर्णय का स्वागत करता हूं कि आपने मुझ पर विश्वास व्यक्त करते हुए समाज की सेवा करने का अवसर प्रदान किया और मुझे गर्व की अनुभूति हो रही है कि मैं आपके विश्वास और समर्थन तथा भरपूर सहयोग के कारण ही अपने दायित्व का निर्वहन भली-भांति पूरा करने में सफल रहा हूं।

जैसा कि आपको विदित है कि पिछले वर्ष 3 जनवरी 2022 को महासभा के प्रधान के रूप में इस मुख्य सेवक को न्यायाधीश कैलाश गंभीर द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई थी और उस दिन से ही मैंने महासभा के संविधान के अनुरूप समाज के हित को ध्यान में रखते हुए ही आप लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरने के लिए भरपूर प्रयास शुरू कर दिए थे। पिछले एक वर्ष के दौरान आपके इस मुख्य सेवक के द्वारा इस बात का हर संभव प्रयास किया गया है कि महासभा में एकजुटता का शंखनाद किया जाए और इस दिशा में हमारे प्रयास काफी हद तक सफल भी रहे हैं।

आपको याद होगा कि मैं प्रधान पद की शपथ ग्रहण करने के उपरांत सबसे पहले प्रधान पद के उम्मीदवार सत्यनारायण शर्मा के घर उनका सहयोग और आशीर्वाद लेने गया था और मुझे खुशी है कि उन्होंने मुझे पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया था और यही कारण है कि हम सभी मिलकर ही विगत एक वर्ष की अवधि के दौरान महासभा रुपी परिवार के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरने में काफी हद तक सफल भी रहे हैं। आप सबको मालूम है कि मैंने उस दिन भी यही कहा था कि सभा को एकता रुपी सूत्र में बांधने के लिए सबको मिलजुल कर काम करने की जरूरत है और तभी हम इस महासभा को सशक्त और मजबूत बना कर अपने निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने में सफल हो सकते हैं।

मुझे खुशी है कि पिछले महीने 27 दिसंबर को महासभा ने अपनी स्थापना के 115 वर्ष पूरे कर लिए हैं और यह महासभा अपने 116 वें वर्ष में प्रवेश कर गई है। इस अवसर पर मैं समाज के उन महापुरुषों को विशेष रूप से नमन करना चाहता हूं, जिन्होंने इस महासभा रुपी पौधे को लगाया था और आज यह पौधा एक वटवृक्ष का रुप धारण करके समाज के लाखों लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं और संकल्प को पूरा करने के लिए प्रयासरत है। इस महासभा के सबसे पहले प्रधान अजमेर के रहने वाले नत्थुराम शर्मा थे और उसके पश्चात जितने भी प्रधान रहें हैं सभी ने अपनी-अपनी क्षमता और दक्षता से महासभा के कार्य को आगे बढ़ाने का कार्य किया है और मुझे आपके आशीर्वाद से महासभा का 38वां प्रधान बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

आप सभी के सहयोग और समर्थन से ही विगत एक वर्ष के दौरान हमने कई परंपराओं को बदलने का भी काम शुरू किया है। जिस प्रकार से आपने देखा होगा कि महासभा के मुख्यालय मुण्डका में पहली बार 26 जनवरी 2022 को गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर राष्ट्रीय झंडा फहरा कर गणतंत्र दिवस मनाया गया और इतना ही नहीं अप्रैल 2022 में महासभा की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह भी महासभा के मुख्यालय मुंडका भवन के प्रांगण में आयोजित किया गया ताकि देश के कोने-कोने से आने वाले समाज के प्रतिष्ठित महानुभव महासभा के बनने वाले इस भवन को देखकर महासभा के साथ अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का प्रयास कर सकें।।

मुझे इस बात की खुशी है और मैं इसके लिए महासभा रुपी परिवार को बधाई भी देना चाहता हूं कि यह

परिवार निरन्तर बढ़ रहा है और आज इस परिवार के सदस्यों की संख्या बढ़कर एक लाख का आंकड़ा भी पार कर गई है और यह उपलब्धि केवल आपके इस मुख्य सेवक के कार्यकाल दौरान ही हासिल हुई है और इसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं। जिस समय मैंने जनवरी 2022 में प्रधान पद का कार्यभार ग्रहण किया था उस समय महासभा के सदस्यों की संख्या 870083 थी। मिशन एक लाख अभियान का श्री गणेश पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला ने शुरू किया था और उनके एक लाख के इस मिशन को पूरा करके आपने न केवल महासभा की प्रतिष्ठा बढ़ाई है अपितु मुख्य सेवक के रूप में मुझे जो मान और सम्मान दिलवाया है, उसके लिए मैं आपका सदैव ही आभारी रहूंगा।

अब आप सब लोगों के विश्वास के बल पर ही मैंने भी एक छोटा सा संकल्प किया है। इस संकल्प के अन्तर्गत महासभा की सदस्यता बढ़ा कर 1.50 लाख का मिशन शुरू किया गया है और इस मिशन की कामयाबी सिर्फ आपके के सहयोग और समर्थन पर ही निर्भर रहेगी। लेकिन मुझे विश्वास है कि आप मेरा विश्वास कदापि टूटने नहीं देंगे और जिस प्रकार से महिलाओं की भागीदारी महासभा में बढ़ रही है वह शुभ संकेत है और भविष्य में महासभा का अस्तित्व इतना बड़ा हो जाएगा कि किसी भी राजनैतिक पार्टी को इस समाज को बुलाकर विधानसभा और लोकसभा के लिए टिकट देने पर बाध्य होना पड़ेगा यह हमारे लिए गौरव की बात है कि 115 साल पुरानी महासभा को आज भी लोगों का असीम प्यार और स्नेह मिल रहा है और लोग निरंतर इसके साथ जुड़ते जा रहे हैं ।

आज लोगों का विश्वास महासभा में इसलिए सुदृढ़ हुआ है कि अब सभी कार्य पारदर्शी तरीके से किए जा रहे हैं। सबसे बड़ा मसला महासभा के सदस्य बनाने के बारे में था और इस मामले में पारदर्शिता लाने का हर संभव प्रयास किया गया है और मार्च 2022 से हमने सदस्य बनाने की प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया है ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की आशंका ही ना रहे। पहले प्राय: यह आरोप लगता था कि अमुक व्यक्ति ने हमसे पैसे तो ले लिए लेकिन महासभा का सदस्य आज तक नहीं बनाया गया है। इस समस्या के निराकरण के लिए सदस्यता की प्रक्रिया ऑनलाइन शुरू की गई है और आप घर बैठे ही महासभा के सदस्य बन सकतें हैं।

मैंने आपसे वायदा किया था कि हम सभी आपस में मिलकर इस प्रकार की प्रक्रिया बनाना चाहते हैं कि भविष्य में चुनाव होने की नोबत ही ना आए और इस दिशा में सार्थक प्रयास किए गए हैं। आपको मालूम है कि अब तक 9 प्रदेशाध्यक्षों के चुनाव हुए हैं इनमें से 7 प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव निर्विरोध हुए हैं और इसका ताजा उदाहरण है इसी माह जनवरी में 5 राज्यों के चुनाव हुए हैं और इनमें से 4 राज्यों के प्रदेशाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। हाल ही 15 जनवरी को हुए चुनाव में हरियाणा प्रदेश का अध्यक्ष खुशी राम जांगिड को बनाया गया है। इसके अतिरिक्त कई जिला अध्यक्ष, तहसील अध्यक्ष तथा शाखा अध्यक्ष के चुनाव भी निर्विरोध सम्पन्न हुए हैं उन सभी को मैं अपनी और से बधाई देता हूं। हालांकि इन चुनावों में महासभा के सदस्य कम बनने के कारण आर्थिक नुकसान भी हुआ है। लेकिन मेरी यह धारणा है कि सदस्यों की संख्या बढ़ाने की अपेक्षा कुछ आर्थिक नुकसान भी सहन करना पड़ता है तो वह स्वीकार है ताकि समाज में आपसी भाईचारा और सौहार्द की भावना बनी रहे।

एक और महत्त्वपूर्ण विषय यह है कि महासभा द्वारा प्रकाशित की जा रही पत्रिका की मांग निरंतर बढ़ रही है और मुझे खुशी है कि पत्रिका के बहाने आज समाज के लोग महासभा के साथ जुड़ने को वरीयता दे रहे हैं। लेकिन मैं यहां पर स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि किन्हीं अपरिहार्य कारणों से पिछले 5-6 महीनों के दौरान समाज के लोगों का एक-एक पैसा बचाने के उद्देश्य से पत्रिका प्रकाशित नहीं करवा सकें। लेकिन इस दौरान भी पाठकों को पत्रिका की पी.डी.एफ. निरन्तर भेजी जाती रही है और सितम्बर 2022 से तो पत्रिका निरन्तर प्रकाशित की जा रही है और घर-घर भेजी जा रही है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि फरवरी महीने के बाद पत्रिका के बारे में कोई शिकायत नहीं मिलेगी अपितु घर-घर तक पहुंचेगी। इसके प्रकाशन में मुख्य बाधा थी पिछली महासभा के कार्यकाल के दौरान समय पर पत्रिका का आर.एन.आई. द्वारा नवीनीकरण नहीं करवाना। अब पत्रिका के विस्तार को बढ़ाने के लिए मुंडका भवन के कुछ हिस्से को किराए पर देने का फैसला किया गया है ताकि उस आय से इस पत्रिका का संचालन भली-भांति हो सके और आप की सभी शिकायतों का निराकरण भी हो सकेगा। मुझे हर रोज कई लोगों के फोन आते हैं कि प्रधान जी पत्रिका मिल नहीं रही है। मैं आप लोगों से विनती करता हूं कि आपने इतना धैर्य

बनाए रखा है तो अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम आपके धैर्य की और अधिक परीक्षा ना लें। इसके साथ ही मैं आपसे एक और गुजारिश करना चाहता हूं कि आप समाज से संबंधित विकासात्मक गतिविधियों को समाज की इस पत्रिका में छपवाने के लिए भेजें ताकि दूसरे लोग भी इससे प्रेरणा ग्रहण कर सकें।

जैसा कि आप सबको मालूम है कि महासभा के भवन का निर्माण कार्य अन्तिम चरण में है, टाईल्स लगाने का कार्य शुरू किया गया है और इसमें काफी पैसा लगेगा इसलिए आपके सहयोग की जरूरत है। मैंने सूरत में 3 जनवरी को कार्यकारिणी की बैठक में प्रदेशाध्यक्षों से अनुरोध किया था कि कम से कम दो प्लेटीनम नहीं तो चार स्वर्ण अथवा 8 संरक्षक सदस्य बनाए ताकि मुण्डका भवन का लोकार्पण जल्दी से जल्दी हो सके और इसके लिए आप दिल खोलकर सहयोग करें क्योंकि महासभा को दिया जाने वाले सहयोग में आयकर की धारा 80जी के तहत छूट प्राप्त है। आपका पैसा पुण्य के कार्य में लगेगा। मुण्डका भवन पूरा होने के साथ ही हमारी योजना है कि समाज के गरीब और प्रतिभावान बच्चे जो आईएएस और आईपीएस सहित प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये तैयारी कर रहे है उनको सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं ताकि उनका भविष्य उज्ज्वल हो सके।

मैं समाज की महिलाओं से भी विशेषरूप से आग्रह करना चाहता हूं कि आप भी महासभा के कार्यों में बढ़-चढ़कर रुचि ले, जिस प्रकार से नाशिक में महिलाओं की भागीदारी ने मुझे गदगद कर दिया था और इसी भारी संख्या को देखते हुए ही मैंने उस बैठक में घोषणा की थी कि महासभा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाकर 30 प्रतिशत की जायेगी और इस दिशा में प्रयास भी शुरू कर दिए गए हैं और इसके लिए अगर महासभा के संविधान में संशोधन करना पड़ा तो वह भी किया जायेगा।

आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं है अपितु कई क्षेत्रों में तो नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं और इसे ध्यान में रखते हुए ही महासभा के महिला प्रकोष्ठ का एक कर्मठ समाज सेवी इंदौर की मधु शर्मा को अध्यक्ष बनाया गया है। मैं चाहता हूं कि महिलाओं में युवा महिला प्रकोष्ठ का भी अध्यक्ष अलग से बनाया जाना चाहिए। इसी प्रकार ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में खेलों को बढ़ावा देने के लिए एक खेल प्रकोष्ठ का गठन करने पर भी गम्भीरता से विचार किया जा रहा है ताकि समाज के उदयीमान खिलाड़ियों को खेलों में आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकें।

अन्त में, मैं आप सबसे विनम्र अनुरोध करना चाहता हूं कि आप एक संकल्प लें कि जो भ्रमित लोग सोशल मीडिया के माध्यम से समाज को तोड़ने की कुचेष्टा कर रहे हैं ऐसे दिग्भ्रमित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में महासभा को भरपूर सहयोग करें और साथ ही ऐसे दिग्भ्रमित लोगों से सचेत और सतर्क रहने की भी जरूरत है ताकि समाज की एकता का तानाबाना खण्डित न हो सके। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आपके सतत सहयोग और समर्थन से हम समाज में एक ऐसी क्रांति का सूत्रपात करेंगे ताकि आने वाले समय में इस समाज की विशेष पहचान प्रत्येक स्तर पर हो सके इस दिशा में प्रयास भी शुरू कर दिए गए है। मैं चाहता हूं कि आगामी फरवरी-मार्च में हम सभी एकजुट होकर जयपुर में एक ऐसा भव्य कार्यक्रम आयोजित करें, जिसमें एक लाख से अधिक समाज बंधु शामिल होकर सरकार को यह एहसास करवा दें कि एकता में सबसे बड़ी ताकत है और राजनीति में सिर्फ ताकत और एकजुटता ही देखी जाती है और इस ताकत के सहारे ही आपका समाज आगे बढ़ सकता है।

मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि आपने मुझे जिस आस्था विश्वास और भावना के साथ मुख्य सेवक का दायित्व सौंपा, मैं आपकी भावना को कभी भी ठेस नहीं पहुंचने दूंगा और आपकी आशाओं और आकांक्षाओं के अनुरूप कार्य करते हुए इस समाज को अगले पायदान पर ले जाने के लिए भरसक प्रयास करूंगा। मैं उम्मीद रखता हूं कि आप सभी एक साथ मिलकर महासभा के मिशन डेढ़ लाख सदस्य को पूरा करने में सहयोग देंगे। इन्हीं शब्दों के साथ मैं आप सबका पुनः आभार व्यक्त करता हूं कि आपने पिछले एक वर्ष के दौरान मुझे जो आशातीत सहयोग और समर्थन दिया है उसका कोई भी सानी नहीं है और आशा करता हूं कि भविष्य में भी आपका यह अपार स्नेह और असीम प्यार मुझे सदैव ही इसी प्रकार से मिलता रहेगा।

धन्यवाद

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

पंजीकरण संख्या एस. – 27/1919
440, हवेली हैदर कुली, चांदनी चौक, दिल्ली – 110006
दूरभाष: 011–42420443, 011–42470443

अंगिराऽसि जंगिड:

Registration Website: www.abjbmahasabha.com, Contact E-mail: jangid.mahasabha@gmail.com

रामपाल शर्मा	सत्य नारायण शर्मा	सांवरमल जांगिड
प्रधान	कोषाध्यक्ष	महामंत्री

क्रमांक: ABJBM-1767/2023 दिनांक: 05/01/2023

प्रति,

श्री जे. पी. सिंह पुत्र श्री राम स्वरूप शर्मा,
110/03 मंगल पांडे नगर, विश्व विधालय रोड,
मेरठ (उत्तर प्रदेश)

विषय :- महासभा की स्थायी सदस्यता PTM-54 से आजीवन के लिए बर्खास्त करने बाबत

सन्दर्भ :- कारण बताओं नोटिस पत्रांक 1705 दिनांक 28/11/2022 एवं 1741 दिनांक 15/12/2022

उपरोक्त विषय एवं संदर्भित पत्रों के सम्बन्ध में आपको सूचित किया जाता है की आपने अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली के प्रधान श्री रामपाल शर्मा पर संगीन, निराधार, बेबुनियाद, मनघडंत तथा तथ्यों से परे आरोप लगाते हुए एवं अपने क्षेत्राधिकार से बाहर जाकर निर्वाचित प्रधान को पद से बर्खास्त करने का पत्र जारी कर महासभा एवं उसके निर्वाचित प्रधानों की छवि को समाज में धूमिल करने का प्रयास किया है साथ ही आप द्वारा लगाये गये आरोपों को महासभा सिरे से ख़ारिज करती हैं ।

अत: आपको महासभा द्वारा अपना पक्ष स्पष्ट करने के दो अवसर प्रदान करने के उपरांत भी आपके द्वारा कोई संतोषप्रद जबाब नही देने को आपकी गम्भीर लापरवाही तथा आपके उक्त कृत्य को महासभा गंभीर क्षेणी का अपराध मानते हुए एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी की त्रेमासिक मीटिंग सूरत में दिनांक 03/01/2023 को लिए गये निर्णय एवं प्रधान जी के आदेशानुसार महासभा संविधान के नियम 7 के उपनियम 8 एवं विशेष नियम 12 के उपनियम 21 (च) के तहत कार्यवाही करते हुए आपको तुरंत प्रभाव महासभा की स्थायी सदस्यता संख्या PTM-54 व SMP-204 से आजीवन रूप से बर्खास्त किया जाता हैं।

प्रतिलिपि –

श्रीमान सम्पादक महोदय को सूचनार्थ एवं पत्रिका में आम सुचना के तहत प्रिंट करवाने बाबत

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा रजि. क्र.- 27-1919 दिल्ली

(सांवरमल जांगिड)
महामंत्री
अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा-दिल्ली-6

(सांवर मल जांगिड)
महामंत्री महासभा

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

पंजीकरण संख्या एस. – 27/1919

440, हवेली हैदर कुली, चांदनी चौक, दिल्ली – 110006

दूरभाष: 011–42420443, 011–42470443

अंगिराऽसि जंगिड:

Registration Website: www.abjbmahasabha.com, Contact E-mail: jangid.mahasabha@gmail.com

रामपाल शर्मा प्रधान	सत्य नारायण शर्मा कोषाध्यक्ष	सांवरमल जांगिड महामंत्री

क्रमांक: ABJBM-1769/2023 दिनांक: 05/01/2023

प्रति,

श्री हरिओम विश्वकर्मा पुत्र श्री राधेश्याम विश्वकर्मा ,
बी-479, गली नम्बर 4, राजबीर कॉलोनी, मयूर विहार, फेस 3, ,
नई दिल्ली – 96 मोबाइल नम्बर – 7982354508

विषय :- महासभा की स्थायी सदस्यता WP-53314 से आजीवन के लिए बर्खास्त करने बाबत

सन्दर्भ :- महासभा पत्रांक अ.भा.जां.ब्रा.म.-1742/2022 दिनांक 15/12/2022

उपरोक्त विषयान्तर्गत एवं उपरोक्त संदर्भित पत्र के सम्बन्ध में लेख है की आप, अपने दो साथियों के साथ दिनांक 24/11/2022 को 11.00 बजे महासभा कार्यालय में आकर महासभा के गोपनीय रिकार्ड को जबरदस्ती देखने एवं फोटोग्राफी करने एवं पुरानी फाइलों के साथ छेड़खानी करने कि कोशिश करने लगे जिसका महासभा में कार्यरत स्टाफ द्वारा विरोध करने पर उनके साथ रिकार्ड को लेने के लिए छिना झपटी करते हुए पुराने रिकार्ड को नुकसान पहुचाया एवं कार्यरत स्टाफ के साथ गाली गलोच, हाथापाई, धक्का-मुक्की एवं दुर्व्यवहार करते हुए जान से मारने की धमकी तक दी । जिससे आपने महासभा की छवि को समाज में धूमिल करने का निंदनीय प्रयास किया है ।

आपको महासभा द्वारा अपना पक्ष स्पष्ट करने का अवसर प्रदान करने के उपरांत भी आपके द्वारा किसी तरह का कोई जबाब नही देने को आपकी गम्भीर लापरवाही तथा अत: आपके द्वारा किये गये उक्त कृत्य को महासभा ने गंभीर क्षेणी का अपराध मानते हुए एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी की त्रैमासिक मीटिंग सूरत में दिनांक 03/01/2023 को लिए गये निर्णय एवं प्रधान जी के आदेशानुसार महासभा संविधान के नियम 7 के उपनियम 8 एवं विशेष नियम 12 के उपनियम 21 (च) के तहत कार्यवाही करते हुए आपको तुरंत प्रभाव महासभा की स्थायी सदस्यता संख्या WP-53314 से आजीवन रूप से बर्खास्त किया जाता हैं।

प्रतिलिपि –
श्रीमान सम्पादक महोदय को सूचनार्थ एवं पत्रिका में आम सुचना के तहत प्रिंट करवाने बाबत

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा रजि. क्र.- 27-1919 दिल्ली

(सांवर मल जांगिड)
(सांवरमल जांगिड़)
महामंत्री महासभा
अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण
महासभा-दिल्ली-6

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

पंजीकरण संख्या एस. – 27/1919

440, हवेली हैदर कुली, चांदनी चौक, दिल्ली – 110006

दूरभाष: 011–42420443, 011–42470443

अंगिराऽसि जंगिड:

Registration Website: www.abjbmahasabha.com, Contact E-mail: jangid.mahasabha@gmail.com

रामपाल शर्मा	सत्य नारायण शर्मा	सांवरमल जांगिड
प्रधान	कोषाध्यक्ष	महामंत्री

क्रमांक: ABJBM-1768/2023 दिनांक: 05/01/2023

प्रति,

श्री अनिल शर्मा पुत्र श्री शंकर लाल जांगिड,
डायल मार्बल, पोस्टल कॉलोनी, शांति नगर,
कारवे नाका, कराड, जिला – सतारा (महाराष्ट्र)

विषय :- महासभा की स्थायी सदस्यता SS-23815 से आजीवन के लिए बर्खास्त करने बाबत

सन्दर्भ :- कारण बताओं नोटिस महासभा पत्रांक अ.भा.जां.ब्रा.म.-1744/2022 दिनांक 16/12/2022

उपरोक्त विषयान्तर्गत एवं उपरोक्त संदर्भित पत्र के सम्बन्ध में लेख है की आप, अपने दो साथियों के साथ दिनांक 24/11/2022 को 11.00 बजे महासभा कार्यालय में आकर महासभा के गोपनीय रिकार्ड को जबरदस्ती देखने एवं फोटोग्राफी करने एवं पुरानी फाइलों के साथ छेड़खानी करने कि कोशिश करने लगे जिसका महासभा में कार्यरत स्टाफ द्वारा विरोध करने पर उनके साथ रिकार्ड को लेने के लिए छिना झपटी करते हुए पुराने रिकार्ड को नुकसान पहुचाया एवं कार्यरत स्टाफ के साथ गाली गलोच, हाथापाई, धक्का-मुक्की एवं दुर्व्यवहार करते हुए जान से मारने की धमकी तक दी । जिससे आपने महासभा की छवि को समाज में धूमिल करने का निंदनीय प्रयास किया है ।

आपको महासभा द्वारा अपना पक्ष स्पष्ट करने का अवसर प्रदान करने के उपरांत भी आपके द्वारा कोई संतोषप्रद जबाब नही देने को आपकी गम्भीर लापरवाही तथा आपके द्वारा किये गये उक्त कृत्य को महासभा ने गंभीर क्षेणी का अपुराध मानते हुए एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी की त्रेमासिक मीटिंग सूरत में दिनांक 03/01/2023 को लिए गये निर्णय एवं प्रधान जी के आदेशानुसार महासभा संविधान के नियम 7 के उपनियम 8 एवं विशेष नियम 12 के उपनियम 21 (च) के तहत कार्यवाही करते हुए आपको तुरंत प्रभाव महासभा की स्थायी सदस्यता संख्या SS-23815 से आजीवन रूप से बर्खास्त किया जाता हैं।

प्रतिलिपि –

श्रीमान सम्पादक महोदय को सूचनार्थ एवं पत्रिका में आम सुचना के तहत प्रिंट करवाने बाबत

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा रजि. क्र.- 27-1919 दिल्ली

(सांवर मल जांगिड)
(सांवरमल जांगिड़)
महामंत्री महासभा
अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा-दिल्ली-6

अ.भा.जां.ब्रा.म.–1770/2023 दिनांक 06/01/2023

जीवन रक्षा हेतु आर्थिक सहयोग बाबत मार्मिक अपील

विगत दिनों से सोशल मीडिया पर समाज के एक शीशु कनव जांगड़ा के जीवन को बचाने के लिए आर्थिक सहयोग मांगा जा रहा है। इस संबंध में:--- मैं, सभी समाज बंधुओं से शीशु कनव जांगड़ा के जीवन को बचाने के लिए मार्मिक अपील कर रहा हूं की 'मानव सेवा सबसे बड़ी सेवा है' और एक शीशु के जीवन को बचाने हेतु किया गया आर्थिक सहयोग अत्यंत ही पुनीत एवं पुण्य का कार्य है। शीशु स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी नामक गंभीर बीमारी से पीड़ित है और इस बीमारी के इलाज हेतु लगने वाले इंजेक्शन की लागत 17.50 करोड़ है जो किसी भी मध्यम वर्गीय परिवार के लिए बहुत ज्यादा है जिस कारण परिवार शीशु का इलाज कराने में असमर्थ हैं। समुचित इलाज के अभाव में शीशु की स्थिति प्रतिदिन नाजुक होती जा रही है। शीशु के जीवन को बचाने के लिए समाज बंधुओं के सहयोग की अत्यंत आवश्यकता है। हमारे ही समाज के परिवार का छोटा सा बालक केवल धन के अभाव में इलाज नहीं करा सके ऐसा हमारे समाज के दानदाता एवं भामाशाह होने नहीं देंगे ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास है। मैं सभी दानदाताओं, भामाशाहो एवं समाज बंधुओं से करबद्ध अनुरोध करता हूं समाज के इस बालक के जीवन को बचाने के लिए कृपया उदार मन से सहयोग प्रदान करें।

साथ ही शीशु के इलाज हेतु दी गयी सहयोग राशि आयकर के तहत 80जी में छूट योग्य है तथा सहयोग राशि शीशु के निम्नलिखित खाते में आप सीधे भी भेज सकते हैं।

खाता नंबर –2223330078969258

बैंक का नाम -RBL Bank Ltd

IFS Code--- RATN0VAAPIS

UPI ID---assist.kanav11@icici

शीशु के पिता का फोन नंबर---8860337306

प्रधान, रामपाल शर्मा,
महासभा, दिल्ली

अ.भा.जां.ब्रा.म.–1785/2023 दिनांक 09/01/2023

पत्रिका जांच कमेटी

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान श्री रामपाल शर्मा के आदेशानुसार श्री सांगा राम जांगिड सेवानिवृत आईपीएस, बाड़मेर की अध्यक्षता में एक तीन सदस्यीय जाँच कमेटी का गठन किया गया, जो जांगिड ब्राह्मण पत्रिका माह फरवरी–2022 के सम्बन्ध में पिछले काफी दिनों से सोशल मिडिया पर वाइरल हो रही सूचनाओं की सत्यता तथा महासभा को प्राप्त शिकायतों के बारे में माह फरवरी–2022 में प्रिंट करवाई गयी एवं महासभा में उपलब्ध तथा प्रेषित की गयी पत्रिकाओं के सम्बन्ध में अपनी रिपोर्ट अति शीघ्र महासभा प्रधान को प्रेषित करेगी ताकि उक्त पत्रिकाओं के सम्बन्ध में वास्तविक सच्चाई सदस्यों के सामने लाई जा सके एवं दोषीयों को महासभा संविधान अनुसार दण्ड देते हुए उनके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही भी की जा सके।

निम्न पदाधिकारीगण उक्त जाँच कमेटी के सदस्य होंगे।

1. श्री सांगा राम जांगिड	सेवानिवृत आईपीएस,	बाड़मेर	अध्यक्ष
2. श्री घनश्याम शर्मा	सदस्य उच्य स्तरीय कमेटी	जयपुर	सदस्य
3. श्री गजानंद जांगिड	सदस्य उच्य स्तरीय कमेटी	जयपुर	सदस्य

प्रतिलिपि:–

1. श्री सांगा राम जांगिड बाड़मेर
2. श्री घनश्याम शर्मा जयपुर
3. श्री गजानंद जांगिड जयपुर

सभी कमेटी सदस्यों को सूचनार्थ एवं अविलम्ब आवश्यक कार्यवाही करने हेतु।

(सांवरमल जांगिड)
महामंत्री

जांगिड विधार्थी चैरिटेबल ट्रस्ट गरीब बच्चों के लिए वरदान

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि जीवन में सफलता हासिल करने के लिए कई बार प्रतिभावान होते हुए गरीबी आड़े आ जाती है, लेकिन मैं आज आभार व्यक्त करना चाहता हूं समाज के उन महानायकों का जिनकी समाज हित की उदार सोच ने जांगिड विद्यार्थी चैरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना करके समाज के आर्थिक रूप से कमजोर और मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए एक सुनहरा अवसर प्रदान किया है।

प्रधान रामपाल शर्मा जांगिड विधार्थी चौरिटेबल ट्रस्ट का पारितोषिक वितरण समारोह में एक छात्रा को छात्रवृत्ति देकर सम्मानित करते हुए

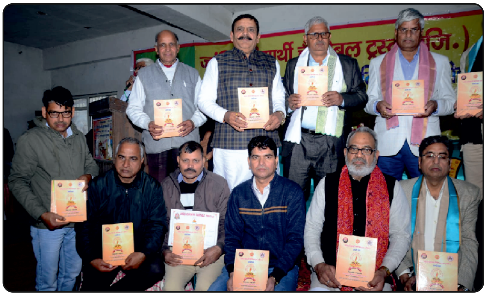

प्रधान रामपाल शर्मा जांगिड विधार्थी चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित डायरी 2023 का 25 दिसंबर को विमोचन करते हुए

यह विचार प्रधान रामपाल शर्मा द्वारा जांगिड विद्यार्थी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 25 दिसंबर को महासभा के मुण्डका भवन में आयोजित छात्रवृत्ति वितरण समारोह की अध्यक्षता करते हुए विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति वितरण करने के उपरांत उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने इस अवसर पर 36 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति राशि के 3 लाख 50 हजार रुपए के चैक देने के साथ-साथ 16 विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया और इस अवसर पर छात्रों के साथ-साथ उनके अभिभावकों को भी स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने छात्रों की सराहना करते हुए कहा कि उनका मार्गदर्शन आगे चलकर भविष्य में उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने ट्रस्ट के कार्यो की प्रशंसा करते हुए कहा कि ट्रस्ट द्वारा जो यह पुनीत कार्य किया जा रहा है इससे अनेक बच्चों का भविष्य उज्जवल और सुखद हो सकेगा। ट्रस्ट के नियमों के अनुसार देवीशंकर रोहतक ने श्री रामेश्वर दास को नया चेयरमैन मनोनीत किया है और इस ट्रस्ट की समस्याओं के समाधान के लिए एक 21 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है ताकि इस ट्रस्ट से सम्बंधित सभी सदस्यों को विश्वास में लेकर इस समस्या का स्थाई समाधान निकाला जा सके।

इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के प्रदेशाध्यक्ष सुशील कुमार शर्मा, महासभा के कोषाध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश खोखा, चेयरमैन शिरोमणि सभा लीलूराम, श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के पूर्व प्रधान कैलाश जांगिड, राजेश जांगिड, पूर्व मुख्य चुनाव अधिकारी देवमणी शर्मा, महासभा के उप प्रधान देवराज जांगिड, विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के प्रधान कांति प्रसाद टाइगर, सोनीपत के फूल कुमार जांगिड, जांगिड विधार्थी चैरिटेबल ट्रस्ट के पूर्व चेयरमैन देवी शंकर जांगिड, सतपाल वत्स, रोहतक के सतवीर जांगिड, प्रधान पहाड़गंज विश्वकर्मा मंदिर गंगादीन जांगिड, दिल्ली प्रदेश सभा के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश जांगिड, श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के महामंत्री अनिल शर्मा, युवा अध्यक्ष प्रवीण शर्मा, नजफगढ़ के अशोक जांगिड, जगदीश खंडेलवाल, जिला अध्यक्ष हीरालाल जांगिड, सागरपुर शाखा अध्यक्ष रामानंद

जांगिड, चाणक्य प्लेस शाखा अध्यक्ष नरेश जांगिड, कृष्णपाल अध्यक्ष शाखा सभा इंदिरा पार्क, कृष्ण लाल शर्मा, नांगलोई के अध्यक्ष जगदीश राय जांगिड, नजफगढ़ के अध्यक्ष मनीष शर्मा सीनियर वाइस प्रेसिडेंट उत्तम नगर अनिल जांगिड तथा समाज के गणमान्य समाज बंधुओं ने समारोह में शामिल होकर बच्चों को अपना आशीर्वाद दिया।

सनातन धर्म की परंपरा के अनुसार कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय प्रधान रामपाल शर्मा तथा अन्य उपस्थित महानुभावों ने दीप प्रज्वलित कर भगवान श्री विश्वकर्मा जी की स्तुति के द्वारा किया गया और दीप प्रज्वलन के माध्यम से मानव जीवन में फैले अंधकार को ज्ञान के दीपक रुपी प्रकाश के माध्यम से दूर करने का आह्वान किया गया। देव पूजा के बाद अपनी मातृभूमि के सम्मान में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और राष्ट्रगीत के माध्यम से सभी ने भारत माता की वंदना और नमन किया और वंदे मातरम तथा भारत माता के जय घोष के साथ कार्यक्रम का आरंभ किया गया।

उल्लेखनीय है कि इस ट्रस्ट के चेयरमैन कृष्ण आसोदा की कार्यकारिणी का कार्यकाल समाप्त हो चुका है। उन्होंने इस समारोह में अपने कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कहा कि समाज के होनहार छात्रों को पूरी फीस देने की व्यवस्था इस ट्रस्ट के माध्यम से की गई है। बी.ए.एम.एस. की एक छात्रा को 1,02,145 रुपए फीस के रूप में दिए गए हैं और इसी प्रकार एक अन्य छात्रा को एमबीबीएस की पढ़ाई जारी रखने के लिए पिछले 4 वर्षों की फीस के रूप में 2,76,580 रुपए की वित्तीय सहायता इस ट्रस्ट के द्वारा प्रदान की जा चुकी है तथा इसी प्रकार से कोर्स पूरा होने तक यह फीस दी जाएगी। उन्होंने बताया कि गत वर्ष आईआईटी के एक छात्र की 93000 रुपए की पूरी फीस इस ट्रस्ट के द्वारा प्रदान की गई और इस ट्रस्ट को अनुदान के रूप में जिन दानदाताओं द्वारा उदार वित्तीय सहायता प्रदान की गई है उन सभी का भी उन्होंने हृदय के अन्त:करण से आभार व्यक्त किया।

ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष रामेश्वर दास जांगिड ने बताया कि पिछले वर्षो के दौरान सन् 2019-20 से लेकर अब तक सन् 2022-23 तक इस ट्रस्ट के माध्यम से अब तक कुल 316 छात्रों को ट्रस्ट द्वारा कुल 23 लाख 76 हजार और 376 रुपए की सहायता छात्रवृत्ति के रूप में प्रदान की गई है।

ट्रस्ट के सचिव मास्टर जगदीश शर्मा ने छात्रों के समक्ष उनके उज्जवल भविष्य की परिकल्पना को ध्यान में रखते हुए उनके हित के ध्यान रखते हुए लिए कुछ विशेष योजनाओं का उल्लेख करते हुए उनका मार्गदर्शन किया। ट्रस्ट के वरिष्ठ सदस्य हंसराज जांगिड ने प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी के लिए सरकार द्वारा प्रदान की जा रही आर्थिक सहायता की जानकारी उपलब्ध करवाई और जयपुर से आई हुई किरण जांगिड ने बहुत ही मधुर और सशक्त वाणी में अपने विचार रखे, इनका एकमात्र लक्ष्य आईएएस बनना है। समारोह शांति पाठ के साथ संपन्न हुआ। अनेक छात्र किरण जांगिड की संकल्प शक्ति से बहुत ही अधिक प्रभावित हुए।

मास्टर जगदीश शर्मा, सचिव,
जांगिड विधार्थी चैरिटेबल ट्रस्ट,

आयकर विभाग में प्रधान आयुक्त नरेंद्र शर्मा से सूरत में प्रधान रामपाल शर्मा के नेतृत्व में मुलाकात

जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा, प्रधान आयुक्त आयकर डॉ नरेन्द्र शर्मा को सूरत में 3 जनवरी को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते हुए

सौम्य स्वभाव, शालीनता और विनम्रता की प्रतिमूर्ति श्रवण भक्त डां नरेंद्र शर्मा से अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा के नेतृत्व में समाज के प्रतिष्ठित महानुभावों की एक यादगार मुलाकात, इस आत्मीयतापूर्ण स्नेह मिलन में शामिल सभी महानुभावों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ने में कामयाब रही है। मैं इस बात में अगाध विश्वास रखता हूं कि मुलाकात का स्थान और समय एक संयोग से ही बनता है और यह निर्धारित स्थान था प्रजापति दक्ष रोड़ पर स्थित कापड़िया हैल्थ क्लब जहां पर महासभा की कार्यकारिणी की बैठक में भाग लेने आए हुए प्रतिनिधि महानुभाव ठहरे हुए थे।

डॉ नरेन्द्र शर्मा समाज बंधुओं के आग्रह पर अपनी महत्वपूर्ण सरकारी मीटिंग छोड़कर गंतव्य स्थान पर निर्धारित समय से पहले पहुंचे यह उनका समाज के प्रति समर्पण की भावना को ही परिलक्षित करता है। शान्त स्वभाव और मिलनसार प्रवृत्ति के धनी डॉ साहब अपनी पब्लिसिटी करवाने में विश्वास नहीं रखते हैं अपितु वह चुपचाप तरीके से समाज के जरूरतमंद लोगों की यथासंभव सहायता करने में ही विश्वास रखते हैं। उनकी समाज सेवा के कामों की लिस्ट लंबी है और उन्होंने मुझे यह सब बताने से मना भी किया हुआ है। उनकी सोच हमारे से अलग है और उनका मानना है कि अपने कार्य का बखान करने से उस काम की महत्ता कम हो जाती है। वह केवल कर्म करने में ही विश्वास रखते हैं, कर्मफल में नहीं । उनका मानना है कि सेवा करने का यह परम सौभाग्य परमात्मा की प्रेरणा से ही मिलता है। आदमी तो अपने अंहम में अंधा हो कर अपने को दाता समझ बैठता है । देने वाला तो कोई और है इस भावना को आत्मसात करते हुए ही उन्होंने अपने सामर्थ्य के अनुसार समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता की है।

डॉ नरेन्द्र शर्मा से मिलने वालों में प्रधान रामपाल शर्मा, अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमराराम जांगिड, पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला, महामंत्री सांवरमल जांगिड, जांगिड पत्रिका के सम्पादक रामभगत शर्मा, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र के प्रदेशाध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला, जगत राम जांगिड और रोहिताश जांगिड, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व विशेष सचिव डॉ सी पी शर्मा, अनुशासन समिति के सदस्य एडवोकेट एन एल जांगिड, सूरत में जी एस टी के अधीक्षक विनोद जांगिड, नांदेड़ के समाज सेवी प्रहलाद राय जांगिड और समालखा हरियाणा के राजेन्द्र जांगिड शामिल हैं।

इस मुलाकात का महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि बिना किसी औपचारिकता के सभी ने उन्मुक्त भाव से अपने-अपने विचार व्यक्त किये और आपस में सुझाव भी दिए गए। डॉ शर्मा ने प्रधान रामपाल शर्मा से कहा

कि जहाँ तक संभव हो सके, महासभा के चुनाव करवाने से गुरेज करना चाहिए क्योंकि चुनाव करवाना समाज हित में नहीं है और इससे समाज में आपसी भाईचारे को ठेस पहुंचती है और चुनाव के पश्चात् एक दूसरे का सहयोग करने की अपेक्षा चुने हुए प्रतिनिधि को फेल करने में अधिक समय व्यतीत करते हैं।

प्रधान आयुक्त ने सुझाव दिया कि आज प्रतिस्पर्धा के इस युग में चुनौतियों का सामना करने के लिए शिक्षा को विशेष रूप से बढ़ावा दिए जाने की जरूरत है। इस मामले में श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट सहित जो भी शिक्षा के उत्थान के लिए ट्रस्ट बनाए गए हैं उन सबको प्रतिभावान और गरीब बच्चों को आगे बढ़ाने में भरपूर मदद करनी चाहिए ताकि वह जीवन में सफलता हासिल करके समाज का ऋण उतारने में सक्षम हो सकें। उन्होंने समाज के असहाय और गरीब विधवाओं की विशेष रूप से सहायता करने पर बल दिया और कहा कि समाज के कार्यकर्मो के आयोजन पर अधिक पैसा खर्च करने की अपेक्षा विधवाओं को सिलाई मशीन या उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करके उनका छोटा-मोटा स्व-रोजगार करवाने में सहयोग करें।

जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा और समाज के प्रतिष्ठित महानुभाव प्रधान आयुक्त आयकर डॉ नरेन्द्र शर्मा से सूरत में 3 जनवरी को सौहार्दपूर्ण वातावरण में आपसी विचार-विमर्श करते हुए

बच्चों को संस्कारवान बनाने की वकालत करते हुए उन्होंने कहा कि संस्कार एक मनुष्य की अमूल्य धरोहर होते हैं और यह संस्कार बच्चों में पैदा करने के लिए पहले माता-पिता को इनका पालन स्वयं करना होगा। एक पिता खुद नशा करता है तो अपने बच्चों को नशा करने से कैसे रोक सकता हैं। इसके लिए पहले अपने आपको संस्कारवान बनाना होगा। आजकल के बच्चों में एक नई संस्कृति का उदय हुआ है और वह संस्कृति है बच्चों को आजादी तो विदेशी चाहिए और आर्थिक स्थिति भारतीय चाहिए ताकि माता पिता उस बच्चे की पढ़ाई का सारा खर्चा वहन करते रहें।

प्रधान रामपाल शर्मा ने डॉ नरेन्द्र शर्मा के विचारों का समर्थन करते हुए कहा कि आज समाज में जागृति पैदा हुई है और शिक्षा को बढ़ावा देने तथा समाज के गरीब और प्रतिभावान विद्यार्थियों को विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के माध्यम से सहायता देने का प्रयास किया जा रहा है। इस ट्रस्ट के माध्यम से 13 नवम्बर 2022 को जयपुर में आयोजित छात्रवृत्ति वितरण समारोह में 146 बच्चों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई और यह ट्रस्ट पिछले 44 वर्षो से इस महापुण्य के कार्य में संलग्न है और समाज के हजारों गरीब और होनहार बच्चों की सहायता करके उन्हें जीवन में अग्रसर होने का अवसर प्रदान किया गया है। इसी प्रकार से मुण्डका में महासभा का भवन निर्माणाधीन है और इसके पूरा होने पर यहां पर उच्च शिक्षा सहित प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वालों को भी कोचिंग और रहने की बेहतर सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा रामपाल शर्मा ने भी समाज के 4-5 गरीब बच्चों को गोद लिया हुआ है और उनकी पढ़ाई-लिखाई का सारा खर्च उदारमना हृदय से वहन किया जा रहा है ताकि गरीबी की विभीषिका रोड़ा बन कर उनके रास्ते में बाधा उत्पन्न न कर सके। वह श्री विश्वकर्मा एजुकेशन

ट्रस्ट की तीन वर्ष तक प्रधान रही और उन्होंने अपने तीन साल के कार्यकाल में जो अनूठी उपलब्धि हासिल की हैं उसका कोई भी सानी नहीं है। उन्होंने डॉ साहब को आश्वासन दिया कि इस मामले में और अधिक ध्यान दिया जायेगा और विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले उत्कृष्ट और आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों पर ताकि उनका भविष्य भी उज्ज्वल बनाया जा सके।

समाज में चुनाव प्रक्रिया को बंद करने के डॉ साहब के सुझाव का स्वागत करते हुए रामपाल शर्मा ने कहा कि मेरी सोच भी यही है और मैंने समाज का मुख्य सेवक बनते ही अपने पहले भाषण में यही कहा था कि हम सभी मिलकर समाज में एक ऐसा वातावरण तैयार करें कि समाज में चुनाव करवाने की नोबत ही ना आए और मुझे आपको बताते हुए खुशी हो रही है कि पिछले एक साल में 9 प्रदेशाध्यक्षों के चुनाव हुए हैं और उनमें से 7 प्रदेशाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं और मध्य प्रदेश और राजस्थान में अधिकतर जिला, तहसील और शाखा अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं और यह प्रयास भविष्य में भी जारी रहेंगे।

अमरा राम जांगिड ने कहा कि वह सन् 1980 से दुबई में रह रहे हैं और दुबई में काम करने वाले जांगिड और सुथार समाज के लोगों की संख्या लगभग 25000 है और हमने वहां एक संगठन बनाया हुआ है जो देश के पीड़ित लोगों की सहायता करता है। उन्होंने डॉ साहब को सपरिवार दुबई आने का निमंत्रण दिया जिसको उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया।

महासभा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष कैलाश बरनेला ने कहा कि परमात्मा की अनुकम्पा से उन्हें भी महासभा के प्रधान के रूप में 6 वर्षों तक कार्य करने का सुअवसर प्राप्त हुआ और मैंने प्रधान बनते ही एक संकल्प लिया था कि मैं अपने महासभा रुपी परिवार को इतना सशक्त बनाने का काम करूंगा ताकि हम संगठन की ताकत के बल पर राजनीति के क्षेत्र में भी अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकें और समाज की उन्नति का रास्ता प्रशस्त हो सके। इसलिए महासभा की सदस्यता मिशन एक लाख शुरू किया गया और मुझे अपने समाज पर गर्व है कि उन्होंने दिल खोलकर मेरा साथ दिया और यही कारण है कि मेरे 6 वर्षो के कार्यकाल में महासभा द्वारा जितने सदस्य अपनी स्थापना के 104 वर्षो के दौरान बनाए गए थे उस से तीन गुना से अधिक सदस्य महासभा रुपी परिवार में शामिल करके एक नया इतिहास रचा गया था और आज इस महासभा रुपी परिवार के सदस्यों की संख्या बढ़कर एक लाख से अधिक पहुंच गई है।

डॉ सीपी शर्मा ने कहा कि समाज के कुछ दिग्भ्रमित लोग अपने स्वार्थ के वशीभूत होकर समाज को तोडने काम कर रहे हैं और ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए आज की कार्यकारिणी की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है ताकि ऐसे लोगों की कुत्सित मानसिकता पर अंकुश लगाया जा सके।

इस अवसर पर प्रधान रामपाल शर्मा द्वारा डॉ शर्मा को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया और सभी महानुभावों द्वारा उनके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना करते हुए बैठक का समापन किया गया। महासचिव सांवरमल जांगिड ने महासभा की ओर से प्रधान आयुक्त का आभार व्यक्त किया।

इस अल्पकालिक बैठक में सभी ने उन्मुक्त भाव से विचार विमर्श किया और ऐसा महसूस हो रहा था जैसे एक परिवार के वरिष्ठ सदस्य मिलकर अपने परिवार के सुखद भविष्य की परिकल्पना को साकार देने की परियोजना बना रहे हैं। इस बैठक में जो आपसी सौहार्द और सुखद वातावरण था उसकी गूंज काफी समय तक सुनाई देगी।

सम्पादक रामभगत शर्मा

बैंगलुरू में प्रधान रामपाल शर्मा की अध्यक्षता में मनाया गया 116वां स्थापना दिवस

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का 116वां स्थापना दिवस बैंगलुरू में एक संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया। इस गरिमामय समारोह का श्रीगणेश दीप प्रज्वलन के साथ ही आराध्य देव भगवान विश्वकर्मा की आरती और पूजा के साथ किया गया और समाज के कल्याण के लिए भगवान श्री विश्वकर्मा का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए उनकी वंदना और प्रार्थना की गई।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि आज के इस पुनीत अवसर पर महासभा के प्रेरणा स्त्रोत रहे समाज के सभी पुरोधाओं को मैं नमन करता हूं जिनकी सोच 100 वर्ष आगे की रही है और उनका मानना था कि समाज की उन्नति के लिए संगठन परमावश्यक है और इसी सोच से अभिप्रेरित होकर ही उन्होंने इस मां रुपी महासभा की 115 वर्ष पहले स्थापना करके समाज को एकता के सूत्र में बांधने का संदेश दिया। इस महासभा की जड़ें मजबूत करने वाले महानुभावों में गोरधन दास शर्मा, डॉ इन्द्रमणी शर्मा, पंडित पाला राम शर्मा, पंडित डालचंद शर्मा और गुरुदेव जयकृष्ण मणिठिया का अमूल्य योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि इन महान विभूतियों ने अपने संकल्प के माध्यम से इस महासभा रुपी पौधे को लगाने के साथ-साथ इसकी जड़ों को अपने तप, त्याग और निःस्वार्थ भाव से सेवा तथा तपस्या के माध्यम से इसकी स्थापना के साथ साथ इसको पल्लवित और पुष्पित करने में अंहम भूमिका निभाई है और हमें गर्व है कि आज महासभा उनके संकल्पों को आगे बढ़ाने का काम कर रही है।

रामपाल शर्मा ने कहा कि आज हम सभी को मिलकर एक संकल्प लेने की जरूरत है और यह संकल्प है सभी को एक साथ मिलकर समाज को आगे बढ़ाने के लिए प्रयास करना। सबसे पहला संकल्प है शिक्षा का प्रचार और प्रसार क्योंकि शिक्षा ही एक व्यक्ति के उन्नयन और उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने कहा कि आज यद्यपि समाज में जागृति पैदा हुई है लेकिन इसका समुचित लाभ उठाने के लिए शिक्षा के क्षेत्र में समाज के प्रतिभावान और आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों की वित्तीय सहायता करने की महत्ती आवश्यकता है। हालांकि इस पुण्य के कार्य में अनेक संस्थाएं अपनी अपनी महत्ती भूमिका निभा रही हैं लेकिन इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए और अधिक सार्थक प्रयास करने की परम आवश्यकता है ताकि संकल्प को पूरा किया जा सके।

कर्नाटक के प्रदेशाध्यक्ष जगत राम भदरेचा ने कहा कि प्रधान रामपाल शर्मा द्वारा समाज सुधार के लिए जो अभिनव प्रयास किया जा रहा है उस सतत् प्रयास की जितनी भी भूरि-भूरि प्रशंसा की जाए वह काफी नहीं है। समाज के प्रति इनकी कर्तव्य परायणता और सत्य निष्ठा के परिणाम स्वरूप ही आज सारे देश में जांगिड और सुथार समाज में एक जागृति का शंखनाद हुआ है और इसकी गूंज विदेशों तक सुनाई दे रही है। आज प्रधान के कार्यकाल में जिस प्रकार से महासभा के सदस्यों की संख्या बढ़कर एक लाख से अधिक पहुंच गई है उससे इस महासभा की प्रतिष्ठा में अभिवृद्धि हुई है।

प्रसिद्ध समाज सेवी बाबूलाल शर्मा ने प्रधान रामपाल शर्मा का स्वागत करते हुए कहा कि जिस प्रकार से समाज के प्रथम प्रेरकों का नाम आज समाज में श्रद्धापूर्वक लिया जाता है उसी प्रकार से महासभा रुपी परिवार के सदस्यों की संख्या को एक लाख तक पहुंचाने के कीर्तिमान में इनका नाम सदैव ही उल्लेखित किया जाएगा। सत्यमेव जयते के मूल सिद्धांत को आत्मसात करते हुए प्रधान जी की सोच आधुनिक है इस लिए इनका सदैव यही प्रयास रहता है कि इस समाज का विकास किस प्रकार से किया जाए। उन्होंने भरोसा व्यक्त किया कि प्रधान रामपाल शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में समाज अपनी एक विशेष पहचान बनाने में सक्षम होगा।

प्रधान रामपाल शर्मा का ओमप्रकाश सुथार, दुर्गाशंकर सुथार और लक्ष्मण सुथार द्वारा स्वागत और अभिनन्दन किया गया और सुथार इंटीरियर टीम द्वारा निर्मित सी.एन.जी. डिजाइन का भगवान विश्वकर्मा का स्मृति चिह्न भेंट कर रामपाल शर्मा को सम्मानित किया गया और इसके साथ ही उपस्थित सभी महानुभावों को भी स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

बाबूलाल शर्मा, बैंगलूरू

* * * *

इसी प्रकार जिला सभा बाड़मेर द्वारा भी अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का 116वां स्थापना दिवस श्री विश्वकर्मा मंदिर होडू में मनाया गया। इस मौके पर समाज के अनेक प्रबुद्धजनों ने भाग लेकर समारोह की शोभा में चार चांद लगा दिए ।

सर्वप्रथम भगवान श्री विश्वकर्मा जी की पूजा अर्चना कर आरती की गई। इसके बाद अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के जिला अध्यक्ष बांकाराम जांगिड ने महासभा की स्थापना के बारे में विस्तृत सारगर्भित विचार व्यक्त किए। बांकाराम जांगिड ने महासभा की स्थापना के बारे में विस्तृत रूप से बताया। हमारे समाज के प्रेरक सदस्यों के बारे में जानकारी देते हुए 115 वर्ष पहले सभा का गठन करके अपनी विशेष पहचान बनाई। हम सभी ब्रह्मऋषि अंगिरा की संतान हैं और समय-समय परिवर्तन के कारण और देश के अलग-अलग भागों में अपने कार्य व्यवसाय के लिए जाने से अंगिरा की सन्तानों को अलग-अलग नामों से पुकारा जानें लगा।

जांगिड ने कहा कि वर्तमान समय में समाज की उन्नति का मार्ग समाज में ही परिव्याप्त है और उन्नति का मार्ग कुरितीयों को त्यागने से ही प्रशस्त होगा। जिसमें बाल विवाह, मृत्यु भोज और नशा वृत्ति जैसी कुरितीयों परित्याग करने से ही समाज का उत्थान होगा। आज युवाओं में संस्कार पैदा करने की परम आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि महासभा द्वारा भी अपने सीमित साधनों से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के होनहार बच्चों का समय समय पर सहयोग प्रदान करने के साथ, विधवाओं को भी महासभा द्वारा पेंशन प्रदान कर आर्थिक सहयोग दिया जा रहा है।

अम्बाला में भी जांगिड ब्राह्मण जिला सभा अंबाला द्वारा अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का 116वां स्थापना दिवस महासभा के उपाध्यक्ष राजकुमार जांगिड और जिला अध्यक्ष विनोद जांगिड की अध्यक्षता में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया जिसमें अंबाला शहर, अंबाला छावनी तथा निकटवर्ती इलाकों के जांगिड समाज बंधुओं ने शिरकत की और भगवान विश्वकर्मा और महर्षि अंगिरा की पूजा अर्चना की। और जिला सभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष धर्मपाल शर्मा ने महासभा के जन्म व उत्पत्ति के इतिहास पर प्रकाश डाला उपाध्यक्ष देवहंस जांगिड ने इस शुभ अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी। विनोद कुमार जांगिड ने जिला सभाओं व महासभा द्वारा चलाई जा रही विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला। जिला सभा के सचिव श्री गोपाल ने बहुत उत्कृष्ट व सुंदर ढंग से सभा का संचालन किया।

महामंत्री, महासभा

बांकनेर में श्रद्धाभाव और हर्षोल्लास से मनाया गया महासभा का 116वां स्थापना दिवस

किसी भी सभा, महासभा या किसी संस्थान की स्थापना और एक बच्चे का जन्म यह उनसे जुड़े उन सभी सदस्यों के लिए एक ऐतिहासिक और विशेष यादगार दिन होता है और इसी कड़ी में मातृस्वरूपिणी और गौरव की प्रतीक महासभा के सौजन्य से महासभा का 116वां स्थापना दिवस गुरुदेव जयकृष्ण मणिठिया की कर्मभूमि बांकनेर के अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल नरेला दिल्ली के प्रांगण में 27 दिसम्बर को महासभा के कार्यकारी प्रधान लादूराम जांगिड की अध्यक्षता में बड़े ही धूमधाम एवम हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया।

बांकनेर में महासभा द्वारा मनाया गया 116वां स्थापना दिवस

सर्वप्रथम महासभा का ध्वजारोहण करके समारोह की विधिवत तरीके से शुरुआत की गई। महासभा के कार्यकारी प्रधान लादूराम जांगिड, महामंत्री सांवरमल जांगिड और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा झण्डारोहण करके समारोह को दिव्यता और गरिमा प्रदान की। उसके पश्चात् दीप प्रज्ज्वलित करके भगवान श्री विश्वकर्मा की आरती और पूजा की गई तदुपरान्त महासभा के प्रथम प्रेरक और त्याग तथा निःस्वार्थ समाज सेवा की प्रतिमूर्ति और समाज के महापुरुष गुरुदेव श्री जयकृष्ण मणिठिया की स्कूल के प्रांगण में स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण करके उन्हें भावभीने श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। उल्लेखनीय है कि बांकनेर गुरुदेव जयकृष्ण मणिठिया की कर्मभूमि रही है और उन्होंने ही सन् 1919 में इस पाठशाला की आधारशिला रखी थी। गुरुदेव ने अपनी ननिहाल में रह कर ही समाज की प्रगति की नींव रखी और जीवन पर्यन्त समाज के प्रति समर्पित रहे।

इस अवसर पर स्कूल भवन के निर्माण के लिए दानदाताओं की भूरि-भूरि प्रशंसा भी की गई व उन्हें स्मरण करते हुए इन दानदाता महापुरुषों की मूर्तियों को भी माल्यार्पण करके उनको नमन करते हुए उनकी सेवा भावना को याद किया गया। इस समारोह को मनाने की सार्थकता को सिद्ध करते हुए और भारतीय सभ्यता और संस्कृति की परिपाटी का पालन करते हुए बांकनेर ग्राम के निवासी जो इस स्कूल की स्थापना से लेकर आज तक इस लम्बी यात्रा के साक्षी रहे हैं, समाज के उन सबसे वरिष्ठ चार समाज बंधुओं को सम्मानित किया गया, जिनमें नरेला के पूर्व प्राचार्य श्याम सुंदर शर्मा और हरिदत्त जांगिड, बांकनेर के रहने वाले हरिप्रकाश शर्मा और रामनारायण जांगिड को माला एवम श्रीफल व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया और उनके प्रयासों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की गई। उन्होंने कहा कि हम सभी महासभा के आभारी हैं जिसके सौजन्य से हमें समाज ने यह मान-सम्मान प्रदान किया है और यह सम्मान केवल उनका ही मान-सम्मान नहीं है अपितु उन सभी समाज बंधुओं का सम्मान है जो इस स्कूल की स्थापना से लेकर आज तक इसके साथ जुड़े हुए हैं।

इस अवसर पर महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने महासभा द्वारा आयोजित किए गए इस सम्मान समारोह की सफलता के लिए अपना सन्देश भेजते हुए कहा है कि गुरुदेव जयकृष्ण मणिठिया की कर्मभूमि रुपी इस पावन धरा को मैं नमन करता हूं और महासभा द्वारा इसी लिए यहां पर 116वां स्थापना दिवस आयोजित करके उनको मान-सम्मान देने का स्तुत्य प्रयास किया गया है। उन्होंने इस ऐतिहासिक अवसर पर बधाई देते हुए कहा है कि गुरुदेव मणिठिया ने इस धरा से समाज में जागृति का जो शंखनाद किया था उसकी गूंज पिछले 115 वर्षों से सारे देश में सुनाई दे रही है और महासभा आज समाज को एकता के सूत्र में बांधने के लिए एक अनुकरणीय कार्य कर रही है। गुरुदेव जयकृष्ण मणिठिया ने इस

धरा से ही अपनी कर्तव्य परायणता का परिचय देते हुए सच्चा कर्मयोगी बन कर समाज को एकता के सूत्र में बांधने की मजबूत दीवार खड़ी की थी जिस पर आज महासभा रुपी महल खड़ा हुआ है।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कार्यकारी अध्यक्ष लादूराम जांगिड ने कहा कि इससे बड़ा परम सौभाग्य हमारे लिए नहीं हो सकता है कि इस पाठशाला की आधारशिला गुरुदेव जयकृष्ण मणिठिया ने रखी थी और बांकनेर के जिन दानदाताओं ने इस पाठशाला के निर्माण के लिए 6 बीघे 3 बिसवे जमीन का दान किया था उनमें टीका राम जांगिड, दानी राम जांगिड, हरियाराम जांगिड, लज्जा राम जांगिड, जयलाल जांगिड और दलेल सिंह जांगिड शामिल हैं और इसके अतिरिक्त भामाशाह महादानी बालन्द गांव के रहने वाले धर्मपरायण प्रवृत्ति के धनी पंडित जागेराम शर्मा ने भी अपने पैसे से खरीद कर 6 बीघा जमीन पाठशाला को दान में दी थी और आज यह भूमि सैकड़ों करोड़ रुपए की है। मैं इन दानवीर महान विभूतियों का आभार व्यक्त करता हूं।

कार्यकारी प्रधान ने महासभा के नवनिर्मित भवन निर्माण के बारे में जानकारी देने के साथ-साथ बांकनेर स्कूल के विकास और इसकी कक्षाओं की मात्रा में अभिवृद्धि करने की रुपरेखा के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए कहा कि हम सभी मिलकर इस महायज्ञ में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने के साथ-साथ ही इस कड़ी को आगे बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सभी को संगठित और एकजुट होकर मनमुटाव की भावना को तिलांजलि देकर समाज के उत्थान एवं विकास के लिए भरसक सहयोग देने की भी आज महत्ती आवश्यकता है।

सांवरमल जांगिड ने महासभा के इतिहास व आवश्यकता, उद्देश्य, कार्य एवम प्रगति का मनोहारी ढंग से सारगर्भित शब्दों का उपयोग एवं बड़ा ही सटीक वर्णन किया। समाज के महापुरुष एवं पुरोधा एवम महासभा के प्रथम प्रेरक गुरुदेव जयकृष्ण मणिठिया को सादर प्रणाम एवं नमन करते हुए सांवरमल जांगिड ने कहा कि उन्होंने महासभा के गठन से लेकर महासभा के देश के कोने-कोने में अधिवेशन आयोजित करवाने में अंहम भूमिका निभाई उसका कोई भी सानी नहीं है। उन्होंने समाज के लोगों का आह्वान किया कि सभी समाज बंधुओं को एकजुट होकर राजनीति के क्षेत्र में अपनी भागीदारी बढ़ाने के लिए एक दूसरे का तन-मन-धन से सहयोग करते हुए आगे बढ़ने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने समारोह में आए हुए सभी समाज बंधुओं व स्कूल स्टाफ का भी अभिनन्दन, आभार एवम धन्यवाद व्यक्त किया।

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश जांगिड ने भी समाज के लोगों से अपील की कि वह सभी तरह के आपसी मतभेद और मनमुटाव को भूलाकर तथा आपस में संगठित होकर आगे बढ़ने के लिए संयुक्त प्रयास करें ताकि समाज को एक नई दिशा और नेतृत्व मिल सके। उन्होंने दिल्ली प्रदेश सभा की और से समारोह में आए हुए सभी समाज बंधुओं एवं स्कूल स्टाफ का भी आभार व्यक्त किया।

जांगिड विधार्थी ट्रस्ट के चेयरमैन श्रीकृष्ण आसोधा ने भी अपने सारगर्भित विचार व्यक्त किए उन्होंने भी स्कूल के विकास के लिए किए जा रहे कार्यो का विवेचन करते हुए विस्तृत प्रकाश डाला तथा सबको संगठित होकर आपस के मनमुटाव मिटाकर एकजुट होकर समाज के उत्थान एवं विकास के लिए सहयोग करने की अपील की।

स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती संतोष ने सभी का आभार एवं धन्यवाद करते हुए कहा कि आज इस समाज के लिए महासभा की स्थापना का एक बड़ा ही ऐतिहासिक दिन है और इस दिन की सभी को मंगल शुभकामनाएं एवं हार्दिक बधाई।

पर्यावरण को स्वच्छ एवं बेहतर बनाए रखने के लिए स्कूल परिसर में सभी ने मिलकर पौधारोपण भी किया और स्कूल के विधार्थियों के द्वारा आगुंतको के स्वागत में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसने सभी का मन मोह लिया और सभी महानुभावों द्वारा सम्मान स्वरूप इन बालिकाओं को पुरस्कार स्वरूप 3300 रुपए सम्मान स्वरूप प्रदान किए गए।

इस अवसर पर महासभा के कोषाध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा, नजफगढ़ जिला अध्यक्ष हीरालाल जांगिड, बांकनेर के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी एम.टी.एन.एल. शिवकुमार जांगिड, श्रीमती शीला शर्मा सहित बांकनेर गांव के वरिष्ठ महानुभावों सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने इस समारोह की शोभा को द्विगुणित किया।

महामंत्री सांवरमल जांगिड

प्रदेश सभा राजस्थान की आठवीं त्रैमासिक मीटिंग 8 जनवरी को कांकरोली राजसमंद में संपन्न

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा प्रदेश सभा राजस्थान की 8वीं त्रैमासिक मीटिंग जिला सभा राजसमंद में 8 जनवरी को आयोजित की गई इसके साथ ही जिला सभा की कार्यकारिणी का भी शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। सबसे पहले दीप प्रज्ज्वलित करके भगवान श्री विश्वकर्मा जी की पूजा अर्चना एवं सामूहिक आरती के साथ बैठक का श्री गणेश किया गया। इस बैठक के अति विशिष्ट अतिथियों में सम्माननीय श्री गुरुजी गोविंद नारायण जांगिड जयपुर, व आर.ए.एस अधिकारी श्रीमती अलका भारद्वाज तथा दीप विश्वकर्मा के सम्पादक हरिओम जांगिड की उपस्थिति प्रशंसा योग्य रही।

कार्यक्रम का आयोजन राजसमंद के जिला अध्यक्ष गोपाल लाल शर्मा और उनकी टीम के द्वारा बहुत ही सुव्यवस्थित तरीके से किया गया। सबसे पहले प्रदेश महामंत्री रमेश चंद्र शर्मा द्वारा प्रदेश सभा के विगत 3 महीनों के कार्यों का विवरण प्रस्तुत करने के साथ साथ आगामी 3 महीनों में किए जाने वाले कार्य योजना के बारे में भी प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त कोषाध्यक्ष बृजकिशोर शर्मा द्वारा विगत 3 महीनों के आय-व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया जिसका उपस्थित कार्यकारिणी द्वारा करतल ध्वनि से समर्थन किया गया।

अधिवक्ता एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओम प्रकाश जांगिड ने समाज में एकता बनाए रखने एवं संगठित रहने का आह्वान किया और सोशल मीडिया, व्हाट्सएप ग्रुप्स में अनर्गल और समाज हित के विरुद्ध एवं अनावश्यक कमैंट्स करने वाले ऐसे विघटनकारी तत्वों से समाज को सचेत रहने का अनुरोध किया। उन्होंने आह्वान किया कि ऐसे लोगों के विरुद्ध एकजुट होकर कड़ी कार्रवाई की जाए। अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राहुल शर्मा द्वारा भी समाज को एकजुट रहकर समाज की एकता और विकास के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया गया।

इस बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेशाध्यक्ष संजय हर्षवाल ने प्रदेश सभा की विभिन्न योजनाओं की समाज को जानकारी दी और शीघ्र ही एक वेबसाइट 26 जनवरी 2023 को लॉन्च किए जाने के बारे में समाज को अवगत करवाया जिसमें सभी जिला अध्यक्षों का संपूर्ण ब्यौरा एवं समाज के नागरिकों का विवरण समाहित होगा जो समाज के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी । समाज हित के अनेकों मुद्दों पर गंभीर चर्चा की और समाज में एकता और समन्वय कायम करने की आवश्यकता पर बल दिया।

गरीब एवं मेधावी छात्र छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने का अपना संकल्प दोहराते हुए उन्होंने भरोसा दिलाया कि समाज का कोई भी गरीब एवं मेधावी छात्र-छात्रा उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक तंगी के कारण वंचित नहीं रहेगा।

प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश सभा भवन में सोलर प्लांट एवं लिफ्ट लगाने का कार्य मार्च 2023 तक पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सभा द्वारा भामाशाह एवं दानदाताओं का भी सम्मान किया जाएगा। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि धार्मिक यात्रा के तीसरे चरण में श्री द्वारका धाम गुजरात के लिए समाज के वरिष्ठ नागरिकों की नि:शुल्क यात्रा का आयोजन शीघ्र ही किया जायेगा, सभी जिला अध्यक्षों से निवेदन किया गया कि वह सरकार से नि:शुल्क भूमि आवंटन के लिए शीघ्र आवेदन की कार्रवाई पूरी करें। उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिला अध्यक्षों का भी सम्मान किया गया तथा भविष्य में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिला अध्यक्षों का भी विशिष्ट सम्मान किया जाता रहेगा।

विधि सलाहकार बी.सी.रावत एवं जोधपुर से आए वरिष्ठ अधिवक्ता भारत भूषण शर्मा ने भी समाज की एकता पर बल दिया और हर प्रकार के सहयोग दिए जाने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर वरिष्ठ मंत्री उमेश चंद शर्मा, कार्यालय मंत्री सच्चिदानंद शर्मा, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जांगिड, राजनैतिक प्रकोष्ठ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रोहिताश जांगिड, महासभा के उप प्रधान सुधीर डेरोलिया, रामजी लाल जांगिड, मोहन मोरीवाल, महिला प्रकोष्ठ की उपाध्यक्ष श्रीमती हेमलता शर्मा, कुमारी अदिति डेरोलिया, जिला प्रभारी योगेश कड़वानिया, पूर्व जयपुर जिला अध्यक्ष हरिशंकर जांगिड, उदयपुर जांगिड विकास संस्थान के अध्यक्ष कन्हैयालाल जांगिड, महामंत्री दिनेश जांगिड, राष्ट्रीय संगठन मंत्री महिला प्रकोष्ठ श्रीमती ईशा जांगिड, उपाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ श्रीमती डिंपल जांगिड, मीना शर्मा, राजसमंद जिला महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती तृप्ति शर्मा और उनकी महिला टीम, जिलाध्यक्ष बीकानेर भंवरलाल शर्मा, उदयपुर जिला अध्यक्ष हंसराज शर्मा, चित्तौड़गढ़ जिला अध्यक्ष नानालाल शर्मा, जोधपुर जिला अध्यक्ष दिलीप छड़िया, सवाई माधोपुर के जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश जांगिड आदि अनेकों पदाधिकारियों के साथ भारी संख्या में समाज बंधु उपस्थित हुए।

प्रदेश मुख्य चुनाव प्रभारी बसंत कुमार जांगिड ने प्रदेश की चुनाव प्रतिवेदन समग्र रिपोर्ट प्रस्तुत की और कहा कि राजस्थान के सभी 31 जिलों में शांतिपूर्वक मतदान संपन्न हो चुके हैं तथा चुनाव मंडल के आय-व्यय का विवरण भी प्रस्तुत किया तथा जिला सभा अध्यक्षों के चुनाव के समय समाज सेवा की उत्कृष्ट मिसाल पेश करते हुए चुनाव मंडल के सहयोगियों ने प्रदेश सभा द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में सहायता के लिए छोटे-छोटे लोहे के दो दान पात्रों के माध्यम से समाज से दान राशि के रूप में 35,580 रुपए की धनराशि एकत्रित की गई जिसे प्रदेश कोषाध्यक्ष को सुपुर्द किया गया। इस विशेष सेवा कार्य में चुनाव मंडल के मोहनलाल लदोया, जगदीश चंद कवलेचा, ब्रह्मदेव शर्मा, कमल किशोर गोठड़ीवाल, महेश चंद्र जोपालिया, ओम प्रकाश बरड़वा तथा श्याम सुंदर जांगिड के संयुक्त प्रयासों से किया गया है।

समारोह के अन्त में अधिवक्ता और वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओम प्रकाश जांगिड ने सभी का हार्दिक आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। मंच का संचालन प्रदेश महामंत्री रमेश चंद्र शर्मा द्वारा किया गया इसके साथ ही श्रीमती इशिता शर्मा एवं डिंपल जांगिड ने भी मंच संचालन में भरपूर सहयोग प्रदान किया।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओमप्रकाश जांगिड
और महामंत्री रमेश चंद शर्मा, प्रदेशसभा राजस्थान

प्रधान रामपाल शर्मा ने दी
लोहड़ी और मकर सक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं

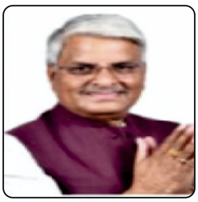

प्रधान रामपाल शर्मा

भारत की इस पुण्य धरा पर विभिन्न तीज-त्योहार आपसी प्रेम, प्यार और सौहार्द पूर्ण तरीके से मनाए जाते हैं और यही महान भारतीय संस्कृति की विशेषता है जो विभिन्नता में एकता को प्रदर्शित करती है और यही हमारी सबसे बड़ी वास्तविक ताकत है। उन्होंने मकर संक्रांति पर्व की लोगों को बधाई देते हुए कहा कि इस दिन सूर्य भगवान उत्तरायण में प्रवेश करते हैं और इस दिन देवता जागते हैं तथा इस दिन मंगल कार्यों का शुभारंभ किया जाता है इसलिए माघ का महीना दान-पुण्य का महीना माना गया है।

उन्होंने कहा कि यह त्यौहार हमारी सांस्कृतिक विरासत और धरोहर है। यह त्योहार आपके जीवन को सूर्य के प्रकाश की तरह अलौकित करता रहे और आपके परिवार में सुख समृद्धि और सकारात्मकता का संदेश जन जन में संचार करे और इससे आपसी भाईचारे की भावना सुदृढ़ हो। इसके साथ ही लोहड़ी की बधाई देते हुए कहा कि आपके मन में परिव्याप्त विषय विकारों को लोहड़ी की अग्नि में भस्म होने से एक नए सवेरे का उदय होगा और उन्होंने भगवान से प्रार्थना है कि सभी के जीवन में सुख-समृद्धि का संचार हो और प्रभु की अनुकम्पा आप और आपके परिवार पर सदैव ही बनी रहे।

इन्दौर में महासभा का 116वाँ स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का 116वाँ स्थापना दिवस, श्री जांगिड ब्राह्मण समाज पंचायत तोपखाना इंदौर में बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। समारोह का आयोजन अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा की प्रदेश सभा मध्यप्रदेश, महिला प्रकोष्ठ, युवा प्रकोष्ठ, जिला सभा, युवा एवं महिला प्रकोष्ठ जिला सभा इन्दौर, समस्त मंदिर कमेटियो एवं बड़ी संख्या में समाज बंधु एवं मातृशक्ति के सानिध्य में मनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ आराध्य देव भगवान श्री विश्वकर्मा जी को पुष्प माला अर्पण के साथ दीप प्रज्वलन कर आरती और पूजा के साथ किया गया।तत्पश्चात महासभा के प्रथम प्रेरक मथुरा के पं. गोरधनदास शर्मा, लखनऊ के डॉ इंद्रमणि शर्मा, रायपुरवल पंजाब के पं. पालाराम शर्मा, महासभा पत्रिका के जन्मदाता जंहागिराबाद उत्तर प्रदेश के पं. डालचंद शर्मा, समाज के महापुरुष दिल्ली से गुरुदेव पं. जयकृष्ण मणीठिया, महासभा भवन की दानकर्ता दिल्ली की श्रीमती सुंदर देवी शर्मा के चित्रपट पर माल्यार्पण करके कार्यक्रम की विधिवत रूप से शुरुआत की गई।

समाज के महान परम सन्त पं. श्री भागीरथ शर्मा खेड़ीधाट को सबसे पहले मंच पर बैठाया गया और उसके पश्चात महिला शक्ति का सम्मान करते हुए, महिला प्रकोष्ठ राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मधु-सत्यनारायण शर्मा, महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती गीता कडवाणीया, महामंत्री श्रीमती रीटा शर्मा, कोषाध्यक्ष श्रीमती किरण शर्मा, इन्दौर जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ डॉ सुनिता शर्मा, समाज सेवी श्रीमती शैला शर्मा, श्रीमती हेमलता लोनसरे, श्रीमती अनीता शर्मा, श्रीमती जीवन बाला शर्मा, श्रीमती इन्दु खुडानियां, श्रीमती सुमन बड़वाल, श्रीमती सीमा शर्मा, श्रीमती अंजू खोखा, श्रीमती संतोष कडवाणिया, श्रीमती संगीता कडवाणिया उपस्थित सभी महिला पदाधिकारियों को मंचासीन किया गया तथा मंचासीन सभी पदाधिकारियों को पुष्पहार व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया ।

समारोह को संबोधित करते हुए श्रीमती मधु शर्मा ने अपने उदबोधन मे कहा कि महासभा की नींव रखने वाले गुरूदेव प.जयकृष्ण मणिठीया ने देश की आजादी के 40 साल पहले ही जनगणना में जांगिड समाज को ब्राह्मण लिखवाने, शिल्प कर्म को यज्ञ कर्म सिद्ध करने, महासभा का रजिस्ट्रेशन करवाने आदि के लिए सरकारी नौकरी को छोड़कर जो परित्याग किया उसकी मिसाल इतिहास में अद्वितीय है। वह अन्तिम सांस तक समाज के लिए संघर्ष करते रहे। महासभा भवन का दान करवाकर महासभा का कार्यालय स्थापित किया और ग्रामीण क्षेत्रों में जनेऊ पहनने, महिलाओ को नथ पहनने, सेना मे भर्ती करने आदि अनेक तत्कालीन मुद्दो पर गुरुदेव ने अंग्रेजों के शासन काल में न्यायिक लड़ाई लड़ कर अभिनव प्रयास के माध्यम से समाज को अपना हक दिलवा कर कृतार्थ किया। इतना ही नहीं उन्होंने महासभा के 29 अधिवेशन सम्पन्न करवाकर समाज में जागृति का शंखनाद किया और इसके साथ-साथ समाज में निहित 144 गौत्र, शिल्प शास्त्र, आराध्य देव

भगवान विश्वकर्मा पर एक पुस्तक लिख कर साहित्य सर्जन करके जीवनपर्यन्त जांगिड समाज के हित में शास्त्रार्थ करते हुए इसे सम्मान दिलवाया और उन्होंने इस समाज के लिए सर्वस्व समर्पित कर दिया।

प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला ने महासभा के 116 स्थापना दिवस समारोह की बधाई देते हुए महासभा के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा के आदेश की पालना एवं अजमेर के मुख्य सलाहकार श्री गोपाल चोयल की पहल को स्वीकार करते हुए आज प्रथम बार पूरे प्रदेश व देश में 116वां स्थापना दिवस समाज की सभी इकाइयों द्वारा बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया है। इस शुभ अवसर पर महिलाओं को आगे लाने के लिए प्रदेश सभा मध्यप्रदेश द्वारा पहल करते हुए सिर्फ महिलाओं को ही मंचासीन करवा कर सारे देश में एक नया सार्थक संदेश दिया है ताकि समाज मे होने वाले कार्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी और अधिक संख्या में सुनिश्चित हो सके।

अन्त में, प्रदेशाध्यक्ष ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी ने अपने बहुमूल्य समय से कुछ पल निकाल कर कार्यक्रम में पधारकर कार्यक्रम को सफल बनाया उसके लिए आप सभी को पुनः धन्यवाद आभार और विशेषकर महिला शक्ति की उपस्थिति विशेष रूप से सराहनीय रही उसके लिए महिला शक्ति का पुनः बहुत बहुत आभार एवं धन्यवाद और आशा है कि भविष्य में भी इसी प्रकार आप सभी का सहयोग व आशीर्वाद हमेशा मिलता ही रहेगा।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रतन लाल जांगिड लाडवा ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि गुरुदेव प. जयकृष्ण मणिठिया का जन्म अंगिरा कुल में जन्माष्टमी के पावन अवसर पर सन् 1877 में बाकनेर दिल्ली में हुआ तथा उन्होंने महात्मा गांधी के दर्शन को आत्मसात करते हुए समाज हित में कार्य किया। उन्होंने दिल्ली में श्री विश्वकर्मा मंदिर का निर्माण करवाया व भगवान श्री विश्वकर्मा जी की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा करवाई। समाज के लिए ब्रिटिश हुकूमत से लोहा लेते हुए सेना में भर्ती का अधिकार दिलवाया साथ ही मासिक पत्रिका का संपादक एवं प्रकाशक का दायित्व भी बेहतर ढंग से निभाया। वरिष्ठ पत्रकार मोहनलाल शर्मा ने मध्यप्रदेश सभा द्वारा किए गए कार्यो के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

इस अवसर पर गीता कडवाणीया, मंडावले राजेंद्र शर्मा, राजेन्द्र रावत, गणेश शर्मा, रतनलाल जांगिड, अशोक रोडवाल, भगवान राजोतिया, सुशील कुमार मुन्नाभैया, अरुण शर्मा, मातादीन बरनेला, बद्री प्रसाद राजोतिया, मालीराम शर्मा, हेमन्त बिराणिया, महेन्द्र पंवार, रमेशचन्द्र, जयनारायण शर्मा, श्री भगवान गोठडीवाल, दीनानाथ शर्मा, अनिल शर्मा, बजरंग लाल शर्मा, उज्जैन के विष्णु बरडवा, मुकेश खंडेलवाल, सुनील बड़वा, महेन्द्र आसलिया, त्रिलोक लाडवा, अशोक पंवार, सीताराम खोखा, सोनु सामडीवाल, पंकज खुडानियां, ओम प्रकाश रसुलपुर, कैलाश कडवाणिया, बंटी शर्मा ने समारोह की शोभा को द्विगुणित किया।

कार्यक्रम का संचालन युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष महेन्द्र पंवार ने किया।

प्रभुदयाल बरनेला, प्रदेशाध्यक्ष,
मध्य प्रदेश

गुजरात प्रदेश एवं जिला कार्यकारिणी का 3 जनवरी को शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

गुजरात के ऐतिहासिक शहर और डायमंड सीटी के नाम से विश्वविख्यात सूरत शहर की वीर नर्मद दक्षिण गुजरात यूनिवर्सिटी के प्रांगण में गुजरात प्रदेश सभा एवं जिला सभा सूरत की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन 3 जनवरी को अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा की अध्यक्षता में गरिमापूर्ण और शानदार तरीके से आयोजित किया गया ।

सबसे पहले समारोह स्थल तक प्रधान रामपाल शर्मा सहित अन्य मेहमानों को ढोल-नगाड़ों की थाप के बीच नाचते गाते हुए लाया गया और स्वागत द्वार पर दो कन्याओं तन्नू और नेहा ने धार्मिक आस्था का प्रतीक माथे पर तिलक लगाकर रामपाल शर्मा की दीर्घायु की मंगल कामना की। समारोह का श्रीगणेश सभी विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके भगवान श्री विश्वकर्मा की सामुहिक संगीतमय आरती और पूजा अर्चना के साथ किया गया और भगवान विश्वकर्मा और महर्षि अंगिरा के जयकारों से समारोह स्थल गुंजायमान हो उठा।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा और गुजरात प्रदेश अध्यक्ष कैलाश चंद्र शर्मा पत्रिका के सम्पादक रामभगत शर्मा को शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर 3 जनवरी को सम्मानित करते हुए

शपथ ग्रहण समारोह को सम्बोधित करते हुए महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि जिस प्रकार से सप्त ऋषियों ने आपसी सहयोग और तादात्म्य से संसार के संचालन में भगवान त्रिदेव को सहयोग दिया। उसी प्रकार से गुजरात में समाज के 7 संगठनों ने आपस में मिलकर तथा अद्‌भुत सामंजस्य स्थापित करके जिस शानदार शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया है उसका कोई भी सानी नहीं है। इसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए वह कम है। मैं इस आपसी सौहार्द और एकता का अनुपम उदाहरण और भाईचारे की अनूठी मिसाल देखकर अभिभूत हो गया हूँ और इस सद्प्रयास के लिए मैं आप सभी का अन्त:करण की अथाह गहराइयों से आभार व्यक्त करता हूं।

प्रधान जी ने कहा कि यहां पर इसी परिसर में इससे पहले महासभा की त्रैमासिक बैठक का भी आयोजन किया गया था और इस बैठक में समाज हित के अनेक महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष कैलाश चंद्र शर्मा और सूरत के जिला अध्यक्ष एकलिंग प्रसाद जांगिड द्वारा मेहमानों के लिए ठहरने, खाने और परिवहन की उचित व्यवस्था और बेहतर इंतजाम करने तथा इस समारोह की सफलता में योगदान देने वाले समाज के सभी संगठनों के प्रतिनिधियों और विशेषकर युवाओं का आभार व्यक्त किया जिन्होंने दिन-रात मेहनत करके इस समारोह की सफलता की गरिमा को चार चांद लगा दिए और 'केम छो और मैं थान्ह प्यार करु सू' जैसे हृदय स्पर्शी गुजराती शब्दों ने मेहमानों के दिलों को जीत लिया और इस शपथ ग्रहण समारोह की अमिट छाप लम्बे समय तक चिर स्थाई बनी रहेगी। उन्होंने कार्यकारिणी में शामिल किए गए सभी पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि जिस विश्वास और भरोसे के आधार पर आपको यह दायित्व सौंपा गया है उस विश्वास पर आप सभी लोग खरे उतरेंगे। आज समाज के सामने जो चुनौतियां मुंह बाए खड़ी हुई

है उन सभी का मुकाबला एकजूट होकर ही किया जा सकता है और उन्होंने आशा व्यक्त की है कि जिस प्रकार आज यहां पर आपसी एकता और सद्भाव का परिचय दिया गया है भविष्य में भी इसे इसी प्रकार बनाए रखेंगे क्योंकि लोकतंत्र की यही असली ताकत है।

गुजरात के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश शर्मा ने सूरत की धरा पर गुजराती भाषा में सभी अतिथियों का भावभीना स्वागत करते हुए कहा कि केम छो-कैसे हो। हूं समाज ना भाई अने बहिनों नू स्वागत करु छु। मैं समाज के भाई एवं बहिनों स्वागत करता हूं। उन्होंने कहा कि सूरत के सभी संगठनों ने अतिथि देवो भव की सनातन संस्कृति और महान् परम्पराओं का पालन करते हुए यहां सभी अतिथियों का भावभीना स्वागत किया गया है और यहां पर सारे देश से समाजबंधू हमारे प्यार के वशीभूत होकर यहां खींचे चले आए हैं। मेरे पास ऐसे सभी महानुभावों का स्वागत करने के लिए शब्द नहीं हैं। आप सभी ने अपने वशीकरण मंत्र से सूरत के लोगों का मन मोह लिया है और इस उपकार के लिए गुजरात प्रदेश सभा आपकी हमेशा ही ऋणी रहेगी।

गुजरात प्रदेश सभा के कार्यकारी अध्यक्ष विनोद कुमार शर्मा ने गुजराती भाषा में मेहमानों का स्वागत करते हुए कहा कि - तमे बधाई पोता नु कीमती समय काढ़ी ने पधारियां ए बदल सूरत ना सर्व समाज ना लोकों आभारी छे- आप सभी लोग कीमती समय निकाल कर आए हैं इसके लिए सुरतवासी समाज के सभी समाज के लोग आभारी हैं उन्होंने कहा कि गुजरात की इस वाणिज्यिक धरा पर इस शपथ ग्रहण समारोह में विभिन्न प्रदेशों से आए प्रदेशाध्यक्ष और महासभा की कार्यकारिणी के सदस्यों के आगमन से विभिन्नता में एकता के दर्शन होते हैं और वसुधैव कुटुंबकम् की भावना परिलक्षित होती है। सूरत के इस आधुनिक और

सुन्दर शहर में विभिन्न भाषाओं और बोलियों के लोगों ने इस धरा पर सांस्कृतिक एकता की जो अनूठी छठा बिखेरी है वह अपने आप में अद्भुत और अद्वितीय है और उससे निश्चित रूप से समाज में एकता का शंखनाद गूंजायमान होगा। उन्होंने कहा कि जिन भी पदाधिकारियों को आज यहां शपथ दिलाई जा रही है वह सत्यनिष्ठा और परोपकार की भावना से अभिप्रेरित होकर निःस्वार्थ भाव से न केवल गुजरात के समाज अपितु समस्त समाज के उत्थान के लिए कार्य करेंगे।

सूरत के जिला अध्यक्ष एकलिंग प्रसाद जांगिड ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिस प्रकार से देश के कोने-कोने से आकर आप सभी लोगों ने स्नेह भरा आशीर्वाद दिया है यह आशीर्वाद सदैव ही इसी प्रकार बना रहे। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि समाज के लोग तन मन और धन से इसी प्रकार से भरपूर सहयोग करते रहेंगे ताकि इस समाज को आगे बढ़ाया जा सके। इस अवसर पर गुजरात के लोगों ने महासभा के लिए दिल खोलकर दान दिया ताकि महासभा के मुण्डका भवन को शीघ्रातिशीघ्र पूरा किया जा सके।

गुजरात प्रदेश सभा की कार्यकारिणी के सदस्यों को, शपथ प्रधान रामपाल शर्मा, अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमराराम जांगिड, पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और रविशंकर शर्मा द्वारा दिलवाई गई। शपथ ग्रहण करने वाले संरक्षक सदस्यों में, दमन से पत्रकार जटा शंकर शर्मा, बोरसद से जी.एम. जांगिड, सूरत से राजेन्द्र

प्रसाद शर्मा, अहमदाबाद से सुरेन्द्र शर्मा और महावीर प्रसाद जांगिड और जोगा राम कुलरिया, सूरत से रतिलाल जांगिड, भंवरलाल जांगिड, जवाहर लाल सुथार और मेहरा राम सुथार, बड़ोदा से द्वारका प्रसाद शर्मा, गांधीधाम से मोहन लाल जांगिड, वापी से द्वारका प्रसाद शर्मा और मोहनलाल शर्मा शामिल है।

प्रदेशाध्यक्ष कैलाश चन्द्र जांगिड और कार्यकारी अध्यक्ष प्रमोद कुमार जांगिड और नवसारी के मानाराम सुथार को महामंत्री तथा चेतन प्रकाश जांगिड को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। विधि सलाहकार राम प्रकाश जांगिड, मीडिया प्रभारी श्रवण धामु, तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष मिठालाल जांगिड और 35 उपाध्यक्षों, 17 मंत्रियों, 15 संगठन मंत्रियों, और 11 प्रचार मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई। इसी प्रकार जिला सूरत की कार्यकारिणी में जिला अध्यक्ष एकलिंग प्रसाद जांगिड, कार्यकारी अध्यक्ष रामलाल जांगिड, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मीठा लाल जांगिड, महामंत्री नारायण लाल सुथार, कोषाध्यक्ष भंवरलाल शर्मा मोटियार, मीडिया प्रभारी भोला राम जांगिड सहित संरक्षक सदस्यों, उपाध्यक्षों सहित अनेक पदाधिकारियों को भी पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई।

इस अवसर पर समारोह आयोजक समिति सूरत की तरफ से अतिथि देवो भव: की अवधारणा को आत्मसात करते हुए देश भर से आए हुए समस्त महासभा की कार्यकारिणी के सदस्यों एवं सभी समाज बंधुओं का बुके एवं मोमेंटो देकर हार्दिक स्वागत सम्मान किया गया और इस आतिथ्य सत्कार को ग्रहण करके सभी महानुभावों के चेहरे पर प्रसन्नता के भाव स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहे थे। गुजरात पधारे हुए सभी मेहमानों के स्वागत के लिए जो आयोजक कमेटी बनाई गई थी उसमें प्रदेशाध्यक्ष कैलाश चन्द्र शर्मा, जिला अध्यक्ष, एकलिंग प्रसाद जांगिड, समाज सेवी कार्यकारी अध्यक्ष प्रमोद कुमार शर्मा, भंवरलाल जांगिड, श्रवण कुमार जांगिड, रतिलाल सुथार, छगनलाल सुथार इन्दराणा, नन्दलाल जांगिड, सत्यनारायण सुथार, कमल जांगिड और श्रीमती ललिता देवी के नेतृत्व और मार्ग दर्शन में समुचित व्यवस्था की गई थी जिसकी सभी महानुभावों द्वारा मुक्त कंठ से प्रशंसा की गई और सभी ने शानदार मेहमान नवाजी के लिए सूरत की सभा का आभार और धन्यवाद व्यक्त किया।

जो महानुभाव शपथ ग्रहण समारोह के साक्षी बने उनमें महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और रविशंकर शर्मा, महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती मधु शर्मा, महामंत्री सांवरमल जांगिड, सम्पादक रामभगत शर्मा और विश्वकर्मा गौरव के सम्पादक गीतेश शर्मा, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व विशेष सचिव डॉ सीपी शर्मा, अनुशासन समिति के सदस्य एन.एल. जांगिड, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रोहिताश जांगिड, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष संजय हर्षवाल, मध्य प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला, कर्नाटक के जगत राम भदरेचा, गोवा के भंवर लाल सुथार, छत्तीसगढ़ के सतीश जांगिड, दिल्ली के ओमप्रकाश जांगिड, समालखा के राजेन्द्र शर्मा, हरियाणा सभा के महामंत्री मास्टर वीरेंद्र जांगिड, महासभा के कोषाध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा, पुखराज जांगिड, और रोहतक के पंडित लक्ष्मी नारायण, मोहन लाल दायमा, महाराष्ट्र महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष रेशमा महेश जांगिड, नाशिक जिला अध्यक्ष सन्तोष शर्मा और देश के कोने-कोने से आए कार्यकारिणी के सदस्य उपस्थित थे।

ऑडिटोरियम में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह का सफल मंच संचालन सीकर के राधेश्याम मांडण और गांधीधाम के मोहन लाल जांगिड ने किया तथा त्रिमासिक बैठक का मंच संचालन सुरेन्द्र वत्स द्वारा कुशलतापूर्वक ढंग से किया गया।

सम्पादक रामभगत शर्मा

सूरत में आयोजित महासभा की त्रैमासिक बैठक समाज को सकारात्मक संदेश देने में सार्थक रही।

देश के डायमंड सीटी सूरत में जांगिड ब्राह्मण महासभा की त्रैमासिक मीटिंग का आयोजन 3 जनवरी को जांगिड ब्राह्मण प्रदेश सभा गुजरात के सौजन्य से प्रधान रामपाल शर्मा की अध्यक्षता में वीर नर्मद दक्षिण गुजरात यूनिवर्सिटी के प्रांगण में आयोजित की गई और यह मीटिंग एक अमिट छाप छोड़ने में सफल रही और इस बैठक में समाज हित के जो निर्णय लिए गए उसके दूरगामी परिणाम होंगे। इस बैठक में महासभा की कार्यकारिणी ने दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय देते हुए समाज के अराजक तत्वों के खिलाफ एक जुटता दिखाते हुए समाज को सकारात्मक संदेश देने का स्तुत्य प्रयास किया गया है।

जांगिड समाज के महाकुंभ रुपी इस बैठक का श्रीगणेश सभी विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके भगवान श्री विश्वकर्मा जी की आरती, भगवान विश्वकर्मा और महर्षि अंगिरा के जयघोष के नारों के गुंजायमान के साथ स्नेहिल और सुखद वातावरण में किया गया। इस अवसर पर नाशिक में 2 अक्टूबर को आयोजित की गई घोषणा के अनुसार जांगिड समाज के भीष्म पितामह, महासभा के पूर्व महामंत्री नाशिक के मोहन लाल दायमा को प्रधान रामपाल शर्मा द्वारा जांगिड रत्न अवार्ड देकर सम्मानित किया गया और इसके साथ ही महासभा के सदस्यों की संख्या मिशन एक लाख के प्रणेता एवं इस योजना को अमली जामा पहनाने में बहूमूल्य योगदान देने वाले महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और इसे मूर्त रूप देने के प्रयासों में भागीदार रहे रवि शंकर शर्मा को भी स्मृति चिह्न देकर इस अवसर पर सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही छत्तीसगढ़ प्रदेश के अध्यक्ष सतीश जांगिड द्वारा कार्यकारिणी की बनाई गई नई वैबसाइट का उद्घाटन भी प्रधान रामपाल शर्मा द्वारा किया गया तथा इसके साथ ही गोवा के निर्विरोध निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष भंवरलाल सुथार को प्रधान रामपाल शर्मा, महामंत्री सांवरमल जांगिड और मुख्य चुनाव अधिकारी द्वारा निर्वाचन प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सर्वप्रथम महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड द्वारा देश भर से आए हुए सभी पदाधिकारियों एवं प्रदेश अध्यक्षों एवं सभी उपस्थित महानुभावों को नववर्ष की बधाई देते हुए सभी के मंगलमय जीवन की मनोकामना करते हुए कार्यकारिणी की बैठक में भाग लेने के लिए आभार व्यक्त किया तथा विगत एक वर्ष के दौरान महासभा द्वारा किए गए समाज कल्याण के बारे में बैठक में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। इसके उपरांत महासभा के कोषाध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा द्वारा पिछले 9 महीने 1 अप्रैल 2022 से 31 दिसंबर 2022 तक का महासभा के आय-व्यय का सम्पूर्ण लेखा जोखा सदन के सम्मुख विस्तार पूर्वक प्रस्तुत किया गया जिसका सभी पदाधिकारियों द्वारा करतल ध्वनि से सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे प्रधान रामपाल शर्मा को अपने मन की बात कहने के लिए सबसे पहले आमन्त्रित किया गया और उन्होंने इस बैठक को सम्बोधित करते हुए सभी महानुभावों और विशेषरूप से नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्षों को बधाई देते हुए अपने मन की बात जिस सादगी, सच्चाई और ईमानदारी तथा स्पष्टता से समाज के सामने रखी तथा उनके हृदय की गहराइयों से निकले शब्दों ने अनेक लोगों को भावुक होने पर विवश कर दिया। समाज में नकारात्मक सोच रखने वालों और अनावश्यक रुप से बदनाम करने वाले महानुभावों को करारा जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि कई लोगों द्वारा व्हॉटस-ऐप यूनिवर्सिटी पर यह भ्रम फैलाने का कुत्सित प्रयास किया गया कि प्रधान जी ने महासभा को 5 करोड़ रुपए देने की घोषणा की थी।

हां, मैंने 5 करोड़ रुपए देने की घोषणा की थी और यह घोषणा किसी स्वार्थ के कारण नहीं बल्कि स्वैच्छा से परमात्मा की अनुकम्पा से 5 करोड़ रुपए अपने परिवार के सदस्यों से सलाह मशविरा करके सर्व समाज के लिए खर्च करने की घोषणा की थी और यह कहते-कहते वह बड़े भावुक हो गए और उनका गला भर आया और कहा कि ऐसे लोग आज मुझसे हिसाब मांग रहे हैं, जिन्होंने महासभा में आज तक एक पैसे का भी योगदान नहीं दिया है।

प्रधान ने स्पष्ट किया कि उन्होंने महासभा के भवन के निर्माण के लिए एक करोड़ 25 लाख रुपए देने की घोषणा की थी और मुझे खुशी है कि एक साल में महासभा के मुण्डका भवन के निर्माण में अभी तक लगभग 86 लाख रुपए से अधिक की राशि यानी एक तिहाई राशि का भुगतान किया जा चुका है और अपने वायदे के अनुसार शेष राशि भी समय के अनुसार दे दी जायेगी। ऐसे नकारात्मक सोच के धनी उन लोगों का मैं आह्वान करता हूं कि, किसी पर भी दोषारोपण करने से पहले कृपया अपने अन्त:करण में एक बार झांककर अवश्य ही देख लें। आज ऐसे लोगों की अन्तर्रात्मा कचोट रही होगी कि जिन्होंने महासभा का प्रधान होने के नाते मुझे बदनाम करने की जो साजिश और षड्यंत्र रचा था वह नाकामयाब रहा और अपने उद्देश्य में वह सफल नहीं हुए हैं। उन्होंने बैठक में उपस्थित लोगों से सवाल किया कि आप बताएं मुझे क्या लालच था? मैं भी अपने घर बैठकर जीवन का सुख और आनंद ले सकता था, लेकिन मेरे संस्कारों ने मुझे समाज सेवा करने के लिए अभिप्रेरित किया ताकि समाज के उन गरीब प्रतिभावान विद्यार्थियों की आवाज बनकर उनकी आर्थिक मदद की जा सकें और किसी विधवा के आंसू पौंछे जा सकें तथा समाज की किसी गरीब लड़की के विवाह में योगदान दे सकूं। ऐसे भ्रामक दुष्प्रचार करने वाले महानुभावों से मेरी विनम्र अपील है कि इस नववर्ष में नए संकल्प के साथ समाज को जोड़ने के संकल्प के साथ आगे बढ़े न कि समाज को दिग्भ्रमित करके इसे तोड़ने के इरादे से अनर्गल रुप से समाज में भ्रम फैलाते रहें।

रामपाल शर्मा ने रहस्योदघाटन किया कि मैंने अपने पैतृक गांव में करीब 5000 वर्ग फुट में लगभग 3 करोड़ 75 लाख रुपए की लागत से एक दो मंजिलें भवन का निर्माण करवाया है और मैं चाहता तो इस भवन को ट्रस्ट के माध्यम से चला सकता हूं लेकिन मैंने इस सोच का परित्याग करके इस भवन में सरकारी अस्पताल खोलने के लिए राजस्थान सरकार को सौंपने का निर्णय लिया है और यही मेरे परिवार की सर्वसमाज के हित और कल्याण की परिकल्पना को साकार करने वाला मूलमंत्र है। इस अस्पताल में सभी जाति और धर्म के लोग अपना इलाज करवाकर अपने आप को धन्य समझेंगे। उन्होंने चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया कि ऐसे लोगों को महासभा का प्लेटफार्म यूज करने की अनुमति कभी भी नहीं दी जा सकती है और मुझे यह कहते हुए शर्म आती है कि भगवान विश्वकर्मा के वंशज इस प्रकार की घटिया मानसिकता के लोग हो सकते हैं, जो इतने निकृष्ट शब्दों का प्रयोग अपने समाज के भाइयों के प्रति केवल इसलिए करते हैं ताकि समाज में मेरी छवि को धूमिल किया जा सके। लेकिन कहा गया है कि सच्चाई को बदनाम तो कर सकते हो, लेकिन उसको कभी भी झूठला नहीं सकते हो।

उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि ऐसी विघटनकारी प्रवृत्ति के लोग आज भी अपनी दुकानदारी चलाने के लिए टीम नेमीचंद और टीम रामपाल का सदस्य बनकर अपना स्वार्थ सिद्ध करने में लगे हुए हैं। लेकिन आज मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि यह टीम उसी दिन समाप्त हो गई थी जिस दिन 3 जनवरी 2022 को आपने मुझे मुख्य सेवक का दायित्व सौंपा था और चुनाव जीतने के पश्चात् सबसे पहले मैं सत्यनारायण शर्मा के घर गया था और मैंने कहा था कि आज से यह टीम से टीम का खेल खत्म और अब हम सब मिलकर

एक टीम बन कर समाज को आगे बढ़ाने का काम करेंगे और अब इस टीम का नाम होगा–महासभा टीम– और मुझे सत्यनारायण शर्मा पर आज भी फक्र है कि उन्होंने सहयोग का जो भरोसा मुझे दिलाया था उस भरोसे पर वह आज खरे उतरे हैं ।

लेकिन कुछ दुष्प्रवृति वाले लोगों को समाज में इस प्रकार के आपसी सौहार्दपूर्ण रिश्ते पसंद नहीं हैं क्योंकि व्हॉटस–ऐप पर अपने कलुषित विचार व्यक्त करने के लिए उनके पास कोई मुद्दा शेष नहीं रहेगा। इसके साथ ही मैं समाज के उन लोगों को बधाई भी देना चाहता हूं जिन्होंने पिछले वर्ष थोड़े से अन्तराल में 9 राज्यों के प्रदेशाध्यक्षों में से 7 प्रदेशाध्यक्षों को निर्विरोध निर्वाचित किया है और इसके अतिरिक्त राजस्थान और मध्य प्रदेश में भी अधिकार जिला और तहसीलों समेत अधिकांश अध्यक्षों के चुनाव सर्वसम्मति से करवाए गए हैं। इसके लिए संजय हर्षवाल और प्रभु दयाल बरनेला बधाई के पात्र हैं।

समाज में एकता का शंखनाद करते हुए और संगठन को मजबूत करने की वकालत करते हुए रामपाल शर्मा ने कहा कि समाज को राजनैतिक ताकत दिखाने के लिए जयपुर में एक बड़ी बैठक का आयोजन करके उसमें समाज के एक लाख से अधिक लोगों को एकत्रित करके, राजनैतिक पार्टियों को एक सार्थक संदेश देने का प्रयास करने के साथ ही समाज की ताकत का अहसास भी करवाया जायेगा। इसके लिए सभी का तन, मन और धन से सहयोग और समर्थन परमावश्यक है। जांगिड पत्रिका के वायरल वीडियो के बारे में उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बारे सच्चाई तक पहुंचने में हमारी मदद करें और कार्यकारिणी का जो भी सदस्य इस मामले में दोषी पाया गया उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने दिग्भ्रमित लोगों पर व्यंग कहते हुए कहा कि महासभा की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के लिए ऐसे लोग कहां तक जा सकते हैं, ऐसे दिग्भ्रमित लोग आरोप लगा रहे हैं कि महासभा में पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और रविशंकर शर्मा ने मिलकर 150 करोड़ रुपए का घोटाला किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिस समय 115 वर्ष पहले महासभा बनी थी तब से लेकर आज तक इस महासभा में सभी साधनों से लगभग 20 करोड़ रुपए भी जमा नहीं हुए और 150 करोड़ रुपए का घोटाला कैसे हो गया?। यह अनर्गल और निराधार आरोप भी पूर्ण रूप से गलत है।

रामपाल शर्मा ने ऐसे लोगों को चुनौती देते हुए चेलैंज किया कि मैं दोनों पूर्व प्रधानों के समय का आडिट करवाने के लिए तैयार हूँ। लेकिन किसी एक व्यक्ति को सन्तुष्ट करने के लिए महासभा के नियमों को ताक पर नहीं रखा जा सकता है और न ही उन्हें बदला जा सकता है। महासभा एक सामाजिक प्लेटफार्म है और इसे राजनीति का अखाड़ा कभी भी नहीं बनने दिया जाएगा। हाँ मैंने 5 करोड़ रुपए सर्व समाज के कल्याण के लिए अपनी इच्छा से परिवार के साथ सलाह मशविरा करके देने की घोषणा की थी और उसमें से 1 करोड़ 25 लाख महासभा के एक फ्लोर का निर्माण करने के लिए देने का वायदा किया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे लोग मेरे से पूछने वाले कौन होते हैं। मैंने महासभा से कोई कर्जा थोड़े ही ले रखा है। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को जिला अलवर का शपथ ग्रहण समारोह भी हमारे परिवार द्वारा बनाई गई इसी बिल्डिंग में आयोजित किया गया, जो लगभग 3 करोड़ 75 लाख रुपए की लागत से बनाई गई है। उन्होंने समाज के लोगों से हाथ जोड़कर विनती करते हुए कहा कि चुनाव तो आते जाते रहते हैं, लेकिन समाज को विघटित करने वाली ऐसी ताकतों से सावधान रहें और समाज में आपसी भाईचारा एकता और सौहार्द बनाए रखें यही समाज की प्रगति का मूल आधार है। उन्होंने समाज के लोगों से पुनः अनुरोध किया कि जहां तक संभव हो सके भविष्य में सभी चुनाव निर्विरोध करवाने के प्रयास करें ताकि समाज में एकता का संदेश जाए। सभी प्रदेशाध्यक्षों से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि वह महासभा के कम से कम दो प्लेटीनम या चार स्वर्ण

या आठ रजत सदस्य अवश्य ही बनाए और इसी प्रकार उप प्रधान 50 सदस्य, संगठन मंत्री 30 सदस्य और प्रचार मंत्री 20 सदस्य अवश्य ही बनाएं तथा सबसे अधिक सदस्य बनाने वाले महानुभावों को महासभा द्वारा सम्मानित भी किया जाएगा। इसके साथ ही व्हॉटस-ऐप पर किए जा रहे दुष्प्रचार को रोकने में भी प्रदेशाध्यक्ष अपनी महत्ती भूमिका निभाएं। उन्होंने अतिथियों के ठहरने की समुचित व्यवस्था करने के साथ-साथ त्रैमासिक बैठक और शपथ ग्रहण समारोह की शानदार व्यवस्था करने के लिए गुजरात प्रदेश सभा के अध्यक्ष कैलाश चंद्र शर्मा, जिला सूरत के अध्यक्ष एकलिंग जांगिड सहित इस समारोह के भव्य आयोजन से जुड़ी सभी 7 सामाजिक संस्थाओं के अध्यक्षों की भी मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए उन सभी का हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त किया।

रामपाल शर्मा ने खुलासा किया कि मैंने जो 5 करोड़ रुपए समाज कल्याण के कार्यों के लिए देने की घोषणा की थी वह जून 2019 की पत्रिका में पृष्ठ नं 22 पर इसका विवरण विस्तार पूर्वक प्रकाशित किया गया है तथा इसके पश्चात यह मामला सदा के लिए समाप्त हो जाना चाहिए। इस पृष्ठ की छाया प्रति इस पत्रिका के 37 पृष्ठ पर आपके अवलोकनार्थ प्रस्तुत है। इसको पढ़ कर आप खुद ही निर्णय ले सकेंगे और यह मैं आपके विवेक पर ही छोड़ता हूं।

अन्तर्राष्टीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमराराम जांगिड ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि जो लोग समाज को गाली देते हैं और गलत भाषा का उपयोग करते हैं ऐसे लोगों का अपराध अक्षम्य है। उन्होंने कहा कि जो भ्रमित लोग महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और रविशंकर शर्मा के परिवार के खिलाफ अनर्गल आरोप लगाते हैं उनकी मैं भर्त्सना करता हूं। उन्होंने कहा कि कैलाश बरनेला खानदानी परिवार से ताल्लुक रखते हैं और उन पर इस प्रकार के निराधार आरोप लगा कर उनकी छवि को खराब करने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं और इस प्रकार वह सारे समाज का अपमान कर रहे हैं।

अन्तर्राष्टीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष ने महिलाओं और युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि समाज को आगे बढ़ाने में महिलाओं और युवाओं की महत्ती भूमिका है और आज समाज को इनके भरसक सहयोग की नितांत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज समाज आगे बढ़ रहा है और आज दुबई में लगभग 25 हजार विश्वकर्मा समाज के लोगों ने वहां पर व्यापार के क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि दुबई में समाज का जो भी पीड़ित व्यक्ति है उसकी भी हर संभव सहायता की जा रही है। उन्होंने नव निर्वाचित अध्यक्षों को बधाई देते हुए कहा कि सभी लोग समाज को प्रगति के मार्ग पर ले जाने के लिए मिलकर प्रयास करें।

महासभा की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती मधु शर्मा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने देश भर में महिला प्रकोष्ठ की स्थापना का कार्य शुरू किया हुआ है और अभी तक चार प्रदेशों में महिला प्रकोष्ठ की स्थापना की जा चुकी है और गुजरात में अभी महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष की नियुक्ति की जानी है। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण करके उन्हें समाज में आगे लाना होगा। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि आज हमारे समाज का टेलंट विवाह के द्वारा दूसरे समाज में जा रहा है इसको रोकना होगा। आज की नारी एक अबला नारी नहीं है अपितु वह एक आधुनिक और सशक्त नारी है।

महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला ने महासभा के वित्तीय साधन बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए सुझाव दिया कि जिन-जिन भामाशाहों ने भवन निर्माण के लिए राशि की घोषणा की हुई है उन सभी भामाशाहों की सूची बना कर महासभा के महामंत्री द्वारा सभी प्रदेशाध्यक्षों को अविलंब भेजी जाए ताकि

प्रदेशाध्यक्ष अपने स्तर पर प्रयास करके दानदाताओं से यह घोषित राशि महासभा के खाते में तुरंत जमा करवाने के लिए प्रेरित कर सकें।

इसी प्रकार महासभा के पूर्व प्रधान रविशंकर शर्मा ने भी वित्तीय संसाधन बढ़ाने के बारे में अपने सारगर्भित विचार रखते हुए सुझाव दिया की महासभा के भवन निर्माण के लिए समाज के जिन-जिन भामाशाहों द्वारा दान राशि की घोषणा की हुई है उसे अविलंब रुप से प्राप्त करने के लिए प्रधान रामपाल शर्मा ,महामंत्री तथा कोषाध्यक्ष द्वारा व्यक्तिगत रूप से ऐसे दानवीरों से व्यक्तिगत रुप से अनुनय विनय किया जाना ताकि इस राशि का उपयोग भवन निर्माण के कार्यो में किया जा सके और इसके साथ ही दानदाताओं एवं भामाशाहों से विनम्र अनुरोध किया गया कि वह शीघ्रातिशीघ्र अपनी घोषित दान राशि महासभा में जमा करवाकर अपनी रसीद प्राप्त करें।

महामंत्री सांवरमल जांगिड द्वारा कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा महासभा को तोड़ने तथा अनावश्यक रूप से महासभा के कार्य में बाधा डालने वाले अराजक तत्वों के बारे विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई और सभी उपस्थित महानुभावों ने ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने की भी मांग की गई। इसके साथ चुनाव सुधार तथा कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों को परिचय पत्र जारी करने के बारे में भी अवगत करवाया और इसके साथ ही मीटिंग में सोशल मीडिया पर कुछ समाज बंधुओं द्वारा महासभा एवं महासभा पदाधिकारियों को अशोभनीय व अभद्र टिप्पणियां कर मानसिक पीड़ा पहुंचाने तथा कुत्सित मानसिकता रखने वाले लोगों के विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही करने पर जोर दिया तथा उपस्थित सदन के अनेक सदस्यों ने अपने अलग-अलग विचारों में यह स्पष्ट संदेश दिया कि ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ महासभा संविधान के तहत कड़ी से कड़ी कार्यवाही के साथ-साथ न्यायिक कार्यवाही करने का भी पुरजोर समर्थन किया गया ।

राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष संजय हर्षवाल, मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला, कर्नाटक के प्रदेशाध्यक्ष जगत राम भद्रेचा, हरियाणा के महामंत्री वीरेन्द्र जांगिड सहित विभिन्न प्रदेशों से आए प्रदेशाध्यक्षों द्वारा भी अपने-अपने प्रदेश की पिछले तीन माह की प्रगति रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई।

महासभा की त्रैमासिक मीटिंग का सफलतम संचालन महामंत्री सांवरमल जांगिड एवं दिल्ली के सुरेंद्र वत्स ने किया। इस अवसर पर जिन महानुभावों ने इस बैठक की शोभा को द्विगुणित किया उनमें जांगिड एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष कृष्ण आशोधा, अनुशासन कमेटी के सदस्य एन.एल. जांगिड, उच्च स्तरीय कमेटी के सदस्य जोधपुर के पुखराज जांगिड और इंदौर के रत्न लाल लाडवा, कोर कमेटी के सदस्य देवास के प्रभु दयाल शर्मा, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रोहिताश जांगिड, कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष जगत राम भदरेचा, गोवा के प्रदेशाध्यक्ष भंवर लाल सुथार, दिल्ली के प्रदेशाध्यक्ष ओम प्रकाश जांगिड, महाराष्ट्र महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती रेशमा महेश जांगिड, महाराष्ट्र और दिल्ली के प्रदेश प्रभारी किशनलाल जांगिड, नजफगढ़ के जिला अध्यक्ष हीरालाल जांगिड, घनश्याम शर्मा, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व विशेष सचिव डॉ सीपी शर्मा, बंगलूरू से बाबूलाल शर्मा, कर्नाटक के पूर्व अध्यक्ष गिरधारी लाल जांगिड, नांदेड़ के प्रहलाद राय जांगिड, सम्पादक रामभगत शर्मा और विश्वकर्मा गौरव के सम्पादक गीतेश जांगिड, जी.एस.टी. अधीक्षक सूरत, विनोद जांगिड, राधेश्याम मांडण, प्रवीण शर्मा नीमच, रोहतक के लक्ष्मीनारायण जांगिड, समाज सेवी समालखा के राजेन्द्र शर्मा, महिला प्रकोष्ठ महाराष्ट्र की उप प्रधान हेमलता शर्मा और सन्तोष शर्मा, अहमदाबाद के सुरेंद्र शर्मा और बड़ोदा के मदनलाल जांगिड तथा जयपुर, सीकर हरियाणा, गोवा और महाराष्ट्र से पधारे विशिष्ट अतिथि शामिल हैं।

सांवरमल जांगिड – महामंत्री महासभा,
प्रवीण शर्मा – प्रवक्ता महासभा

प्रतिष्ठित उद्योगपति एवं भामाशाह- श्री रामपाल जी जांगिड

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के सम्माननीय भामाशाह एवं उद्योगपति श्री रामपाल जी जांगिड, बैंगलौर, मूल निवास- सोडवास गांव, अलवर, राजस्थान।

आप महासभा के सम्माननीय प्लेटिनम सदस्य है एवं वर्तमान महासभा कार्यकारिणी में दक्षिण भारत के ''प्रभारी'' पद पर कार्यरत है। साथ ही इस्कॉन मन्दिर के प्लेटिनम एवं श्री विश्वकर्मा मन्दिर बैंगलोर के आजीवन सदस्य एवं ट्रस्टी भी है। आपको कई संस्थानों द्वारा ''बेस्ट इन्टिरियर वर्क्स'' के अवार्ड से सम्मानित किया गया है। वर्तमान में आप अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के इन्टिरियर क्षेत्र में बहुत बड़े उद्योगपति के रूप में स्थापित है। रॉयल इन्टिरियर, कृष्णा इन्टिरियर, आर.के.पॉइन्ट, कृष्णा रिटेल, एन.आर.रिटेल एवं आर.के. प्लाजा नाम व्यापारिक प्रतिष्ठानों की श्रृंखला को संचालित कर रहे है।

आपने बेसहारा बच्चों को शिक्षित करने के उद्देश्य से गोरधन पाठशाला, बहरोड़ का प्रबन्धन एवं संचालन प्रारम्भ किया जिसमें सम्पूर्ण सुविधाएं निशुल्क है। सोडावास में कन्या विद्यालय का निर्माण करवाया। शिक्षा के साथ ही आपने समाजोत्थान के लिए भी करोड़ो रूपयों का योगदान देकर एक भामाशाह के रूप में समाज सेवा में संलग्न है। सामूहिक विवाह सम्मेलनो, सामाजिक, धार्मिक स्थलों, विश्वकर्मा मन्दिरों, जांगिड छात्रावासों, सभागार, मुख्यद्वार, सार्वजनिक स्थानों में बस स्टेण्ड, धर्मशाला, प्याऊ निर्माण एवं संचालन के साथ ही चिकित्सा शिविर एवं मानव कल्याण हेतु दिल से दान करते रहे है। आप राज्य स्तरीय भामाशाह पुरस्कार से भी सम्मानित है।

दिनांक 20 अगस्त 2018 को अपने सुपौत्र के जन्मोत्सव पर प्रधान श्री रविशंकर जी के समक्ष ऐतिहासिक घोषणा कर पूरे भारत में उदाहरण प्रस्तुत किया है। समाज हित में 5 करोड़(पांच करोड़) रूपये के योगदान करने की घोषणा कर महान भामाशाह बनने का ऐतिहासिक गौरव प्राप्त किया है।

आदरणीय श्री रामपाल जी जांगिड ने सम्माननीय समाज बंधुओं एवं अपने परिवार के सदस्यों से गहन विचार-विमर्श कर घोषित पांच करोड़ रूपयों को निम्न प्रकार से समाज हितार्थ खर्च करने का निर्णय लिया है।

1.25 करोड़ (एक करोड़ पच्चीस लाख) रूपये अ.भा.जां.ब्रा.महासभा, दिल्ली के प्रस्तावित भवन की पूरी एक फ्लोर (मंजिल) निर्माण के लिए दान देने की घोषणा की है। महासभा प्रधान श्री रविशंकर जी जांगिड एवं पूर्व प्रधान एवं प्रस्तावित महासभा भवन चेयरमेन श्री कैलाश जी बरनेला ने सर्वाधिक योगदान के लिए श्री रामपाल जी जांगिड को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए आभार व्यक्त किया।

शेष राशि 3.75 करोड़ (तीन करोड़ पिचहत्तर लाख) रूपये को एक संचालन समिति के माध्यम से मूल गांव सोडावास, अलवर में एक व्यावसायिक कॉम्पलेक्स तथा अतिथिगृह एवं सभागार का निर्माण करवाना है। उक्त व्यावसायिक कॉम्पलेक्स से प्राप्त वार्षिक आय को समाज के सर्वांगीण विकास हेतु व्यय करने की योजना निम्नानुसार है।

1. सर्व समाज कल्याण हितार्थ व्यय 2. अभाव ग्रस्त छात्र-छात्राओं, प्रतिभावन विद्यार्थियों, महिला कल्याण हेतु सहायता, आकस्मिक दुर्घटना में सहायता आदि आदि पर व्यय3. प्रतिवर्ष चिकित्सा शिविर(मेडिकल केम्प), रक्तदान शिविर का आयोजन करना। 4. बहरोड़ पाठशाला का उच्च स्तरीय विकास एवं संचालन करना। 5. कन्या पाठशाला सोडावास की समुचित सहायता करना। 6. मूल निवास सोडावास सार्वजनिक विकास हेतु आधारभूत सुविधाओं का प्रबंधन एवं आर्थिक योगदान करना। 7. अन्य जो भी संज्ञान में आये जन कल्याण के कार्य करना।

श्री रामपाल जी जांगिड के समर्पित समाज कल्याण, सेवा भावना एवं प्रेरणादायी व्यक्तितत्व के लिए अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली आपके उज्ज्वल भविष्य एवं मंगलमय स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं करते हुए हार्दिक बधाई एवं आभार व्यक्त करती है।

रमेशचन्द जांगिड 'सीदड़',

प्रवक्ता, अ.भा.जा.ब्रा.महासभा दिल्ली

हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष खुशीराम जांगिड बने।

जांगिड ब्राह्मण महासभा के अन्तर्गत हरियाणा प्रदेश के अध्यक्ष का चुनाव 15 जनवरी को शान्तिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुआ और इस चुनाव में रेवाड़ी के खुशी राम जांगिड को प्रदेश अध्यक्ष चुना गया है। हरियाणा प्रदेश के चुनाव बड़े ही सौहार्दपूर्ण माहौल में पारदर्शी तरीके से करवाए गए हैं इसके लिए सभी प्रदेशवासी भी बधाई के पात्र हैं।

नव निर्वाचित अध्यक्ष खुशीराम जांगिड को महामंत्री सांवरमल जांगिड नियुक्ति पत्र सौंपते हुए।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष खुशी राम जांगिड को बधाई देते हुए कहा है कि जिस प्रकार से हरियाणा प्रदेश के लोगों ने खुशी राम के नेतृत्व में विश्वास व्यक्त करते हुए उन्हें विजय श्री प्रदान की है, उससे समाज के प्रति इनका दायित्व और अधिक बढ़ गया है। चुनाव में हार जीत कोई मायने नहीं रखती है। अगर मायने रखता है तो उस नवनियुक्त अध्यक्ष का समाज के प्रति व्यवहार और शुद्ध आचरण और निष्पक्ष भाव से समाज के प्रति समर्पण भावना से काम करना। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि वह अपने दायित्व निर्वहन में सफल हो कर समाज की उन्नति का नया मार्ग प्रशस्त करेंगे।

प्रधान रामपाल शर्मा ने इस चुनाव प्रक्रिया से जुड़े हुए सभी महानुभावों का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि उन्होंने अपने दायित्व का निर्वहन भली भांति करते हुए चुनाव को पारदर्शी तरीके से प्रदेश में शान्तिपूर्ण तरीके से सम्पन्न करवाकर यह साबित कर दिया कि दृढ़ संकल्प और इच्छाशक्ति से सभी कार्य सिद्ध हो सकते हैं। उन्होंने इस चुनाव के प्रत्याशी सोहनलाल शर्मा, सुरेन्द्र जांगिड और अशोक शर्मा के व्यवहार की भी सराहना करते हुए कहा है कि समाज उत्थान के लिए भविष्य में भी उन सभी का सहयोग इसी प्रकार से मिलता रहेगा।

राज्य सभा सांसद रामचन्द्र जांगड़ा ने नव निर्वाचित अध्यक्ष खुशीराम जांगिड को बधाई देते हुए कहा कि इस चुनाव में जिस प्रकार से हरियाणा प्रदेश के सभी समाज बंधुओं ने उनमें आस्था व्यक्त करते हुए उन्हें प्रदेश के लोगों की सेवा करने का दायित्व सौंपा है उसमें वह निश्चित रूप से खरे उतरने का हर संभव प्रयास करेंगे। मुझे उम्मीद है कि नवनियुक्त अध्यक्ष चुनाव की आपसी कटुता को भूलाकर सभी सहयोगियों को एक साथ लेकर समाज में एकता का शंखनाद करते हुए समाज के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास करेंगे।

महामंत्री सांवरमल जांगिड ने भी हरियाणा प्रदेश के नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष खुशीराम जांगिड को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि इन चुनावों से समाज में एक सकारात्मक संदेश गया है और आशा व्यक्त की है कि समाज के उत्थान के लिए सभी मिलकर अपना सर्वोत्तम योगदान देने के साथ-साथ महासभा के साथ मिलकर काम करेंगे ताकि समाज अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो सके।

सम्पादक रामभगत शर्मा

सूरत में 2 जनवरी को आयोजित प्रदेशाध्यक्षो की तृतीय बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में सकारात्मक संदेश के साथ सम्पन्न हुई

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली के अंतर्गत कार्यरत प्रदेशाध्यक्षों की तृतीय त्रैमासिक मीटिंग 2 जनवरी को **'समता भवन, नवजीवन सर्किल, उधना – मगदला रोड'** सूरत गुजरात प्रदेश के डायमंड सीटी सूरत में रात्रि 9:15 बजे, महासभा प्रधान रामपाल शर्मा की अध्यक्षता में शुरू हुई और देर रात्रि तक चली और निम्नलिखित पदाधिकारियों ने इस मीटिंग की शोभा को द्विगुणित किया और इसमें शामिल होकर अपने बहुमूल्य सुझाव रखे। :---

1. महासभा प्रधान राम पाल शर्मा ।
2. महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला ।
3. महासभा के पूर्व प्रधान रवि शंकर शर्मा ।
4. अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमराराम जांगिड ।
5. प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान संजय हर्षवाल ।
6. प्रदेशाध्यक्ष मध्य प्रदेश प्रभु दयाल बरनेला ।
7. प्रदेशाध्यक्ष दिल्ली ओम प्रकाश जांगिड ।
8. प्रदेशाध्यक्ष महाराष्ट्र रोहिताश जांगिड ।
9. प्रदेशाध्यक्ष गुजरात कैलाश चंद शर्मा ।
10. प्रदेशाध्यक्ष कर्नाटक जगतराम भद्रेचा।
11. प्रदेशाध्यक्ष गोवा भंवर लाल सुथार ।
12. प्रदेशाध्यक्ष छत्तीसगढ़ सतीश जांगिड ।
13. महामंत्री हरियाणा वीरेंद्र जांगिड ।
14. कोर कमेटी सदस्य लीलूराम जांगिड ।
15. सदस्य उच्च स्तरीय कमेटी घनश्याम पंवार।
16. महासभा कोषाध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा ।
17. महामंत्री महासभा सांवरमल जांगिड ।
18. जिला अध्यक्ष नजफगढ़ दिल्ली हीरा लाल जांगिड ।

सर्वप्रथम महामंत्री सांवरमल जांगिड ने मीटिंग में उपस्थित सभी सम्माननीय प्रदेशाध्यक्षों एवं अन्य पदाधिकारियों को नववर्ष 2023 की शुभकामनाएं देते हुए सभी का अभिनंदन और स्वागत किया तथा प्रथम बार इस बैठक में उपस्थित नवनिर्वाचित दिल्ली प्रदेशाध्यक्ष ओम प्रकाश जांगिड, कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष जगतराम भद्रेचा एवं गोवा के प्रदेशाध्यक्ष भंवर लाल सुथार का सभी से परिचय करवाया और सभी प्रदेशाध्यक्षों ने भी नवागन्तुक प्रदेशाध्यक्षों को हार्दिक बधाई दी तत्पश्चात मीटिंग की विधिवत शुरुआत करते हुए एजेंडा के अनुसार मीटिंग प्रारम्भ की गयी जो निम्नानुसार हैं :-----

1. महासभा भवन निर्माण के लिए सभी प्रदेशों से आर्थिक सहायता जुटाने का लक्ष्य निर्धारित करने पर चर्चा :-

महामंत्री सांवरमल जांगिड ने बताया की आज की मीटिंग का मुख्य विषय, महासभा के ऐतिहासिक भवन, मुंडका के शेष निर्माण कार्य को अविलम्ब पूर्ण करके समाज को सौंपने के लिए भवन में बिजली फिटिंग, सेनेटरी पाईप, नल फिटिंग कार्य, फर्श पर टाइल लगाने तथा रंग-रोगन का शेष कार्य पूर्ण करने के लिए लगभग एक करोड़ रूपये से अधिक की आवश्यकता है और यह कार्य आप लोंगों के सतत् सहयोग और सहायता के बिना पूर्ण होना सम्भव नही है इस बिंदु पर सभी उपस्थित पदाधिकारियों के सुझाव आमंत्रित किये गए :-

1. इस महत्वपूर्ण विषय पर श्री संजय हर्षवाल प्रदेश अध्यक्ष ने सुझाव दिया कि महासभा कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों में उप प्रधान को 51000/- रुपए, संगठन मंत्री को 31000/-हजार रुपए तथा प्रचार मंत्री को 21000/ रूपये का अपने-अपने क्षेत्र में संग्रह करके महासभा में जमा करने का लक्ष्य निर्धारित किया जाना चाहिए
2. साथ ही उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि महासभा के सभी प्रदेश अध्यक्षों, उच्च स्तरीय कमेटी सदस्यों, कोर कमेटी सदस्यों तथा अनुशासनात्मक कमेटी के सदस्यों को महासभा का प्लेटिनम सदस्य

तो बनना चाहिए साथ ही सभी को एक-एक प्लेटिनम सदस्य अतिरिक्त बनाना चाहिए तथा यदि वो पहले से बने हुए है तो उन सभी को दो-दो अतिरिक्त प्लेटिनम सदस्य या चार-चार स्वर्ण सदस्य या आठ-आठ रजत सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया जाना चाहिए । जिसकी शुरुवात करते हुए श्री रोहिताश जांगिड प्रदेश अध्यक्ष महराष्ट्र, श्री कैलाश शर्मा प्रदेश अध्यक्ष गुजरात एवं श्री जगत राम भद्रेचा प्रदेश अध्यक्ष कर्नाटका स्वयं को महासभा का प्लेटिनम सदस्य बनने की घोषणा की।

3. श्री प्रभु दयाल बरनेला प्रदेश अध्यक्ष मध्य प्रदेश ने सुझाव दिया कि साथ ही मुंडका भवन के भूमितल एवं प्रथम तल की किराये पर देने की अविलम्ब कार्यवाही शुरू करनी चाहिए ताकि महासभा की स्थाई आय शुरू की जा सकें।
4. महासभा में वित्तीय ससाधन बढ़ाने हेतु श्री रोहिताश जांगिड प्रदेश अध्यक्ष महराष्ट्र ने एक और सुझाव दिया कि महासभा को भी राजस्थान प्रदेश सभा की तरह एक अलग बैंक में खाता खुलवा कर बारकोड के साथ समाज के भामाशाहों से आर्थिक सहायता करने हेतु सामाजिक मीटिंग / आयोजन में बड़े स्तर पर प्रचार-प्रसार करके तथा महासभा की मासिक पत्रिका में अपील करते हुए निवेदन करना चाहिए।
5. महामंत्री हरियाणा वीरेंद्र जांगिड एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष सतीश जांगिड ने महासभा से सदस्यता शुल्क में से 25 प्रतिशत राशी नही लेने की बात पुनः दोहराई तथा इसका समर्थन पूर्व महासभा प्रधान रवि शंकर ने भी किया और कहा कि इस राशि के बारे में पहले से ही तय किया हुआ है ।
6. महासभा के पूर्व प्रधान रवि शंकर शर्मा ने सुझाव दिया की महासभा के भवन निर्माण के लिए समाज के जिन-जिन भामाशाहों में दान राशी की घोषणा की हुई है है उनसे यह राशि अविलम्ब जमा करवाकर निर्माण कार्य में सहयोग करने के लिए प्रधान रामपाल शर्मा, महामंत्री और कोषाध्यक्ष द्वारा व्यक्तिगत रूप से निवेदन किया जाना चाहिए ।
7. महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश चंद बरनेला ने भी सुझाव दिया कि प्रत्येक प्रदेश के जिन-जिन भामाशाहों ने भवन निर्माण के लिए दान राशी की घोषणा की हुई है, महासभा के महामंत्री द्वारा उनकी सूची तैयार करके सभी प्रदेशाध्यक्षों को भी दे दी जाये ताकि वे भी अपने-अपने स्तर पर घोषित दान राशी जमा करवाने के लिए ऐसे सकारात्मक सोच के साथ प्रयास करें ।

इस मुद्दे पर सभी अध्यक्षों ने अनेकों सुझाव दिए जिन पर विस्तृत चर्चा करते हुए अंत में सभी उपस्थित पदाधिकारियों ने उपरोक्त सभी प्रस्तावों का एक मत से अनुमोदन किया और इसके साथ ही साथ सभी ने यह भी आश्वासन दिया कि इसके अतिरिक्त यदि महासभा उनके लिए भवन निर्माण के लिए अन्य कोई भी सहायता राशि का लक्ष्य निर्धारित करेंगी तो उसको भी वे अपनी पूर्ण निष्ठा के साथ पूर्ण करेंगे ।

2.) सभी प्रदेशों में कार्यरत इकाइयों का महासभा में रजिस्ट्रेशन तथा सभी इकाइयों के पदाधिकारियों के नाम एवं मोबाइल नम्बर भेजने बाबत चर्चा :--

महामंत्री सांवरमल जांगिड ने बताया की वर्तमान समय में महासभा के अधीन कुल 16 प्रदेश सभाएं तथा उनकी लगभग 150 जिला सभाएं एवं 600 तहसील या शाखा सभाएं कार्यरत है । परन्तु बड़े अफसोस की बात है कि 31 दिसंबर 2022 तक महासभा में सिर्फ 114 प्रदेश, जिला, तहसील एवं शाखा सभाएं रजिस्टर्ड है और इनमें से सर्वाधिक 54 सभाएं तो अकेले राजस्थान में ही है अतः यह बहुत ही चिंताजनक और विचारणीय विषय है। इस विषय पर महासभा में उच्य स्तरीय कमेटी के सदस्य घनश्याम शर्मा ने सभी प्रदेशाध्यक्षों से निवेदन किया कि अपने-अपने प्रदेश में कार्यरत सभी जिला सभाओं, तहसील सभाओं एवं शाखा सभाओं का महासभा में रजिस्ट्रेशन करवाना सुनिश्चित करें । इसके साथ ही कार्यरत सभाओं के अध्यक्ष

एवं उनके महामंत्री का नाम व मोबाइल नम्बर भी महासभा को प्रेषित करें। जिससे महासभा के अंतर्गत कार्यरत सभाओं के रिकार्ड का रख रखाव किया जा सके है। महासभा के पूर्व प्रधान रवि शंकर ने बताया कि पुरानी शाखाओं का नया रजिस्ट्रेशन ना करके सिर्फ नवीनीकरण ही किया जाना चाहिए ।

सभी उपस्थित प्रदेशाध्यक्षों ने कार्यरत सभी शाखाओं के रजिस्ट्रेशन कार्य को अतिशीघ्र पूर्ण करवाने तथा वांछित सूचना अविलम्ब भेजने का आश्वासन दिया ।

3.) **मतदाता सूची में सुधार के लिए सभी आवश्यक सूचनाएं महासभा को प्रेषित करने के बारे में चर्चा :-**

महामंत्री ने बताया की महासभा के द्वारा समय-समय पर सदस्यों की जो वोटर लिस्ट बनाई जाती है उसमें काफी विसंगतियां हैं जिनका निराकरण करने के लिए कुछ सूचनाएं प्रदेशों, जिलों, तहसीलों से प्राप्त होने पर ही किया जा सकता है जैसे :-

1. ऐसे सदस्य जिनकी मृत्यु हो गई है ।
2. ऐसे सदस्य जिनके पास दो या दो से अधिक सदस्यता है ।
3. ऐसी महिला सदस्य जिनकी शादी होने पर दूसरे शहर या राज्य में चली गयी हैं ।
4. ऐसे सदस्य जो किसी दूसरे राज्य में स्थाई रूप से शिफ्ट हो गये हैं ।
5. ऐसी महिला सदस्य जिन्होंने दूसरी जाति में विवाह कर लिया हैं ।

प्रदेश अध्यक्ष महराष्ट्र ने भी ऐसी ही कुछ समस्याएं उनके प्रदेश में भी होने के कारण महामंत्री द्वारा बताई गई उपरोक्त सूचनाओं की आवश्यकता को अति महत्वपूर्ण बताते हुए पुरजोर समर्थन किया और इसके साथ ही छतीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष ने भी अपने प्रदेश की मतदाता सूची में भी कई अशुद्धियों का उल्लेख करते हुए उनका समर्थन किया तत्पश्चात सभी उपस्थित प्रदेशाध्यक्षों ने मतदाता सूची में सुधार करने के लिए वांछित सूचना अविलम्ब भेजने का आश्वासन दिया ।

4.) **दानदाताओं को आयकर की धारा 80जी के अन्तर्गत छूट देने के लिए सभी इकाइयों का आय-व्यय विवरण महासभा को भेजने बाबत चर्चा :-**

सांवरमल जांगिड ने बताया कि यह विषय बहुत ही पुराना है, जिस पर प्रदेश अध्यक्षों की जयपुर मे सम्पन्न मीटिंग में 7 फरवरी 2022 को तथा कार्यकारिणी की 26 जून 2022 को मेरठ में हुई मीटिंग में बड़े विस्तारपूर्वक चर्चा हो चुकी है, परन्तु इस मामले में केवल राजस्थान ने शुरुआत की है। आयकर रिटर्न भरने की आखरी तारीख निकलने के बाद भी मध्य प्रदेश तथा छतीसगढ प्रदेशों को छोडकर किसी भी प्रदेश ने कोई भी प्रयास नही किया। अत: इस सम्बन्ध में एक बार पुन: सभी से निवेदन किया गया कि वे महासभा से सम्बन्धित सभी इकाइयों को अपने-अपने आय-व्यय का विवरण प्रदेश स्तर पर संकलित करके नियमित रूप से महासभा को प्रतिवर्ष 30 जून तक भिजवाया जाना सुनिश्चित करें जिससे महासभा के दानदाताओं को 80जी के अन्तर्गत आयकर में छूट देने के लिए समय पर आयकर रिटर्न भरी जा सके और इसके साथ ही आयकर विभाग की अनावश्यक पेनल्टी से भी बचा जा सके ।

इस विषय पर एक बार फिर सभी प्रदेश अध्यक्षों ने सभी इकाइयों के आय-व्यय का विवरण महासभा को समय पर भेजने का आश्वाशन दिया ।

5.) **महासभा की मासिक पत्रिका की प्रदेश अनुसार वास्तविक आवश्यक संख्या बताने पर चर्चा :-**

महामंत्री सांवरमल जांगिड ने कहा कि यह विषय भी काफी पुराना है इस बारे प्रदेश अध्यक्षों की जयपुर में 7 फरवरी 2022 को सम्पन्न हुई मीटिंग में भी इस मुद्दे पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई थी परन्तु बड़े ही खेद के साथ कहना पड़ रहा है की आज तक किसी भी प्रदेश अध्यक्ष ने महासभा की मासिक पत्रिका के सम्बन्ध में कोई भी ठोस सूचना नही भेजी है। इसके कारण महासभा को अनावश्यक रूप से पत्रिका प्रिंट करने

से आर्थिक नुकसान हो रहा हैं । जिसे कम करने के लिए आपसे एक बार पुनः निवेदन है कि आप अपने-अपने प्रदेश में वांछित पत्रिका की वास्तविक संख्या के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाएं ताकि उसके अनुरूप ही कार्यवाही की जा सके ।

इस विषय पर एक बार फिर सभी प्रदेश अध्यक्षों ने अपने-अपने प्रदेशों की वांछित पत्रिका की संख्या महासभा को शीघ्र ही भेजने का आश्वाशन दिया ।

6.) **अन्य विषय प्रधान जी की अनुमति से** -

(1) पिछले काफी समय से सोशल मिडिया के विभिन्न ग्रुपों में अजमेर के मुकेश कुमार द्वारा महासभा की फरवरी 2022 की मासिक पत्रिका के प्रिंट करवाने, सदस्यों को नही भेजने एवं कबाड़ी को बेचने के बारे में जो निराधार, बेबुनियाद और मनघडन्त आरोप लगाते हुए एक निर्धारित षड्यंत्र के तहत कई मेसेज, फोटो एवं ऑडियो व वीडियो वायरल किये जा रहे हैं और इन सभी तथ्यों पर सभी उपस्थित महानुभावों ने अपने-अपने विचार रखते हुए सुझाव दिए और अंत में महासभा के पूर्व प्रधान रवि शंकर शर्मा ने कहा चूँकि यह मामला राजस्थान से शुरू होकर वायरल हो रहा है इसलिए इस सम्पूर्ण मुद्दे की तहकीकात करने एवं पटाक्षेप करने की जिम्मेदारी प्रदेश अध्यक्ष संजय हर्षवाल को सौंप दी जाए और इस निर्णय का सभी ने एक स्वर में ध्वनिमत से स्वागत किया ।

(2) इसके साथ ही सभी ने एक मत से यह भी निर्णय लिया कि महासभा भवन में 24 नवंबर 2022 को अभद्रता करने वाले अजमेर के निवासी ओमप्रकाश भारद्वाज, अनिल जांगिड - कराड एवं हरिओम विश्वकर्मा दिल्ली तथा मेरठ के जे.पी. सिंह के खिलाफ महासभा संविधान के अन्तर्गत सख्त कार्यवाही करते हुए आजीवन सदस्यता बर्खास्त करके थाने में FIR भी करवानी चाहिए।

मीटिंग के अंत में महामंत्री द्वारा उपस्थित सभी प्रदेश अध्यक्षों, उच्य स्तरीय कमेटी एवं कोर कमेटी सदस्यों तथा महासभा के अन्य पदाधिकारियों का मीटिंग में अपना अमूल्य समय निकालकर भाग लेने एवं महत्वपूर्ण सुझाव एवं सलाह देने के लिए आभार एवं धन्यवाद करते हुए प्रधान जी की अनुमति से भगवान श्री विश्वकर्मा जी के जयकारे के साथ मीटिंग समाप्ति की घोषणा की गई ।

महामंत्री सांवरमल जांगिड

वधु चाहिए

1. Wanted a suitable match for a Jangid Brahmin boy, D.O.B. 05.11.1992, Height 5’9”, Birth place- Meerut (UP), Education -B.Tech, MBA,Job-Private, Gotra : Kaloniya, Ransiwal, Vashisth, Present Address- Lucknow, (UP), Contact- 6394740576, 9454969269

महासभा स्थापना के गौरवपूर्ण 115 वर्ष पूर्ण होने पर अन्त:करण से बधाई

सांसद रामचन्द्र जांगड़ा

किसी महासभा की स्थापना और उसके उद्देश्य का इतिहास अपने भूतकाल में अनेक विस्मृतियों को समाहित किए हुए होता है और इसकी स्थापना के समय सहज रूप से ही कठिनाइयों और परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसा ही गौरवपूर्ण इतिहास अपने गर्भ में छिपाए हुए है महासभा का 115 वर्षो का गौरवपूर्ण इतिहास और इसकी स्थापना की परिकल्पना। मैं महासभा के उन महापुरुषों को नमन करता हूं जिनकी त्याग तपस्या और साधना के कारण ही महासभा 115 वर्षो के कार्यकाल में सभी ने मिलकर इस महायज्ञ में अपनी आहुति डाली है। वास्तव में यह समय जांगिड समाज के उत्थान एवं विकास की परिकल्पना करने वाले महानुभावों के लिए एक संघर्ष का समय था और कुन्दन अग्नि में तप कर ही सोना बनता है। इसमें कोई भी सन्देह नहीं है।

क्या आप उस समय की परिकल्पना कर सकते हैं जिस समय इस देश में न परिवहन के साधन उपलब्ध थे और न ही लोगों की आर्थिक स्थिति इतनी बेहतर थी, उस समय कोई तपस्वी और साधु प्रवृत्ति का समाज सुधारक समाज के लिए सरकारी नौकरी छोड़ कर समाज सेवा को ही अपना मिशन बना लेता है और यह उक्ति वास्तव में चरितार्थ करके दिखलाई समाज के उत्थान की उज्ज्वल अभिलाषा को अपने मन में आत्मसात किए हुए गुरुदेव जय कृष्ण मणिठिया ने, जिनको महासभा की स्थापना के लिए प्रथम प्रेरक का सम्मान दिया गया है। इस समय हम आज से लगभग 125 वर्ष पीछे मुड़कर देखते हैं तो समाज के उत्थान की परिकल्पना शून्य नजर आती है। लेकिन मैं आभार व्यक्त करना चाहता हूँ समाज के उन महापुरुषों और उन चितेरों का जिन्होंने समाज सुधार की परिकल्पना में रंगों को भरना शुरू किया और उनकी इस योजना को मूर्त रूप लेना शुरू हुआ सन् 1900 में जिस समय पंजाब के ठेकेदार पाला राम जांगिड उस समय डाक्टर इन्द्रमणी शर्मा से लखनऊ मिलने गए और इसके साथ ही महान समाज सुधारक अंगिरा कुलभूषण ऋषि गुरुदेव जय कृष्ण मणीठिया और डॉ डालचंद शर्मा ने भी मिलकर अथक परिश्रम और पुरुषार्थ तथा प्रयास किया जिसका परिणाम आज सब लोगों के सामने है।

जांगिड ब्राह्मण महासभा की स्थापना सन् 1907 में हुई थी और इस महासभा रुपी महायज्ञ में अपनी आहुति डालने तथा सहभागिता सुनिश्चित करने वाले महानुभावों का मैं हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ और इसके साथ ही मैं उन सभी की भी मुक्त कंठ से प्रशंसा करता हुँ कि ऐसी विकट परिस्थितियों में समाज को एक सूत्र में जोड़ने का ख्याल कैसे उनके मस्तिष्क में कौंधने लगा और ऐसा विचार कहां से आया। जिस समय मनुष्य को जीवन यापन करने के लिए दो टाईम की रोटी कमा पाना दुष्कर था उस समय उनकी इस सदाशयता और उदारता के लिए यह समाज सदैव ही उनका ऋणी रहेगा।

महासभा की स्थापना के बाद प्रथम अधिवेशन सन् 1909 में पटिकरा नारनौल में आयोजित किया गया जिसमें गुरु देव जय कृष्ण मणिठिया को इस अधिवेशन में मन्त्री बनाया गया और उसके पश्चात अनेक अधिवेशनों में वह प्रधान बने और उनके मार्गदर्शन में सन् 1947 तक महासभा के सम्पूर्ण कार्य निर्बाध गति से गतिमान रहे और वास्तव में यह समय जांगिड समाज के लिए एक स्वर्णिम युग था । इस समय शाखा सभाओं का विस्तार, संगठन का प्रसार, जातीय श्रेष्ठता की स्थापना की लड़ाई, सामाजिक साहित्य की खोज व प्रकाशन, न्यायायिक लड़ाई, सामाजिक प्रतिष्ठानों का निर्माण एवं अधिवेशनों की व्यवस्था इत्यादि ऐसे महत्वपूर्ण कार्य उनके मार्गदर्शन में समपन्न किए गए।

गुरुदेव जय कृष्ण मणिठिया के प्रयासों का यह फल था कि 4 अप्रैल 1919 को सरकार से महासभा का रजिस्ट्रेशन करवाया गया। गुरुदेव पंडित जयकिशन मणिठिया के कार्यकाल में महासभा के कुल 19 अधिवेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुए और देश के कोने-कोने में संगठन की शाखाएं और प्रांतों में संपन्न समारोह से समाज में आशातीत एकता बनी। महासभा के बीच में हिंडौन राजस्थान के अधिवेशन में समाज ने गुरुदेव जय कृष्ण मणिठिया को गुरुदेव की उपाधि देकर सम्मानित और अलंकृत किया। वह जांगिड समाज की एक ऐसी महान विभूति थी

जिन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय में केस दायर करके इस जांगिड समाज को ब्राह्मणत्व का दर्जा दिलवाया और उनके दिखाए गए रास्ते पर चलते हुए ही उसके आलोक में आज तक यह समाज निरन्तर प्रगति की और अग्रसर है।

अंगिरा कुलभूषण और क्रान्तिकारी विचारों के संवाहक गुरुदेव जयकृष्ण मणिठिया की तपोस्थली बांकनेर दिल्ली रहा है। उनका जन्म भाद्रपद कृष्ण पक्ष की जन्माष्टमी के पावन अवसर पर सन 1877 में बांकनेर ग्राम दिल्ली में हुआ इसीलिए उनका नाम भगवान श्री कृष्ण के नाम पर ही 'जय कृष्ण' पड़ा। उन्होंने 10वीं कक्षा पास करके पहले रेल विभाग में और फिर डाक विभाग में नौकरी की लेकिन उनका जन्म तो समाज की सेवा में समर्पण से कार्य करने के लिए हुआ था और निस्वार्थ भाव से समाज सेवा करते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। समाज सेवा में गुरूदेव जी की बचपन से ही अधिक अभिरुचि होने के कारण उन्होंने सरकारी नौकरी छोड़कर फोटोग्राफी को अपनी आजीविका का साधन बना कर तन-मन-धन से समाज के प्रति समर्पण की भावना से कार्य करने लगे और उनके द्वारा समाज हित में एकता की अलख जगाने के साथ-साथ उन्होंने समाज सुधार का जो मूलमंत्र दिया और उनके द्वारा समाज सुधार के जो उत्कृष्ट कार्य किए गए उन पर आज चिंतन करने की जरूरत है।

उन्होंने शिल्पकर्म को यज्ञकर्म कायम करने के लिए सन् 1926 में अखिल भारतीय विश्वकर्मा सम्मेलन की अध्यक्षता की और उसके पश्चात सन् 1932 में बनारस, गोरखपुर आदि के सम्मेलनों की अध्यक्षता कर सन् 1940 में अखिल भारतीय विश्वकर्मा बोर्ड की स्थापना की। उनकी समाज के प्रति इसी उदात्त समर्पण की भावना को देखते हुए ही उनको हिण्डोन में महासभा के 20वें अधिवेशन में समाज ने श्री मणीठिया को गुरुदेव की उपाधि देकर सम्मानित किया। सन् 1929 में सुन्दर देवी के दान से प्राप्त हवेली जो कि दिल्ली के चाँदनी चौक के हैदरकुली गली में स्थित है, में महासभा का कार्यालय स्थापित किया जहाँ से आज भी जांगिड पत्रिका का प्रकाशन हो रहा है।

गुरुदेव ने जहां भगवान विश्वकर्मा के साहित्य का सृजन किया वहीं विभिन्न शास्त्रार्थ और न्यायिक लड़ाई जो उन्होंने अपने समाज के लिए लड़ी उन्हें प्रमाण संग्रह नामक दो खण्डों में प्रकाशित किया। जांगिड समाज के 18 गौत्रकार ऋषि व 1444 शासन की अमूल्य धरोहर को खोज कर गौत्रावली का भी प्रकाशन किया। ढोल की पोल, भीमसेन शर्मा से दो बातें, भगवान विश्वकर्मा देव की कथा, विश्वकर्मा कुलदीपक, विश्वकर्मा धर्म पत्रिका आदि आपकी प्रमुख रचनाएं हैं। महासभा की तरफ रुझान बढ़ने पर गुरुदेव ने-गागर में सागर, महासभा की रूपरेखा आदि साहित्य का सृजन किया। ज्योतिष शास्त्र, तकनीकी ज्ञान, बिजली की मशीन, शिल्पज्ञान के साथ उन्होंने ईश्वरोपासना नामक पुस्तक भी लिखी। दिल्ली की अदालत का जो फैसला समाज हित में आया था उसको भी प्रकाशित करवाया गया ताकि समाज के लोग ब्राह्मणत्व के बारे में वास्तविकता के साथ-साथ सच्चाई को जान सकें। जांगिड समाज को ब्राह्मणत्व का स्थान दिलवाने लिए गुरुदेव ने अनेक शास्त्रार्थ किए जिसमें अनेक प्रकांड पंडितों और विद्वानों को हराकर विजय प्राप्त की।

गुरुदेव जी का एक और अनुकरणीय अनूठा प्रयास यह रहा कि सन् 1921 में जिस समय देश की जनगणना हो रही थी उस समय पहली बार सरकारी रिकार्ड में जांगिड ब्राह्मण शब्द लिखवाने वाले तथा पंजाब जोधपुर जयपुर पटियाला में तथा बीकानेर, जींद आदि रियासतों में सरकारी रिकार्ड में जांगिड ब्राह्मण शब्द लिखने के आदेश निकलवाने वाले गुरुदेव ही थे। इसी प्रकार पटौदी में हरिसिंह जांगिड के जनेऊ पहनने पर जिलेदार को आपत्ति होने पर उस पर मुकदमा कर उसे माफी मांगने पर मजबूर किया और जांगिड ब्राह्मण समाज को जनेऊ पहनने का अधिकार दिलवा कर इस समाज को कृतार्थ किया।

इसलिए आज हमें महासभा की स्थापना के 115 वर्ष पूरे होने पर यह संकल्प लेना चाहिए कि जिन महापुरुषों ने अपने तप और त्याग से इस महासभा को यहां तक पहुंचाया है उनके प्रयासों को जो समाज के लोग अपने स्वार्थ के कारण निष्फल करना चाहते हैं उनको करारा जवाब दिया जाए ताकि हम सभी मिलकर समाज के उन महापुरुषों के सपनो को साकार कर सकें। आज हमें मिलकर यह प्रतिज्ञा करनी होगी कि जो कार्य गुरुदेव जी अधूरे छोड़ गए हैं उनको पूरा करें और यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी और तभी उनके अधूरे सपनों को पूरा किया जा सकेगा और तभी महासभा का स्थापना दिवस मनाया जाना सार्थक होगा।

जिला अलवर का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

प्रधान रामपाल शर्मा, जिलासभा अलवर के प्रधान रतन लाल जांगिड का स्वागत करते हुए।

गोवर्धन जांगिड कल्याण ट्रस्ट के सौजन्य से 3.75 करोड़ रूपये की लागत से नवनिर्मित रॉयल चैंबर सोडावास में 22 जनवरी को अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के अन्तर्गत जिला अलवर की नवगठित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा, राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष संजय हर्षवाल और अलवर के जिला अध्यक्ष रतनलाल जांगिड के साथ समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने राष्ट्रीय ध्वज फहराने के उपरांत, दीप प्रज्ज्वलित करके भगवान श्री विश्वकर्मा की आरती और पूजा अर्चना की गई।

समारोह को संबोधित करते हुए महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि युवा हमारे देश का उज्ज्वल भविष्य हैं और एक देश की प्रगति और विकास इस बात पर निर्भर करता है कि उस देश का युवा कितना ऊर्जावान और दक्ष है। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में शिक्षा ही एक मात्र ऐसा मूल मंत्र है जिसके माध्यम से प्रगति के नए आयाम स्थापित किए जा सकते हैं। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे प्रतिस्पर्धा के इस युग में संस्कारों को आत्मसात करते हुए अपने जीवन को सार्थक बनाने का स्तुत्य प्रयास करें।

प्रधान रामपाल शर्मा, जिला अलवर की कार्यकारिणी को 22 जनवरी को शपथ दिलाते हुए

रामपाल शर्मा ने कहा कि युवा पीढ़ी हमारे समाज की रीढ़ की हड्डी हैं और आगे चलकर इन्होंने ही देश की बागडोर संभालनी है इसलिए युवाओं के बिना समाज और देश के विकास की परिकल्पना भी नहीं की जा सकती है तथा युवाओं के बिना समाज भी अधूरा है। उन्होंने कहा कि समाज की युवा पीढ़ी को उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए महासभा द्वारा सार्थक कदम उठाए जा रहे हैं जिसके परिणाम शीघ्र ही समाज के सामने आ जायेंगे। उन्होंने कहा कि मुण्डका में महासभा के द्वारा बनाए जा रहे भवन में समाज के आर्थिक रूप से कमजोर और मेधावी छात्रों को उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए रहने की बेहतर व्यवस्था करने के साथ- साथ प्रतिभावान युवाओं द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए भी उचित व्यवस्था की जायेगी।

उन्होंने कहा कि आज जिस बिल्डिंग में अलवर जिला सभा का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया है। इसका निर्माण श्री गोवर्धन जांगिड कल्याण ट्रस्ट द्वारा लगभग पौने चार करोड़ रुपए की लागत से किया गया है और यह ट्रस्ट आप सभी के आशीर्वाद से मेरे परिवार के सदस्यों ने पूज्य पिता गोवर्धन जांगिड जी की स्मृति में बनाई है। उन्होंने कहा कि मेरे परिवार की हार्दिक इच्छा है कि इस नव निर्मित इमारत में एक सरकारी अस्पताल खोला जाए ताकि आस-पास के गरीब लोगों को इलाज की बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकें और मानवता के कल्याण का इससे बड़ा कोई धर्म नही हो और सकता है।

प्रधान रामपाल शर्मा और महामंत्री सांवरमल जांगिड द्वारा अलवर जिला सभा के पदाधिकारियों को जिनमें संरक्षक सदस्यों, जिला अध्यक्ष रतनलाल जांगिड, कार्यकारी अध्यक्ष रमेश कुमार शर्मा, महामंत्री सत्य प्रकाश जांगिड कोषाध्यक्ष हनुमान प्रसाद जांगिड, मुख्य चुनाव अधिकारी दयानंद जांगिड बानसूर, उपाध्यक्ष संगठन मंत्री और प्रचार मंत्री सहित कार्यकारिणी के सदस्यों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष संजय हर्षवाल ने कहा कि आज समाज में प्रधान रामपाल शर्मा ने एकता की जो अलख जगा रखी है उसके बड़े सार्थक परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने समाज में एकता का शंखनाद करते हुए कहा कि एकता में सबसे बड़ी ताकत है और इस एकता की ताकत के सहारे ही यह समाज प्रगति के नए आयाम स्थापित कर सकता है।

जिला अध्यक्ष रतनलाल जांगिड ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं के सशक्तिकरण और उनके उत्थान के लिए अलग-अलग योजनाएं बनाकर उनको अलवर जिला में लागू किया जाएगा। महिलाएं आज प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति के नए आयाम स्थापित कर रही है और अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा कर सफलता का परचम लहरा रही हैं। इसलिए महिलाओं की महासभा में उचित भागीदारी सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर शिरोमणी सभा हरिद्वार के चेयरमैन लीलूराम जांगिड, महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड, महासभा के कोषाध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा, सह कोषाध्यक्ष गजेन्द्र जांगिड, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी महेश जांगिड, हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष खुशी राम जांगिड, उच्च स्तरीय कमेटी के सदस्य गजानंद जांगिड, वरिष्ठ उपप्रधान अशोक कुमार जांगिड, उप प्रधान ओमप्रकाश जांगिड, विश्वकर्मा मंदिर दिल्ली के अध्यक्ष गंगा दीन जांगिड, महासभा के पूर्व महामंत्री चंद्रपाल भारद्वाज, महासभा के संरक्षक नीमराना के पूर्णचंद जांगिड, पूर्व जिला अध्यक्ष मदनलाल जांगिड़, स्टेट ओबीसी कोरडीनेटर राजस्थान सरकार रोहतास जांगिड, राजस्थान युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष नवीन कुमार जांगिड, तहसील अध्यक्ष रमेश चंद जांगिड, धारुहेड़ा के अध्यक्ष ज्ञानचंद जांगिड, बहरोड़ तहसील के अध्यक्ष रमेश चंद जांगिड भी उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम का शानदार मंच संचालन चंद्रपाल भारद्वाज तथा मक्खन लाल जांगिड़ ने किया।

सम्पादक रामभगत शर्मा

पत्रिका के लिए लेख भेजने का अनुरोध

सम्पादक रामभगत शर्मा

नववर्ष की सूर्य की पहली किरण के साथ ही आपका जीवन खुशियों से जाज्वलयमान और प्रकाशमान हो और नव वर्ष के दौरान जीवन के लिए निर्धारित लक्ष्य हासिल करने के साथ-साथ आपकी प्रतिष्ठा में चहुंमुखी अभिवृद्धि हो। इसके साथ ही सर्वेश्वर परमात्मा भगवान की अनुकम्पा आप पर और आपके परिवार पर सदैव ही इसी प्रकार बनी रहें और आपको जीवन में सुख समृद्धि और सफलता हासिल हो ऐसी मेरी मनस्कामना है।

इसके साथ ही समाज की जांगिड पत्रिका जो अपने प्रकाशन के 116 वें वर्ष में प्रवेश कर गई है और इस लम्बी यात्रा को सुगम बनाने में अनेक समाज के प्रबुद्ध लेखकों, कवियों तथा समाज हितेषी बंन्धुओ ने अपने लेख, प्रतिभाएं, विज्ञापन और कार्यक्रमों के बारे में समुचित जानकारी उपलब्ध करवा कर इस पत्रिका को समृद्ध और पाठकों के लिए रुचिकर बनाने में भरपूर सहयोग दिया है। इसके लिए मैं आप सभी का हृदय के अन्त:करण की गहराइयों से आभार व्यक्त करता हूं।

अत: मेरा आप सभी से सादर निवेदन है कि इस महायज्ञ में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए समाज उपयोगी आलेख, शिक्षाप्रद कहानियां और कविताएं तथा समाज की विभूतियां और वैवाहिक विज्ञापन तथा अपने प्रतिष्ठान के विज्ञापन भेज कर अनुग्रहित करें। आपका सहयोग हमारा उत्साह वर्धन करेगा। जिस प्रकार से आपने इस पत्रिका को लोकप्रिय बनाने में अपना भरपूर स्नेह और आशीर्वाद दिया है और आशा है कि वह भविष्य में भी इसी प्रकार मिलता रहेगा। आपका विपुल धन्यवाद।

सांसद रामचन्द्र जांगड़ा का इन्दौर में किया गया भावभीना स्वागत और अभिनन्दन

राज्य सभा सांसद समाज रत्न रामचन्द्र जांगड़ा ने जांगिड समाज को भरोसा दिलाया कि मध्यप्रदेश में जांगिड समाज को पिछड़ा वर्ग की सूची में शामिल करने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को इस बारे में पत्र लिखने के साथ ही उनसे मिलकर भी इस विषय में बात की जायेगी ताकि जांगिड समाज की चिर प्रतिक्षित मांग को पूरा किया जा सके ।

राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने यह उदगार 19 जनवरी को मध्यप्रदेश जागिड ब्राह्मण सभा द्वारा इन्दौर में उनके सम्मान में समाज द्वारा आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जांगिड समाज के लोग प्राचीन काल से ही निरंतर अपने शिल्प और अदभूत कला कौशल के लिए विश्वविख्यात रहे हैं और सृष्टिकर्ता भगवान विश्वकर्मा की सन्तान होने के कारण ही इन्होंने अपनी कल्पना के माध्यम से ऐसे अनेकों अनमोल कार्य किए हैं जिसके कारण इस देश की प्रगति संभव हुई है। इन कार्यो में चाहे वह यांत्रिक हो या कलात्मक इसके अनेकों उदाहरण पौराणिक कथाओं और शास्त्रों में उल्लिखित हैं। उन्होंने समाज के लोगों □का आह्वान किया कि आज उनको अपने कला कौशल में समयानुसार व आधुनिकता की सोच के अनुरूप ही सभी अपेक्षित परिवर्तन करने चाहिए ताकि यह समाज विकास में भागीदार बन सकें और समय के साथ आगे बढ़ सकें।

इंदौर समाज की सदाशयता और उदारता की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि जैसा सहयोग और चेतना तथा मानवता की भावना यहां इस समाज के लोगों में में देखने को मिली वैसे ही ऐसी भावना पूरे देश में परिलक्षित होनी चाहिए। इंदौर शहर देश का सबसे स्वच्छ, साफ तथा सुन्दर शहर भी है और इसका प्रमुख कारण आप लोगों की जागरूकता है। समाज बंधुओं को संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि अपने समाज की संख्या बल को बढ़ाने के साथ-साथ सारे विश्वकर्मावंशी समाज के लोगों को जोड़ने की आपके द्वारा जो पहल की गई है उसके सार्थक परिणाम सामने आएंगे। उन्होंने आह्वान किया कि जब तक इस समाज का संख्या बल दिखाई नहीं देगा, तब तक हमारी राजनीति में पहचान बन पाना एक दुष्कर कार्य है। युवाओं की वकालत करते हुए उन्होंने कहा कि जो समाज के युवा राजनीति के क्षेत्र में आगे आना चाहते हैं उन युवाओं की हम सभी को मिलकर भरपूर मदद करनी चाहिए।

सांसद ने कहा कि वर्तमान में प्रजातंत्र प्रणाली की इस व्यवस्था में संख्या बल वाला समाज ही एक अग्रणीय समाज बनता है और वह समाज अपना महत्व भी रखता है। राजनीति में केवल हेड काउंट होते हैं और इस बारे में हमें गम्भीरता से विचार करना होगा। शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि पूरे देश में समाज को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाना होगा और जो परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है उनकी मदद करनी होगी ताकि शिक्षा के माध्यम से समाज का विकास हो सके। माननीय प्रधानमंत्री एवं मुख्य मंत्री द्वारा देश हित में अनेक जनहितकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं और इन योजनाओं को समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक पहुंचाने की जरूरत है और आज प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में भारत दुनिया में सबसे अधिक शक्तिशाली देश बन रहा है।

जांगिड समाज की समस्याओं और इस समाज को पिछड़ा वर्ग में शामिल करने की मांग का उल्लेख करते हुए उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस बारे में वह मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री से सम्पर्क करके इस समस्या के निराकरण करवाने का हर संभव प्रयास करेंगे और उन्हें विश्वास है कि माननीय मुख्यमंत्री जी इस विषय पर गम्भीरता से विचार करते हुए सकारात्मक सोच के साथ ही इस समस्या का समाधान अवश्य ही करेंगे। जिस प्रकार से भारी संख्या में उपस्थित होकर आप लोगों ने मेरा जो स्वागत और सत्कार किया उसके लिए मैं आप सभी का, तहेदिल से बहुत-बहुत धन्यवाद और आभार व्यक्त करता हूं।

उत्तराखंड से राज्य सभा सांसद डॉ कल्पना सैनी जो, सांसद महोदय के साथ आई थी ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि मैं भी पिछड़ा वर्ग से सम्बन्ध रखती हूं और मैं पिछड़े वर्ग की सभी समस्याओं से भली-भांति अवगत हूं और उन्होंने आश्वासन दिया कि आपने यहां पर समाज की समस्याओं से मुझे जो अवगत करवाया है आपकी समस्याओं को उचित मंच पर हमारे लोकप्रिय सांसद रामचन्द्र जांगड़ा के साथ मिलकर उठाया जाएगा और जांगिड ब्राह्मण समाज को मध्यप्रदेश में पिछड़ा वर्ग की सूची में शामिल करवाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे और राज्य सरकार को इसके बारे में पूरी पैरवी की जायेगी।

जिला परिषद सदस्य बजरंग लाल जांगिड ने कहा कि राजनीति के क्षेत्र में जांगिड समाज बहुत अधिक पिछड़ा हुआ है और इसके निराकरण के लिए सभी के द्वारा हमेशा ही जांगिड उपनाम के रूप में जांगिड शब्द का प्रयोग किया जाना चाहिए ताकि इस समाज को भी राजनीति के क्षेत्र में विशेष में पहचान मिल सके।

प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला ने सांसद रामचन्द्र जांगड़ा से अनुरोध किया कि राज्य सरकार से सिफारिश की जाए ताकि जांगिड ब्राह्मण समाज के आराध्य देव सृष्टि रचयिता भगवान श्री विश्वकर्मा के नाम पर भोपाल और इंदौर में भव्य प्रतिमा स्थापित करने के साथ-साथ सर्किल चौराहा, औधौगिक क्षेत्र, शैक्षणिक संस्थाओं के नाम □भी भगवान श्री विश्वकर्मा जी के नाम पर रखें जाएं और इसके साथ ही भगवान श्री विश्वकर्मा जी का 17 सितंबर को होने वाले पूजा दिवस को भी बड़े ही धूमधाम के साथ ही मनाया जाए। उन्होंने सांसद महोदय से गुजारिश की है कि उसी दिन पूरे विश्व के सृष्टिकर्ता और निर्माता भगवान विश्वकर्मा के नाम पर एक विशेष ट्रेन चलाई जानी चाहिए और संयोगवश इसी दिन माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिन भी है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के विश्वकर्मा समाज के लोगों को सांसद महोदय के मार्गदर्शन की जरूरत है और आपके इस स्नेह और आशीर्वाद को इन्दौरवासी कभी भी भुला नहीं पाएंगें और मध्यप्रदेश सभा की और से आप सबका पुनः बहुत-बहुत हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।

प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल जांगिड़ ने सभी अतिथियों एवं समाज बंधुओं का स्वागत सत्कार करते हुए कहा कि आपके आगमन से समाज अपने आप को गदगद महसूस कर रहा है तथा खुशी की लहर दौड़ रही है। उन्होंने जांगिड ब्राह्मण समाज को मध्यप्रदेश की अन्य पिछड़ा वर्ग की सूची में शामिल करने के बारे में उल्लेख करते हुए सांसद महोदय को बताया कि समाज पिछले एक दशक से इस बारे में प्रयासरत हैं और अनेकों बार राजनेताओं एवं सम्बन्धित प्रशासनिक अधिकारियों से इस बारे में निवेदन कर चुके हैं लेकिन आज तक कोई सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आए हैं और शासन द्वारा आज तक जांगिड़ ब्राह्मण समाज को पिछड़ा वर्ग की

सूची में शामिल करने के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया गया नहीं लिया गया है। उन्होंने रहस्योद्घाटन किया कि वर्तमान में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा समाज के विभिन्न वर्गों को साधने के लिए संत, महापुरुषों की प्रतिभाओं को विशेष स्थानों पर स्थापित किया जा रहा है और इसके तहत ओंकारेश्वर में आदि गुरु शंकराचार्य की 108 फीट ऊंची प्रतिमा लगाने का काम तेजी से चल रहा है। इसी प्रकार खरगोन में रावेरखेडी में बाजीराव पेशवा की प्रतिमा लगाई जा रही है और इसके साथ ही विभिन्न चौराहों का नामकरण भी महापुरुषों के नाम से रखा जा रहा है। जिनमें पोस्ट ऑफिस चौराहे को गुरुनानक देव चौराहा, औरंगपुर चौराहे को सरदार वल्लभभाई पटेल चौराहा, बावड़ी बस स्टैंड को महाराणा प्रताप चौक, और राधावल्लभ मार्केट चौक को भगवान परशुराम चौक का नाम दिया गया है। इसी प्रकार खंडवा में टैगोर पार्क के पास महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापित की गई। परंतु विडंबना यह है कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा जांगिड ब्राह्मण समाज के लगभग 10-12 लाख लोग इस प्रदेश में रहते हैं और सरकार द्वारा उन कोई भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

महासभा की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती मधु शर्मा ने अपने स्वागत भाषण से अतिथियों का भावभीना स्वागत और सत्कार करते हुए कहा कि आज इस समाज का परम सौभाग्य है कि समाज रत्न और समाज के लोगों की पीड़ा को समझने वाले सांसद महोदय ने इस समाज का आथित्य स्वीकार करके हमें उपकृत किया है। उन्होंने प्रभु दयाल बरनेला की प्रशंसा करते हुए पधारे हुए समाज बन्धुओं एवं मातृशक्ति का आभार व्यक्त किया।

इससे पूर्व सासंद राम चन्द्र जांगडा और उत्तराखंड की सासंद डॉ कल्पना सैनी का मध्यप्रदेश जांगिड ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला और जांगिड ब्राह्मण समाज पंचायत तोपखाना के अध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा मंडावाले के नेतृत्व में समाज द्वारा अतिथियों स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया और श्रीफल और पुष्प माला पहनाकर कर साफा, स्मृति चिह्न एवं सम्मान स्वरूप तलवार भेंट की गई।

समारोह का श्रीगणेश भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना करने के साथ ही किया गया, अतिथियों के साथ भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना करने वालों में कमलेश जांगिड, अश्विनी जांगिड और सुरेन्द्र जांगिड भी शामिल थे और मेहमानों को ढोल नगाड़ों के साथ उन पर पुष्प वर्षा भी की गई और उनको सम्मान के साथ मंच पर बैठाया गया और इसके साथ ही पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल दैमण, मंदिर अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा मंडावाले, महिला प्रकोष्ठ कि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मधु-सत्यनारायण शर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष कपिल शर्मा, जिला परिषद सदस्य सीकर बजरंग लाल जांगिड, महिला प्रकोष्ठ मध्यप्रदेश की अध्यक्ष श्रीमती गीता कडवानिया, राजसिंह राय को भी मंचासीन करवाया गया।

मंच का सफल संचालन हेमन्त पड़वा व महेंद्र पंवार द्वारा किया गया।

सम्पादक रामभगत शर्मा

महासभा स्थापना दिवस, नि:शुल्क नेत्र जांच और शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

महाराष्ट्र के खामगांव जिला बुलढाणा में महासभा का 116वां स्थापना दिवस मनाने के साथ इस दिवस की महत्ता को सार्थक सिद्ध करने के लिए नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन करने के साथ-साथ शपथ ग्रहण समारोह का भी आयोजन किया गया।

महाराष्ट्र के खामगांव जिला बुलढाणा में 25 दिसंबर को महासभा का स्थापना दिवस मनाया गया और नि:शुल्क नेत्र जाँच कैम्प का आयोजन किया। इसका विधिवत उद्घाटन श्रीमती रेखादेवी टी.जांगिड के शुभ करकमलों द्वारा किया गया और इस नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर में खामगांव के 42 लोगों के नेत्रों की नि:शुल्क जाँच की गई और इसके साथ ही सायं 4 बजे खामगांव तहसील सभा की कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण का आयोजन भी किया गया। इस प्रकार एक ही दिन में तीन कार्यक्रमों का सफल आयोजन करके यह सिद्ध कर दिया कि दृढ़ संकल्प और इच्छाशक्ति हो तो कोई भी कार्य दुष्कर नहीं है।

इस शपथ ग्रहण समारोह के मुख्य अतिथि महाराष्ट्र के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष चम्पालाल बुलढाणा थे। उन्होंने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि 115 वर्ष पूर्व महासभा का गठन करके समाज में जागृति का शंखनाद किया गया और समाज के उन पुरोधाओं ने जो महासभा रुपी पौधा लगाया था उसकी खुशबू से सारे समाज में जागृति और चेतना का शंखनाद हुआ है। उन्होंने कहा कि महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा और महामंत्री सांवरमल जांगिड की टीम ने जिस तरह से समाज को आगे बढ़ाने का काम किया है उसके भविष्य में बड़े ही सकारात्मक परिणाम समाज के सामने आ सकते हैं।

इस अवसर पर महाराष्ट्र प्रदेश सभा के पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद जांगिड चिखली, महासभा के उप प्रधान जयन्त जांगिड चिखली, सांवरमल जांगिड, महासभा के संगठन मंत्री श्री गोपाल, जिला अध्यक्ष पूर्णमल बुलढाणा, पूर्व उप प्रधान राधेश्याम जांगिड और परमेश्वर जांगिड, सेवा संघ के अध्यक्ष मनोहर, तहसील् अध्यक्ष जयप्रकाश सहित अनेक महानुभावों ने इस समारोह की शोभा में अभिवृद्धि करने का काम किया और कार्यक्रम का सफल संचालन रोहित जांगिड ने किया।

समारोह का श्रीगणेश सर्वप्रथम भगवान विश्वकर्माजी का पूजन करके अतिथिदेवो भव: की उदात्त भावना का परिचय देते हुए सभी का मान-सम्मान और सत्कार किया गया। तत्पश्चात शिविर के प्रकल्प प्रमुख विजय कुमार द्वारा इस पुनीत अवसर पर शिविर के उद्देश्य का विस्तार पूर्वक उल्लेख करने के साथ-साथ तहसील सभा द्वारा किए गए कार्यो का भी विस्तारपूर्वक विवरण दिया गया।

उन्होंने खामगांव तहसील सभा के द्वारा जरूरतमंद समाज बंधुओ के लिए नि:शुल्क मोतियाबिंद

ऑपरेशन कराने का तहसील सभा का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए कहा कि आंख मनुष्य के जीवन में हजार नियामत हैं और आंखों की खोई हुई रोशनी को लौटा कर भगवान के समान इन डाक्टरों को महान् पुण्य का भागी होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। साथ ही समाज सेवा स्वरूप प्रत्येक ऑपरेशन शुल्क की पूरी जिम्मेदारी लेते हुए 23 ऑपरेशन के लिए समाज बंधुओ ने खुले दिल से अपने नाम लिखवा दिए और सारा खर्च उदारमना भाव से वहन करने की स्वीकृति प्रदान कर दी।

इन भामाशाहो का भंडार सदा भरा रहे जिन्होंने समाज की 23 आँखों को रोशनी देने की भावना से अभिप्रेरित होकर स्वेच्छा से आगे आकर नाम लिखाया। इसके साथ ही विजय कुमार ने खामगांव तहसील सभा के आगामी प्रोजेक्ट मेडिकल शिविर व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए भी समाज बंधुओ से सहमति मांगी है और सभी ने करतल ध्वनि से समर्थन देने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर नवगठित तहसील सभा की कार्यकारिणी को जयंत जी चिखली द्वारा शपथ दिलाई गई। तहसील सभा अध्यक्ष जयप्रकाश जांगिड, उपाध्यक्ष कु.प्रेरणा, सचिव-सत्यनारायण, कोषाध्यक्ष-सुभाष, सह सचिव-जयकांत, सह कोषाध्यक्ष-मेहुल जांगिड, संगठनमंत्री गणेश और नवीन, मंत्री अजय, नरेश, विक्रम, रोहित को बनाया गया है ।

कार्यकारिणी के सभी उपस्थित सदस्यों को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया और कार्यकारी जिलाध्यक्ष शंकर नंदुरा द्वारा सभी के धन्यवाद के साथ समारोह का समापन किया गया।

इसी प्रकार महासभा का स्थापना दिवस ऐतिहासिक नगरी अजमेर में भी 27 दिसंबर को मनाया गया। महासभा की उत्पत्ति के बारे में उल्लेख करते हुए कहा गया कि 27 दिसम्बर 1907 को राजस्थान की धार्मिक एवं ऐतिहासिक नगरी अजमेर की पावन धरा पर जागिड वंश योग सभा का गठन हुआ जो आगे चलकर अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के नाम से विशाल संगठन के रूप में आज भी प्रचलित है जो समाज का संगठन है।

महासभा के स्वर्णिम 115 वर्ष पूरे होने पर समस्त जांगिड ब्राह्मण समाज को हार्दिक बधाइयां एवं शुभकामनाएं। आज हम महासभा का 116 वां स्थापना दिवस समारोह मना रहे है और आज महासभा की 115 वीं वर्षगांठ है। अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के वर्तमान प्रधान रामपाल शर्मा एव महामंत्री सांवरमल जांगिड के मार्गदर्शन में जिला भरतपुर में 116 वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। जिला सभा के संरक्षक सदस्य हजारी लाल शर्मा ने इस समरोह को सफल बनाने के लिए सार्थक सुझाव दिये गए।

समारोह के मुख्य अतिथि शिक्षाविद खेमराज जांगिड एवं अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सोहन लाल शर्मा जिला अध्यक्ष भरतपुर ने की। महर्षि अंगिरा जी के चित्र पर माल्यार्पण कर पूजा, अर्चना एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात, महासभा के उप प्रधान पन्ना लाल जांगिड द्वारा महासभा के इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि संगठन ही समाज की ताकत है और संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

मुख्य अतिथि खेमराज जांगिड करौली ने अपने उद्बोधन में महासभा के अतीत पर प्रकाश डाला और संगठन पर विशेष बल दिया। शिक्षाविद भगवान सिह ने भी समाज संगठन के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। समाज के जाने माने कवि पूरनचंद शर्मा ने कवितामयी मधुर वाणी में 'जांगिड' शब्द के बारे में प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में महासभा के संगठन मंत्री देवकी नंदन शर्मा, जिला सभा के पदाधिकारी एवं समाज बंधु प्रभुदयाल जांगिड, कपूर चंद शर्मा, सुरेश चंद शर्मा, डा. मुरारी लाल शर्मा जांगिड की उपस्थिति सराहनीय रही।

महामंत्री
सांवरमल जांगिड

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री रामपाल शर्मा जी, (बैंगलोर)
1. कुल घोषित राशि 1.25 करोड
2. अब तक जमा राशि
   A स्वयं द्वारा 11+5+5=21 लाख
   B श्रीमती कृष्णा जी पत्नी 35 लाख
   C श्री दीपक जी पुत्र 10.21 लाख
   D श्री अमित जी पुत्र 10.21 लाख
   E श्री जगमोहन जी पुत्र 10.21 लाख
3. कुल जमा राशि =86.63 लाख
4. कुल देय राशि =38.37 लाख

श्री कैलाश चन्द्र बरनेला जी, (इन्दौर)
पूर्व प्रधान महासभा
91,00,000/-

श्रीमती कृष्णा देवी शर्मा जी
(पत्नी श्री रामपाल शर्मा जी) बेंगलुरू
35,00,000/- कुल घोषित राशि 1.25 करोड का हिस्सा

श्री भंवर लाल जी कुलरिया
मुम्बई,
31,00,000/-

श्री एकलिंग जांगिड़ जी, सूरत महासभा भवन में लगने वाले सम्पूर्ण ग्रेनाइट आपकी ओर से देने की घोषणा की।

श्री मीता राम जांगिड जी,
मै.सुमित वुड वर्क्स लि.(मुम्बई)
21,00,000/-

प्रमुख स्तंभ समाजसेवी
श्री रमेशचन्द शर्मा सरपंच जी एवं
श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा जी, दिल्ली
11,51000/-

श्री रविशंकर शर्मा जी, (जयपुर),
पूर्व प्रधान महासभा
11,00,000/-

श्री ओम प्रकाश जांगिड जी
(सीकर, राजस्थान),
11,00,000/-

श्री लक्ष्मण जी जांगिड
(मुम्बई)
11,00,000/-

श्री लीलूराम शर्मा जी
चेयरमैन, जां.ब्रा.शिरोमणी सभा, दिल्ली
11,00,000/-

श्री गिरधारी लाल जांगिड जी
(मुम्बई)
11,00,000/-

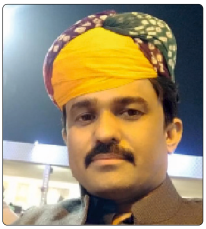

श्री नवीन जी
(जयपुर)
11,00,000/-

श्री सीताराम शर्मा जी,
(बैंगलोर)
11,00,000/-

श्री दीपक शर्मा जी
(सुपुत्र श्री रामपाल शर्मा जी)
बेंगलुरू 10,21,000/- कुल घोषित राशि 1.25 करोड का

श्री अमित शर्मा जी
(सुपुत्र श्री रामपाल शर्मा जी)
बेंगलुरू 10,21,000/- कुल घोषित राशि 1.25 करोड का हिस्सा

श्री जगमोहन शर्मा जी
(सुपुत्र श्री रामपाल शर्मा जी)
बेंगलुरू 10,21,000/- कुल घोषित राशि 1.25 करोड का हिस्सा

श्री अमरा राम जांगिड जी
दुबई, अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष महासभा, 5,51,000/-

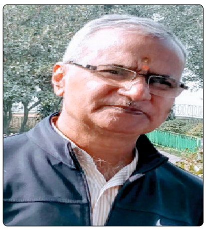

श्री भंवरलाल गुगरिया जी
(बेंगलुरू)
5,51,000/-

श्री मधुसूदन आमेरिया,
(जयपुर)
5,11,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री पी.एल.शास्त्री जी, माईक्रोमेक्स क0, (गुड़गांव), 5,05,551/-

श्री गिरधारी लाल जांगिड जी (बेंगलुरू)
501,000/-

श्री सुरेन्द्र शर्मा जी, (अहमदाबाद)
5,00,111/-

श्री राजेन्द्र शर्मा जी (मै.राज.कोचबिल्डर्स,धार)
5,00,000/-

श्री पूनाराम जांगिड जी, (जोधपुर)
5,00,000/-

श्री श्रीगोपाल चोयल जी एवं श्री आर.एस.चोयल जी श्री महादेव चोयल (जांगिड) चेरिटेबल ट्रस्ट, अजमेर
5,00000/-

श्री सुरेन्द्र कुमार वत्स जी (पूर्व कोषाध्यक्ष, महासभा) एवं श्री दिनेश कुमार वत्स जी, (दिल्ली)
5,00000/-

श्री कांति प्रसाद जांगिड जी (टाईगर) (दिल्ली)
5,00,000/-

श्री प्रभुदयाल शर्मा (वाराणसी)
5,00,000/-

श्री सुनील कुमार शर्मा जी, (चित्तौडगढ)
5,00,000/-

श्री प्रमोद जांगिड, श्री रकेश जांगिड, दिनेश जांगिड एवं रेखा जांगिड, सम्मिलित रूप से सूरत गुजरात
5,00,000/-

श्री रमेश शर्मा
5,00,000/-
बेंगलुरू

श्रीमती उर्मीला जांगिड पत्नी श्री लक्ष्मीनारायण जी गुरूग्राम=1,51,000+1,11,111 =2,62,111

श्री सोमदत्त शर्मा जी नांगलोई पूर्व कोषाध्यक्ष महासभा, दिल्ली
2,52,151/-

श्री सीताराम शर्मा जी (पूर्व जिला प्रमुख, करौली), दिल्ली 2,51,151/-

श्री महेन्द्र कुमार जांगिड जी, (धारूहेड़ा)
2,51,000/-

श्री रामअवतार जांगिड जी, (जयपुर)
2,51,000/-

श्री बनवारी लाल शर्मा जी (सीकर)
2,51,000/-

श्री सुभाष जी (बोरवेल वाले) (जयपुर)
2,51,000/-

श्री महेन्द्र शर्मा जी, (मुम्बई),
2,51,000/-

श्री मनीलाल जांगिड जी (मुम्बई),
2,51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री सतीश शर्मा जी (नदबई), 2,51,000/-

श्री पूरनचन्द शर्मा, दिल्ली (प्रधान शिरोमणी सभा) 2,51,000/-

सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्री प्रकाश शर्मा, दिल्ली 2,51,000/-

श्री बाबूलाल शर्मा जी (बेंगलुरू) 2,51,000/-

श्री इंदरचंद चांदराम जांगिड जी, मुम्बई 2,51,000/-

श्री रवि जांगिड जी (बेंगलुरू) 2,51,000/-

श्री नरेश चन्द्र शर्मा जी (बेंगलुरू) 2,51,000/-

श्री अशोक जांगड (नजफगढ़, दिल्ली) 2,51,000/-

श्री किशनलाल शर्मा जी, (रोहिणी, दिल्ली) 2,51,000/-

श्री शंकर लाल धनेरवा जी, (जयपुर) 2,51,000/-

श्री सुभाषचंद्र जांगिड जी (भाईदर(ईस्ट),ठाणे,महाराष्ट्र) 2,51,000/-

श्री रामकरण शर्मा जी (फरीदाबाद) 2,51,000/-

श्री टेकचन्द शर्मा, फरीदाबाद (हरि.) 2,51,000/-

श्री प्रहलादराय जांगिड जी (नांदेड) 2,50,000/-

श्री प्रभुदयाल शर्मा जी देवास, (मध्य प्रदेश) 2,50,000/-

श्री संजय शर्मा जी, (जयपुर) 2,00,000/-

श्री जगन्नाथ जांगिड, बावल (हरि.) 1,72,000/-

श्री योगिन्द्र शर्मा जी आई पी एक्सटेंशन-अध्यक्ष पूर्वी दिल्ली जिलासभा 1,53,000/-

श्री शिव चन्द्र जी, अटेली मण्डी, नारनौल, महेन्द्रगढ 1,51,555/-

श्री देवी सिंह जी ठेकेदार -करावल नगर-उपाध्यक्ष अ.भा.जा.ब्रा.महासभा 1,51,111/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री जवाहरलाल जांगिड जी, उज्जैन (मध्य प्रदेश) 1,51,000/-

श्री राम पाल शर्मा जी यमुना विहार-उपाध्यक्ष पूर्वी दिल्ली जिलासभा 1,51,000/-

श्री जीवनराम जांगिड जी (नागपुर) 1,51,000/-
(महासभा भवन में एक कमरे के लिए योगदान)

श्री श्रीकृष्ण जांगडा जी,रानी खेड़ा, दिल्ली 1,51,000/-

श्री हरिराम जांगिड जी थाने, मुम्बई 1,51,000/-

श्री जयसिंह जांगडा जी (रिटायर्ड जज)गुरूग्राम 1,51,000/-

श्री विजय प्रकाश शर्मा जी (द्वारका, दिल्ली) 1,51,000/-

स्व.चांद कौर धर्मपत्नी स्व.श्री नाहनाराम जांगडा जी की स्मृति में एक कमरे के लिए 1,51,000/- का योगदान डॉ.शेरसिंह जांगडा प्र.अ.हरियाणा एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ.शील जांगडा द्वारा प्रदान किया गया

श्री बाबू लाल शर्मा जी, (इन्दौर, मध्य प्रदेश) 1,51,000/-

श्री किरताराम छड़िया जी बेंगलूरू 1,51,000/-

श्री वीरेन्द्र शर्मा जी (शामली) 1,51,000/-

श्री ओमप्रकाश शर्मा जी (जी.ओ.जी.मार्बल जयपुर) 1,51,000/-

श्रीमती ब्रहमो देवी धर्मपत्नी श्री नाथूराम जी शर्मा, दिल्ली 1,51,000/-

श्री कृष्ण कुमार शर्मा जी द्वारका, दिल्ली 1,51,000/-

श्री सत्यनारायण शर्मा जी पैरामाउंट इंजीनियर्स,गुरूग्राम 1,51,000/-

श्री मोहन लाल जांगिड जी प्रदेश अध्यक्ष(गुजरात) 1,51,000/-

श्री चंद्राप्रकाश जी गुरूदत्त शर्मा जी (गांधीधाम) 1,51,000/-

श्री अनिल एस.जांगिड जी (पूर्व महामंत्री महासभा)गुरूग्राम 1,51,000/-

श्री हरीराम जांगडा जी ग्राम कासन 1,51,000/-

श्री राजेन्द्र जांगिड जी पटेल नगर, गुड़गांव 1,51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री कृष्ण अवतार जांगिड जी
ग्राम कासन
1,51,000/-

श्री पन्ना लाल जांगिड जी
ग्राम कासन
1,51,000/-

मास्टर जगदीश चंद्र जागिड,
श्री ज्ञानचंद जांगिड, ग्राम-कासन
1,51,000/-

श्री हरीश जी
नरेश जी दम्मीवाल
(जोधपुर) 1,51,000/-

श्री उमाकांत जी
धानेरा
1,51,000/-

श्री किशोर कुमार जांगडा जी
बहादुरगढ
1,51,000/-

श्री वेद प्रकाश आर्य
सवाई माधोपुर
1,51,000/-

श्री सत्यनारायण शर्मा
फूतली वाले, सागरपुर,दिल्ली
1,51,000/-

श्रीमती दयावंती धर्मपत्नी
श्री रामकिशन शर्मा,(डीसीपी)
द्वारका,दिल्ली 1,51,000/-

श्री बी.सी.शर्मा
जयपुर
1,51,000/-

डॉ. मोतीलाल जांगिड
(वैशाली, जयपुर)
1,51,000/-

श्रीमती शारदा देवी
W/o श्री महेन्द्र सिंह जांगिड,
धारूहेड़ा (हरि.)
1,51,000/-

श्रीमती गीता देवी,
W/o श्री खुशीराम जांगिड,
धारूहेड़ा (हरि.)
1,51,000/-

श्री देवेन्द्र गौतम,
नवादा उत्तम नगर
(दिल्ली) 1,51,000/-

श्री द्वारका प्रसाद शर्मा
(वापी, गुजरात)
1,51,000/-

श्री तेजस लुंजा जी
बेंगलूरू
1,50,000/-

श्री सत्यपाल वत्स जी,
(बहादुरगढ़)
1,21,251/-

श्री उम्मेद सिंह डेरोलिया
जी,(बहादुरगढ़)
1,21,251/-

श्री राजू जांगडा सुपुत्र
श्री ईश्वर सिंह ठेकेदार(नजफगढ़,
दिल्ली)-1,21,000/-

इंजि. जय इन्द्र शर्मा जी,
(कुरथल)विज्ञान लोक,दिल्ली
1,11,121/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

डॉ. शेरसिंह जी जांगिड
गुड़गांव,(प्र.अ.हरि.)
1,11,111/-

श्री रमेश कुमार जी,
(सोनीपत, हरि.)
1,11,111/-

श्री वीरेन्द्र आर्य जी
(रोहतक)
1,11,111/-

श्री संजीव कुमार जी,
(रोहतक)
1,11,111/-

श्री फूलकुमार जी जांगडा,
(सोनीपत)
1,11,111/-

श्री प्रहलाद सहाय शर्मा,
बुल्ड़ाणा (महा.)
1,11,100/-

श्री रघुवीर सिंह आर्य जी
शामली, (उत्तर प्रदेश)
1,11,000/-

श्री नाथूलाल जांगिड जी एवं
श्री हरिशंकर जांगिड जी,
(जयपुर) 1,11,000/-

श्री सुरेंद्र जांगिड जी,
(दिल्ली)
1,11,000/-

श्री प्रवीण जांगडा जी,
(द्वारका, दिल्ली)
1,11,000/-

श्री श्रीचन्द शर्मा जी,
मुल्तान नगर (दिल्ली)
1,11,000/-

श्री अमर सिंह जांगिड जी,
(मुम्बई)
1,11,000/-

श्री बनवारी लाल जांगिड,
(त्रिनगर, दिल्ली)
1,11,000/-

श्री कृष्ण कुमार बिजेनिया जी
(ग्राम ककरौला, दिल्ली)
1,11,000/-

श्री नानूराम जांगिड
(धुलिया महाराष्ट्र)
1,11,000/-

श्री ओम नारायण शर्मा
जी, साहिबाबाद,
(पूर्व संपादक जांगिड
ब्राह्मण) 1,02,251

श्री ईश्वर दत्त
जांगिड जी
(रोहतक)
1,02,000/-

श्री राजेन्द्र शर्मा जी,
समालखा(पानीपत)
1,01,111/-

श्री बृजमोहन जांगिड
जी
(नागपुर)
1,01,101/-

श्री गिरधारी लाल
जांगिड जी (नागपुर)
1,01,101/-

श्री सुनील कुमार जांगिड जी
(खोडा कालोनी-सुप्रसिद्ध समाजसेवी)
1,01,101/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री अतरसिंह काला जी (नांगलोई, दिल्ली) 1,01,101/-

सीए अनिल कुमार शर्मा जी, आई.पी.एक्सटेंशन, दिल्ली) 1,01,101/-

श्री किशन लाल जांगिड जी जयपुर, 1,01,000/-

श्री आर.पी.सिंह जांगिड जी श्याम विहार-प्रभारी प्रादेशिक सभा दिल्ली 1,01,000/-

श्री राजबीर सिंह जी आर्य कोंडली-उपाध्यक्ष पूर्वी दिल्ली जिलासभा 1,01,000/-

श्री हरिपाल शर्मा जी फालना 1,01,000/-

श्री चन्द्रपाल भारद्वाज जी ज्योति कॉलोनी-पूर्व महामंत्री अ.भा.जां.ब्रा.महासभा 1,01,000/-

श्रीमती स्नेहलता जांगिड जी सोनीपत 1,01,000/-

श्री रमेश शर्मा जी, (मै.कमल प्रिंटर्स) दिल्ली 1,01,000/-

श्री दीपक कुमार शर्मा जी ज्योति कालोनी-सह सचिव पूर्वी दिल्ली जिलासभा 1,01,000/-

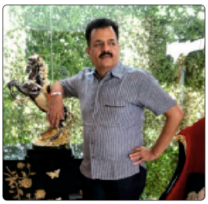
श्री अशोक कमार शर्मा जी, (औरंगाबाद) 1,01,000/-

श्री बंशीधर जांगिड जी, गोरेगांव, (मुम्बई) 1,01,000/-

श्री इन्दरराम तेजाराम जांगिड जी, (मुम्बई) 1,01,000/-

श्री गंगादीन जांगिड (दिल्ली) 1,01000/-

श्री रमेश चन्द शर्मा जी (प्रदेशाध्यक्ष-उत्तराखण्ड) 1,01,000/-

श्री जगदीश चन्दर जांगिड जी (सोनीपत) 1,01,000/-

श्री सत्यनारायण शर्मा जी (नांगलोई, दिल्ली) 1,01,000/-

श्री प्रमोद कुमार जांगिड जी (बड़ौत, उ.प्र.) 1,01,000/-

श्री पुरूषोत्तम लाल शर्मा जी (जयपुर,) 1,01,000/-

श्री सत्य नारायण जांगिड, मन्दसौर (म.प्र.) 1,01,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्रीमती विमला देवी किंजा,
श्रीमती रामेश्वरी देवी कालोया,
श्री विश्वकर्मा महिला संकीर्तन मंडल,
रामगंज, अजमेर एवं कार्यकारिणी 1,00,121/-

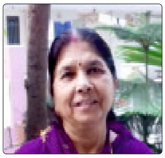
श्रीमती सुमित्रा देवी जी
ओमप्रकाश शर्मा जी(पूर्व उपप्रधान)
महासभा 1,00,111/-

श्री ब्रह्मानन्द शर्मा जी
सागरपुर दिल्ली,
1,00,001/-

श्री ललित जड़वाल जी
(अजमेर)
1,00,000/-

श्री चंपा लाल शर्मा जी
(बुलढाणा)
1,01,100/-

श्री विजय शर्मा जी
(ताबड़ू)
1,00,000/-

डॉ. ओ.पी. शर्मा जी
(दिल्ली)
1,00,000/-

श्री ओम प्रकाश जांगिड जी
(हिसार)
1,00,000/-

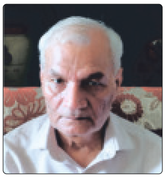
श्री मंगलसैन जी शर्मा
(बड़ौत, उत्तर प्रदेश)
1,00,000/-

श्री सूरजमल जांगिड जी,
(हिंगोली)
1,00,000/-

श्री नानूराम जांगिड जी (हिंगोली)
1,00,000/-

प. गंगा राम जांगिड जी (जयपुर)
1,00,000/-

श्री रमेश चंद शर्मा जी,
(इंदौर)
1,00,000/-

श्री पुखराज जांगिड जी
(सिकन्दराबाद)
1,00,000/-

श्री राजतिलक जांगिड जी (गुड़गांव)
1,00,000/-

श्री बाबूलाल शर्मा जी
(अहमदाबाद)
1,00,000/-

श्री नेमीचन्द जांगिड जी
(सिकन्दराबाद)
1,00,000/-

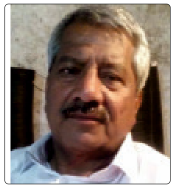
श्री सोमदत्त जांगिड जी
(नांगलोई, दिल्ली)
1,00,000/-

श्री प्यारे लाल शर्मा जी,
(छतीसगढ़)
1,00,000/-

श्री विद्यासागर जांगिड जी
(गुड़गांव)
1,00,000/-

श्री बजरंग शर्मा,
दुर्ग (छत्तीसगढ़)
1,00,000/-

कैप्टन श्री हेमराज जी
कोटपूतली
76000/-

श्री लीलाराम शर्मा
आर.आर.एन्टरप्राइजेज,
बहारोड़, 71,000/-

श्री सत्यनारायण जांगिड
इंदौर
51000/-

श्री सांवरमल जांगिड
(महामंत्री, महासभा, दिल्ली)
51,000/-

श्रीमती मधु शर्मा,
(अध्यक्षा महिला प्रकोष्ठ, महासभा)
51,000/-

जिला सभा रायपुर, 1,00,000/-

शोक सन्देश

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि श्री राम मेहर पुत्र जोत राम (पलडी वाले) निवासी 1218/20 कि शंकर गार्डन बहादुरगढ, हरियाणा, संरक्षक सदस्य WP-19156, का दिनांक 22/12/2022 को 83 वर्ष की आयु मे स्वर्गवास हो गया।

आप मृदुभाषी, मिलनसार, हंसमुख, कर्तव्यनिष्ठ, सामाजिक एवं धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। आप अपने पीछे पुत्र, पुत्रियां, पौत्र एवं नाति-नातियों सहित भरा पूरा एवं सुखी सम्पन्न परिवार छोड गये है।

दिनांक को 01/01/2023 को पगड़ी रस्म के अवसर पर सगे-संबंधियों, परिवारजनों एवं समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने आपको भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर आपके परिवारजनों ने 3100 रुपए महासभा को दानस्वरूप भेट किये।

महासभा उनकी आत्मा की शांति प्राप्ति हेतु परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करती है।

ॐ शांति,शांति,शांति

रामेश्वर दास
संगठन मंत्री,महासभा
बहादुरगढ़,हरियाणा

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया है कि श्री लादूराम जी कासलीवाल पुत्र स्व. श्री रामाकिसन जी कासलीवाल उम्र करीब 86 वर्ष, निवासी पांचोता, नागौर, राजस्थान, का देहान्त दिनांक 26.12.2022 को हो गया। जिनकी तिया की बैठक दिनांक 29.12.2022 को उनके निवास स्थान पर रखी गई।

आप मिलनसार, मृदुभाषी, कर्त्तव्यनिष्ठ, परीश्रमी, समय के पाबंद, सामाजिक एवं धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। आप अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़कर गये है।

दिनांक 06.01.2023 को पगड़ी रस्म पर परिवारजनो, सगे-सम्बंधी तथा जांगिड समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थित होकर भावभीनी श्रद्धाजंलि अर्पित की।

इस अवसर पर परिवारजनों ने महासभा को 500 रूपये दानस्वरूप भेंट किये।

महासभा उनकी आत्मा की शांति प्राप्ति हेतु परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करती है।

ॐ शांति,शांति,शांति

हरिराम जांगिड
पूर्व तहसील अध्यक्ष,
नावां शहर, नागौर

BHARAT WHEEL

Manufacturer of Rims for Tractor,
Motor Vehicle, Earthmoving Machine.

Our valued customers

VECTRA MANITOU GROUP JCB ESCORTS

Bharat Wheel Private Limited
Muzaffarnagar Road, Shamli - 247776, UP, India
Email : info@bharatwheel.com
www.bharatwheel.com

SHARMA
Group of companies

FULFILLING DREAMS.

LATE SHREE
KANHAIYALAL SHARMA
(CHOYAL)

FOUNDER

HYUNDAI

AUTHORISED HYUNDAI DEALER
SHARMA HYUNDAI
Since 1998

Ashram Road Call : 9099978327	**Satellite** Call : 9099978334
Parimal Garden Call : 9099978328	**Naroda** Call : 9099938777

TOYOTA

Authorised Toyota Dealer : **NARMADA TOYOTA**
VADODARA : 9099916601 I ANAND : 9099916631/32

earth0919

MORRIS GARAGES
Since 1924

Authorised MG Dealer :
Kayakalp Cars Pvt. Ltd.
Zorba Complex, Akshar chowk, OP Road, Vadodara.
Ph : 6358800230/31

हार्दिक शुभकामनाओं सहित.......

ओम प्रकाश जांगिड (गोठड़ा तगेलान, सीकर वाले)
प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश सभा, दिल्ली

OMKARA
TRANSPORT PVT. LTD.

The Professional Carriers with Personal Care

Website : www.omkaratransport.com Email- accounts@omkaratransport.com

Head Office: 660, Sanjay Enclave, Opp. G.T.K. Depot., G.T. Karnal Road, Delhi-110033
Ph. (91-11) 27639241,27639341,27630041,27634841,27633841,Fax.27632841,27634841

ANKLESHWAR : Plot No. 432, Asian Paint Chowkdi, Near New Deep Chemical, GIDC–Ankleshwer
Mr. Kailash Jangid 02646-220276, 220797,9376011451, 9426740247

BHIWANDI : BGTA Compound, Opp.Maratha Punjab Hotel, Anjur Phata, Bhiwandi
Mr. Naresh 9320253841

CHANDIGARH : Plot No.-5 Sec-26 Transport Area, Chandigarh
Mr. Santosh 0172-3079441, 5006099, 9356606683, 9357899555

DELHI : AG-468, Sanjay Gandhi Transport Nagar, Delhi – 110042
Mr.Rajender Prasad 9311610041

FARIDABAD : 17/6 Mathura Road, Sarpanch Colony, Faridabad
Mr. Mahaveer Singh 0129-2227534, 9313058799, 9312582741

GANDHIDHAM : 105,Varindavan Complex, Nr. BMCB, Sector-9A, Plot No-20, Gandhidham-Kutch-370201, Mr.Rudramani Sharma 02836-239531,9099674577,9375674577

GURGAON : Naharpur Road, Nr. Anaj Mandi Chowk, Gurgaon
Mr. Gauri Shankar 0124-4031626, 9312403872, 9350584403

VAPI : 15-163A, Near Saiyad paper Mill, Jay shree Chamber 2nd Phase,
GIDC Vapi-396195 Mr. Sonu Singh 0260-3264022, 9377926191

PANT NAGAR : MIG-495 Awas Vikas, Opp:Himshikhar property, Rudrapur-Udhamsingh Nagar
Mr.Trilok Singh 9358865110

PUNE : Supreme House,149B, Transport Nagar, Sec-23, Pradhi Karan, Nigdi PUNE-410044, Mr. Subhash 020-27655987, 9371014573, 932665378

BHIWADI : G-464, Phase-1,Rico Industrial Area, Bhiwadi-301019
Mr. Ratan Singh 01493-223567, 224667, 9214021567, 9549821567

MUMBAI : 105,Sterling Chamber, Pune Street, Mumbai-400009
Mr.Ashok 022-32968650, 022-32968651, 022-23748845, 9321697083

OMKARA CAR ACCESORIES

SIKAR (RAJASTHAN)

Total Page-64
Posted at: L.P.C. DELHI R.M.S., Delhi-06

Registered With The Registrar of News Papers For INDIA, Under Regd. No. 25512/72

D.L.(DG-11)/8009/2021-23
Posted Under Licence No. U(DN)39/2021 of Post without prepayment of postage

Mahindra Rise.

महिन्द्रा का अधिकृत शोरुम एवं वर्कशॉप

भागीरथ मोटर्स (इं) प्रा.लि.

पर्सनल वाहनों के लिए सम्पर्क करें Mob.: 9109154155, 9109154152
कमर्शियल वाहनों के लिए सम्पर्क करें Mob.: 9109154153

शोरुम: सर्वे नं. 379/2, ग्राम-ढाबला, रेवाड़ी, आगर रोड़, आर.डी. गार्डी कॉलेज के पास, उज्जैन (म.प्र.)

Bhagirth & Brothers

Bus & Truck Body Manufacture Since 1960

Organization:
Audi Automobiles, Pithampur
Bhagirath Coach & Metal Fabricators Pvt.Ltd., Pithampur
B & B Body Builders, A.B. Road, Indore
Rohan Coach Builders, 29Nehru park, Indore

Adm. Office:
29, Nehru Park Road, Indore-1(M.P.)
Phone:0731-2431921,Fax:0731-2538841

Works:
Plot No. 199-b, Sector-1,
Pithampur Dist. Dhar (M.P) 454775
Phone: 07292-426150 to 70

Website: www.bhagirathbrothers.com

Printed, Published by Sh. J.P. Sharma, K-29, Ward-1, Desu Road, Mehrauli, New Delhi-30, on behalf of (Owner) Akhil Bhartiya Jangid Brahmin Mahasabha, 440, Haveli Haider Quli, Chandni Chowk, Delhi-06, Printed at M/s. Kamal Printers, Anand Parbat, N.D.-05, Ph.:9810622239, Published at Delhi, Editor Sh. Ram Bhagat Sharma, 1741 Sector - 23 B Chandigarh (UT)

सेवा में

Posting Date: 22-27 Each Month
Publication Date: 15 January 2023
Weight: 100 gms. Cost: Rs. 240 Yearly

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा
440, हवेली हैदर कुली,
चाँदनी चौक, दिल्ली-110006

प्रेषक